



Technology Development Board

प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड Technology Development Board

विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार
Department of Science & Technology, Government of India



वार्षिक प्रतिवेदन
२०१५-१६

Annual Report
2015-16



प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड Technology Development Board

२०वीं वार्षिक प्रतिवेदन
Twentieth Annual Report

वार्षिक प्रतिवेदन | Annual Report
२०१५-१६ | 2015-16

भारत सरकार
विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग
खण्ड-क, विश्वकर्मा भवन
शाहीद जीत सिंह मार्ग,
नई दिल्ली- 110016



Government of India
Department of Science and Technology
Wing - A, Vishwakarma Bhawan,
Shaheed Jeet Singh Marg,
New Delhi - 110016

fo"k; I|ph

fooj.k	i"B l-
❖ एक यादगार वर्ष	09
❖ पूर्वावलोकन	13
❖ प्रस्तावना	21
❖ परियोजना प्रस्तावों को संशोधित करना	25
❖ परियोजनाएं एवं उत्पाद	31
❖ सकारात्मक-सक्रिय भूमिका	37
❖ प्रोन्नति संबंधी गतिविधियां	41
❖ अनुसंधान एवं विकास उपकरण	47
❖ प्रशासन	51
❖ समितियाँ	55
❖ वित्तीय विवरण	59

Contents

	Particulars	Page No.
❖	Board Members	06
❖	From Secretary Desk	07
❖	The Year That Was	91
❖	Overview	97
❖	Introduction	105
❖	Processing of Project Proposals	109
❖	Projects and Products	115
❖	Proactive Role	121
❖	Promotional Activities	125
❖	Research & Development Cess	131
❖	Administration	135
❖	Committees	139
❖	Financial Statements	145

Board Members

(As on 31st March, 2016)



Prof. Ashutosh Sharma
Chairperson and Secretary
Department of Science & Technology



Dr. Girish Sahni



Dr. S. Christopher



Shri Ratan P. Watal



Shri Ramesh Abhishek



Shri S.M. Vijayanand



Shri S. P. Shukla



Dr. Ajay Ranka



Shri G. Sreeramakrishna



Shri Pradeep Goyal



Dr. Bindu Dey

From **Secretary** Desk

TDB exited the year 2015-16 on a vibrant note! Comprising four integrated units i.e. Technical, Financial, Legal and Administrative, TDB experienced progress on all four fronts. The full-time Secretary joined after a gap of 5 years, which was followed by re-constitution of the Board through a Gazette Notification on 21.12.2015. Most activities got the whiff of fresh air after the first meeting of the re-constituted Board on 11th March 2016. A Technology cum Administrative Advisory Group (TAAG) has been put in place to provide philosophy of Vision & Mission to TDB. Two meetings of TAAG were held in quick succession and processes compliant to Manual of Standing Orders for quick & transparent decision-making on projects put in place. A Project Management System has been structured for online project submission. TDB faces many litigations/pre-litigation issues by virtue of its functionality that need to be addressed on time. A Dispute Resolution Committee was constituted comprising eminent financial, legal and technical members for hearing, negotiation and making suggestions to a Sub-committee of the Board for One Time Settlement. Cases were taken up and decisions resulted into good recoveries. TDB participated in many International & National events for outreach purpose including India International Trade Fair; India International Science Festival; Indian

Science Congress etc. During the year, TDB took decision to pro-actively generated proposals by giving out appropriate calls with first phase on "Medical Devices" & "Wireless Technologies". The organization re-formatting has begun by recruiting vacant Administrative, Technical & other such positions.

The year also witnessed implementation of TDB-DFID "Innovative Ventures and Technologies for Development – INVENT programme that has an outreach to about 8 states through interjection of four select institutions i.e. Kalinga Institute of Industrial Technology (KIIT); Start-up Oasis, Jaipur; IIT, Kanpur & IIM, Kolkata. Millennium Alliance, a collaborative effort between TDB, FICCI, USAID, DFID, ICCo Foundation, Wadhvani Foundation and World Bank had its 3rd round finalization with 32 proposals in Social Enterprise funded.

Overall during the year, TDB re-visited its mandate and rejuvenated itself for meeting its agenda of funding companies towards development; up-scaling and commercializing of domestic & imported technologies using different models of funding in a time-bound directional manner!!

Bindu Dey
Secretary,
Technology Development Board



एक यादगार वर्ष



वर्ष 2015-16 के दौरान, प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड (टीडीबी) ने विभिन्न औद्योगिक संगठनों के साथ वित्तीय सहायता के लिए 2 करार किया जिसमें मैसर्स विलग्रो इनोवेशन फाउंडेशन, चेन्नई के साथ डिपार्टमेंट ऑफ इन्टरनेशनल डेवलपमेंट (डीएफआईडी, यूके) द्वारा सहायता प्राप्त प्रोग्राम "इन्क्यूबेशन सपोर्ट कम्पोनेन्ट्स ऑफ इन्वेस्टिव वेंचर्स एंड टेक्नोलॉजिज फॉर डेवलपमेंट (इन्वेन्ट)" को संचालित करने के लिए किया गया करार भी शामिल है और 21.93 करोड़ रु. की कुल परियोजना लागत में से 4.75 करोड़ की प्रतिबद्धता की। टीडीबी की सहायता में स्वास्थ्य, अभियांत्रिकी, कृषि, उर्जा एवं अपशिष्ट की उपयोगिता, दूरसंचार और सूचना प्रौद्योगिकी आदि अर्थव्यवस्था के विभिन्न क्षेत्र शामिल हैं।

चालू एवं नई परियोजनाओं और स्कीमों के लिए 68.85 करोड़ रु. की राशि का सवितरण किया गया। इस राशि में ऋण के रूप में 26.99 करोड़ रु., इक्विटी में निवेश के रूप में 2.40 करोड़ रु., अनुदान के रूप में 11.20 करोड़ रु. और उद्यम पूंजी निधि (वीसीएफ) में निवेश के लिए 28.26 करोड़ रु. शामिल हैं।

उद्यम पूंजी निधि में भागीदारी

स्वदेशी प्रौद्योगिकियों के वाणिज्यीकरण हेतु उद्योगों के लिए प्रत्यक्ष सहायता के अतिरिक्त, टीडीबी ने प्रौद्योगिकीय रूप से नवोन्मो व्यवहार्य उद्यमों को सहायता प्रदान करने के लिए प्रौद्योगिकी केन्द्रित वीसीएफ के साथ नेटवर्किंग करना जारी रखा है। नवोन्मो और नवोन्मेषी उत्पाद/सेवाएं रखने वाले आरंभिक स्तर के एस.एम.ई. उद्यमों को सहायता प्रदान करके स्वयं के कार्य क्षेत्र का विस्तार करना इसका मुख्य उद्देश्य रहा है। टीडीबी की इस पहल ने भारतीय अर्थव्यवस्था की संवृद्धि को प्रेरित करने वाले क्षेत्रों में मुख्य बल के साथ प्रौद्योगिकी आधारित परियोजनाओं को व्यापक रूप से सहायता प्रदान करने हेतु आगे आने के लिए वेन्चर कैपिटलिस्ट/निजी इक्विटी फंड्स का आत्मविश्वास बढ़ाया है।

31 मार्च, 2016, टीडीबी ने 12 वीसीएफएस नामतः एपीआईडीसी, यूटीआई-एआईएफ, यूटीआई-आईटीवीयूएस, वेंचर ईस्ट टिनेट फंड-II, जीवीएफएल-एसएमई टेक्नोलॉजी वेंचर फंड, आरवीसीएफ-एसएमई टेक फंड आरवीसीएफ-II, सीआईआईआई-इंडियन फंड फॉर सस्टेनेबल एनर्जी, सिडबी-इंडिया अपर्च्युनिटी फंड, सीफ-सीफ इंडिया एग्रीबिजनेस फंड, ब्लूम वेंचर का - मल्टीसेक्टर सीड कैपिटल फंड एवं आइवीकैप वेंचर का-आइवीकैप वेंचर्स ट्रस्ट फंड-1 में 310.00 करोड़ रु. की भागीदारी की प्रतिबद्धता को जारी रखा तथा इनमें से पांच वीसीएफ में निवेश पर आय शुरू हो चुका है।

इन निधियों से नवोन्मेषी परियोजनाओं में निवेश को विस्तार देने के लक्ष्य के साथ आईटी/आईटीईएस, जैवप्रौद्योगिकी, स्वास्थ्य, दूरभाष, नैनो-टेक्नोलॉजी, क्लीनटेक इनर्जी और एग्रीबिजनेस के क्षेत्र में प्रौद्योगिकी आधारित वेंचर्स को सहायता पहुंचाने के लिए लक्षित किया गया है।

इस वर्ष, टीडीबी को सिडबी वेंचर कैपिटल लि. मुम्बई के इंडिया अपर्च्युनिटी फंड से 0.86 करोड़ रु., और वेंचरईस्ट फंड एडवार्जर्स (इंडिया) प्रा. लि., चेन्नई के वेंचरईस्ट टीनेट फंड-II से 0.97 करोड़ रु. इनकी यूनिटों के मोचन से प्राप्त हुए।

इन्क्यूबेटर्स में शुरूआतकर्ताओं के लिए सीड सहायता स्कीम

वर्ष 2005 में, टीडीबी ने डीएसटी के राष्ट्रीय विज्ञान और प्रौद्योगिकी उद्यमिता विकास बोर्ड (एनएसटीईडीबी) द्वारा प्रशासित इन्क्यूबेटर्स (एसटीईपी - टीबीआई) को आरंभिक स्तर पर वित्तीय सहायता प्रदान करने के लिए सीड सहायता स्कीम शुरू करके संवृद्धि-उन्मुखी अग्रसक्रिय पहल की और वर्ष 2011-12 तक 3600.00 लाख रु. की प्रतिबद्धता के साथ 36 (जिनमें कि दुबारा सहायता प्राप्त करने वाले 4 टीबीआईएस/एसटीईपीएस सम्मिलित हैं) प्रौद्योगिकी व्यवसाय इन्क्यूबेटर्स (टीबीआईएस) और विज्ञान और प्रौद्योगिकी उद्यमिता पार्क (एसटीईपीएस) को सहायता प्रदान की है।

स्कीम ने अच्छी प्रगति की है और विभिन्न क्षेत्रों में बहुत से उद्यमियों को लाभान्वित किया है। इन्क्यूबेटीज के लिए जारी की गई वित्तीय सहायता विकास, स्तरोन्नयन और संबंधित कार्य की आवश्यकता रखने वाली प्रौद्योगिकियों के लिए आरंभिक स्तर पर सहायता में मदद करेगी। यह इन्क्यूबेटर्स द्वारा इन्क्यूबेशन निधि का सृजन करने में भी सुविधा प्रदान करेगी।

31 मार्च, 2016 तक टीडीबी ने 36 टीबीआईएस/एसटीईपीएस में प्रत्येक को 1.00 करोड़ रु. तथा कुल मिलाकर 36.00 करोड़ रु. की अनुदान सहायता को जारी रखा।

प्रौद्योगिकी दिवस

प्रौद्योगिकी दिवस 2015 का आयोजन 11 मई, 2015 को विज्ञान भवन, नई दिल्ली में किया गया। डॉ. हर्षवर्धन, माननीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी और पृथ्वी विज्ञान मंत्री ने मुख्य अतिथि के रूप में समारोह की अध्यक्षता की। "भारत का एक विकसित राष्ट्र के रूप में बदलाव में प्रौद्योगिकीय हस्तक्षेप" विषय पर प्रौद्योगिकी दिवस व्याख्यान, डॉ. वी. के. सारस्वत, सदस्य, नीति आयोग एवं डॉ. किरण मजूमदार साँ, सीएमडी, मैसर्स बायोकोन लिमिटेड के द्वारा दिया गया।



डायनापर क्यूपीएस के नाम के ब्रांड से टोपिकल ड्रग डिलीवरी की नयी तकनीक के स्वदेशी विकास एवं वाणिज्यीकरण के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार मैसर्स ट्रोयका फार्मास्यूटिकल्स लिमिटेड, अहमदाबाद को दिया गया। डायनापर क्यूपीएस नवीन ड्रग डिलीवरी प्लेटफॉर्म पर आधारित टोपिकल डिव्लोफेनेक का एक नॉन एक्जूस फॉर्मूलेसन है। क्यूपीएस अद्वितीय चिकित्सा लाभ, जिसमें बेहद कम प्लाज्मा एकाग्रता के साथ फ्लेम्ड उतकों में डाइक्लोफेनाक के उच्च एकाग्रता को प्राप्त करने से त्वचा के माध्यम से उच्च प्रवेश की सुविधा प्रदान करती है। डायनापर क्यूपीएस प्रभावित जगह के लिए एक लक्षित दवा वितरण के रूप में कार्य करता है और मस्क्यूलोस्केलेटन और संयुक्त विकारों के लिए बेहतर फार्मको-इकोनॉमिक चिकित्सा उपलब्ध कराने की आवश्यकता कम करते हुए मौखिक दर्दनाशक दवाओं के उपभोग से होने वाले महत्वपूर्ण अंगों के नुकसान होने से भी बचाता है।

मैसर्स ट्रोयका फार्मास्यूटिकल्स लिमिटेड, अहमदाबाद ने 10.00 लाख रु. का नकद पुरस्कार एवं ट्रॉफी प्राप्त की।

वर्ष 2015-16 के दौरान कोई भी एसएसआई इकाई पुरस्कार नहीं दिया गया।

पारस्परिक अन्तरक्रिया पद्धति

प्रदर्शनियां / संगोष्ठियां

प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड के पास उपलब्ध वित्तीय सहायता के बारे में उद्योग, उद्यमियों एवं आर एण्ड डी संस्थानों के बीच जागरूकता का सृजन करने के लिए अन्य संगठनों के सहयोग से विचार-विमर्शी बैठकों / प्रदर्शनियों में भागीदारी जैसे विभिन्न कार्यक्रमों को संचालित किया गया।

वर्ष के दौरान, टीडीबी ने मैसूर और नई दिल्ली में विभिन्न प्रदर्शनियों में भाग लेकर अपनी स्कीमों के बारे में जागरूकता पैदा की है। इनमें भारत अन्तरराष्ट्रीय व्यापार मेला, प्रगति मैदान, नई दिल्ली, भारत अन्तरराष्ट्रीय विज्ञान महोत्सव, आईआईटी दिल्ली एवं भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस, मैसूर शामिल हैं।

नए उत्पाद एवं सेवाएं

वर्ष के दौरान, टीडीबी ने नवोन्मेषी प्रौद्योगिकीयों के विकास एवं वाणिज्यीकरण हेतु निम्नलिखित परियोजनाओं को सहायता प्रदान करने के लिए नये करारों पर हस्ताक्षर किए :

- ❖ मैसर्स डबल-डी टेक्नोलॉजी प्राइवेट लिमिटेड, मुम्बई द्वारा सीआयोन कटिंग इन्सर्ट्स एवं अन्य उत्पाद का विकास एवं वाणिज्यीकरण
- ❖ अन्तरराष्ट्रीय विकास विभाग (डीएफआईडी, यूके) द्वारा समर्थित इन्क्यूबेशन सपोर्ट कम्पौनेंट्स ऑफ इनोवेटिव वेंचर्स और टेक्नोलॉजी फॉर डेवलपमेंट (इवेंट) के कार्यान्वयन के लिए मैसर्स विलग्रो इनोवेशन फाउंडेशन, चेन्नई के साथ करार

जारी उत्पाद / पूरी की गई परियोजनाएं

वर्ष के दौरान टीडीबी से सहायता के साथ जारी उत्पादों / पूरी की गई परियोजनाओं में निम्नलिखित शामिल हैं:-

- ❖ मैसर्स एकवाग्री प्रोसेसिंग प्राइवेट लिमिटेड, नई दिल्ली द्वारा समुद्री पौधों से निकाली गई मूल्य वर्धित उत्पादों का कृषि, पशुपालन और मानव अनुप्रयोगों के लिए वाणिज्यीकरण
- ❖ मैसर्स जेन टेक्नोलॉजिज लिमिटेड, हैदराबाद द्वारा मानव रहित हवाई वाहन मिशन सिम्युलेटर (यूएवी सीम) का विकास एवं वाणिज्यीकरण
- ❖ मैसर्स सिकेम टेक्नोलॉजिज प्राइवेट लिमिटेड, चेन्नई द्वारा हीट सिंकेबल ट्यूब्स, प्रोफाईल एंड शीट, ईबी कास लिंकड पालिमेरिक वायर्स और कंबल्स के निर्माण एवं वाणिज्यीकरण और जेम कॉलोरेसन, पालिमेरिक उत्पाद रूपान्तरण और मेडिकल स्टेरीलाइजेशन के लिए अनुबंधित सेवा प्रदान करने के लिए इलेक्ट्रॉन बीम तकनीक का विकास।
- ❖ मैसर्स इको इंडिया फिनांसियल सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड, गुडगाव द्वारा बैंक रहित एवं अंडर-बैंकड के इलाकों के लिए शाखा रहित बैंकिंग एवं वित्तीय सहायता

ऋण चुकौती का निपटान

इस वर्ष, टीडीबी द्वारा सहायता प्राप्त निम्नलिखित तेरह (13) कम्पनियों ने अपनी ऋण राशि का भुगतान कर दिया है और टीडीबी के द्वारा सन्तोषप्रद पाए जाने पर करार के अनुसार अपनी ऋण लेखाओं का निपटान कर दिया है।

- ❖ मैसर्स गुडविल आर्गेनिक्स प्राइवेट लिमिटेड, मुम्बई
- ❖ मैसर्स बुल मशीन प्रा. लि., कौयम्बटूर
- ❖ मैसर्स श्री बायोटेक लेबोरेटरीज इंडिया लि., हैदराबाद
- ❖ मैसर्स न्यूरोसिनेप्टीक कम्प्युकेशन प्रा. लि., बैंगलोर
- ❖ मैसर्स पावा साफ्टवेयर प्राइवेट लिमिटेड, बैंगलोर
- ❖ मैसर्स वीजया लक्ष्मी इंजीनियरिंग वर्क्स लि., कौयम्बटूर
- ❖ मैसर्स यूनाइटेड नैनोटेक प्रोडक्ट्स लि., कोलकाता
- ❖ मैसर्स स्कैनरे टेक्नोलॉजिस प्रा. लि., मैसूर
- ❖ मैसर्स एक्जियो बायोसाल्यूशन्स प्राइवेट लिमिटेड, अहमदाबाद
- ❖ मैसर्स सिकवेंट साइटिफिक लि., बैंगलोर
- ❖ मैसर्स भारत बायोटेक इंटरनेशनल लि., हैदराबाद
- ❖ मैसर्स आरोरा इंटीग्रेटेड सिस्टम प्रा. लि., कानपुर
- ❖ मैसर्स इस्टा पावर लि., नई दिल्ली

प्राप्त आवेदन

वर्ष के दौरान टीडीबी ने विभिन्न औद्योगिक संस्थानों से वित्तीय सहायता के लिए कुल 37 आवेदन प्राप्त किए जिसमें 803.17 करोड़ रु. की कुल परियोजना लागत और 342.90 करोड़ रु. की टीडीबी से मांगी गई सहायता शामिल है। इनमें से 20 आवेदनों को टीडीबी के द्वारा वित्तीय सहायता के लिए अग्रिम कार्यवाई हेतु उचित पाया गया।



पूर्वावलोकन



भारत सरकार द्वारा प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड अधिनियम, 1995 के प्रावधानों के अंतर्गत सितम्बर, 1996 में प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड का गठन किया गया।

इस अधिनियम में टीडीबी द्वारा संचालित प्रौद्योगिकी विकास तथा अनुप्रयोग के लिए फंड सृजन का प्रावधान है। इस फंड द्वारा सरकार से अनुसंधान एवं विकास उपकर अधिनियम, 1986 यथा संशोधित 1995 के प्रावधानों के तहत औद्योगिक इकाइयों से एकत्रित उपकर में से भारत सरकार से अनुदान प्राप्त किया जाता है। फंड की राशि के निवेश से प्राप्त आय और फंड द्वारा दिए गए अनुदानों की वसूली को फंड में जमा कर दिया जाता है। वित्त अधिनियम, 1999 द्वारा आयकर संबंधी उद्देश्यों के लिए फंड को दिए गए अनुदानों में पूर्ण कटौती करने हेतु सक्षम बनाया गया।

वर्ष 1996-97 से 2015-16 की अवधि के दौरान आर एंड डी उपकर से सरकार द्वारा कुल 6787.08 करोड़ रु. एकत्र किए गए। इसमें से टीडीबी को 20 वर्षों की अवधि में 579.17 करोड़ रु. की संचित राशि विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग के गैर-योजना व्यय में से अनुदान सहायता के रूप में उपलब्ध कराया गया।

टीडीबी का दायित्व स्वदेशी प्रौद्योगिकी के विकास एवं वाणिज्यिक अनुप्रयोग का प्रयास करना अथवा व्यापक घरेलू अनुप्रयोग हेतु आयातित प्रौद्योगिकी को अपनाते वाली औद्योगिक इकाइयों तथा एजेंसियों को वित्तीय सहायता उपलब्ध कराना है।

टीडीबी द्वारा वित्तीय सहायता ऋण या इक्विटी के रूप में तथा आपवादिक मामलों में अनुदान के रूप में उपलब्ध है। ऋण सहायता अनुमोदित परियोजना लागत के 50 प्रतिशत तक दी

जाती है और इस पर प्रतिवर्ष 5 प्रतिशत साधारण ब्याज लिया जाता है। ऋण अवधि के दौरान टीडीबी की सहायता से उत्पादित उत्पाद की बिक्री पर रॉयल्टी भी देय है। विकल्प के रूप में टीडीबी किसी कंपनी को इक्विटी पूंजी भी प्रदान कर सकता है बशर्ते यह अनुमोदित परियोजना लागत का अधिकतम 25 प्रतिशत तक हो। वित्तीय सहायता किसी औद्योगिक इकाई के शुरुआत, स्टार्ट अप अथवा विकास के चरणों में उपलब्ध कराई जा सकती है।

टीडीबी को अर्थव्यवस्था के सभी क्षेत्रों से वित्तीय सहायता हेतु आवेदन वर्ष भर प्राप्त होते रहते हैं। टीडीबी से वित्तीय सहायता प्राप्त करने हेतु इच्छुक औद्योगिक इकाई को विहित पत्र में आवेदन करना होता है। परियोजना वित्त पोषण संबंधी दिशानिर्देशों सहित आवेदन के प्रारूप की प्रति टीडीबी से नि:शुल्क या टीडीबी की वेबसाइट (www.tdb.gov.in) से प्राप्त किया जा सकती है।

टीडीबी ने अपनी योजनाओं को प्रौद्योगिकी अभिमुखी परियोजनाओं तक और अधिक विस्तारित करने के लिए उद्यम पूंजी निधि में भी भाग लिया है। इसके अतिरिक्त, यह इन्क्यूबेटर्स को सीड सहायता स्कीम के माध्यम से सहायता भी प्रदान करता है और इसने अपनी गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए चयनित विदेशी संस्थानों के साथ पारस्परिक विचार-विमर्श भी किया है।

31 मार्च, 2016 की स्थिति के अनुसार टीडीबी द्वारा (1996 में इसके अस्तित्व में आने के बाद से) 6207.43 करोड़ रु. की कुल परियोजना लागत युक्त कुल 318 करारों पर हस्ताक्षर किया है जिसमें से टीडीबी की बचनवृद्धता 1521.84 करोड़ रु. की है

वित्तीय सहायता का तरीका

टीडीबी द्वारा 31 मार्च, 2016 तक दी गई वित्तीय सहायता के तरीकों को निम्नलिखित तालिका में दर्शाया गया है:

(करोड़ रु. में)

साधन	टीडीबी द्वारा स्वीकृत*	टीडीबी द्वारा वितरित
ऋण	1028.77	883.64
इक्विटी	33.06	**34.19
अनुदान	150.01	137.93
वेन्सफंड	310.00	241.80
कुल	1521.84	1297.56

* 31 मार्च, 2016 तक टीडीबी द्वारा वास्तविक रूप से अनुमोदित राशि वित्तीय सहायता की मात्रा में संपोधन, परिसमापन और निरसन के कारण परचातवर्ती वर्षों में परिवर्तित हो सकती है।

** इसमें मार्च, 2004 में एन आई सी सी ओ को संचित 18.46 करोड़ रु. (वर्ष 1999-2000 में 12.46 करोड़ रु. और वर्ष 2001-02 में 06.00 करोड़ रु.) के लोन के ऋण का संचित मोचन योग्य चरित्रता शेषों में परिवर्तन (तथापि ऋण में कमी), मेसर्स फंडियर लाईफलाईन प्राइवेट लिमिटेड, चेन्नई को संचित 5.00 करोड़ रु. के लोन के ऋण का संचित मोचन में परिवर्तन एवं 31 मार्च, 2016 तक टीडीबी की एक सेक्सन 25 कम्पनी, ग्लोबल इन्वेंशन एण्ड टेक्नोलॉजी एलायन्स (जीआईटीए) में 6.74 करोड़ रु. की भागीदारी शामिल है।

जिसमें से टीडीबी ने सरकार द्वारा दिए गए फंड और आंतरिक प्राप्तियों में से 1297.56 करोड़ रु. का सवितरण किया है।

टीडीबी ने अब तक अन्य निवेशकों से कुल 2408.00 करोड़ रु. के निधियों तक पहुंच बनाते हुए 310.00 करोड़ रु. की प्रतिबद्धता/भागीदारी के साथ अब तक कुल 12 उद्यम पूंजी निधियों को सहायता जारी रखा है। टीडीबी ने सीड सहायता स्कीम के अंतर्गत छत्तीस (जिनमें दोबारा सहायता प्राप्त 4 टीबीआईएस/एसटीडीपीएस शामिल है) इन्व्यूबेटर्स में प्रत्येक को 1.00 करोड़ रु. की अनुदान सहायता अनुमोदित की है।

इसमें अन्य क्षेत्रों की तुलना में स्वास्थ्य एवं चिकित्सा एवं इंजीनियरिंग क्षेत्रों का महत्वपूर्ण हिस्सा है। टीडीबी द्वारा दी गई सहायता विस्तृत रूप से नए वेन्चरों और विभिन्न औद्योगिक क्षेत्रों में बाजार संचालित और प्रौद्योगिकी उन्मुखी है।

टीडीबी द्वारा वित्तीय भागीदारी बाजार की परिस्थितियों पर निर्भर करती है और एक क्षेत्र से दूसरे क्षेत्र में भिन्न होती है। इसकी वित्तीय सहायता में स्वास्थ्य एवं चिकित्सा एवं इंजीनियरिंग क्षेत्रों की महत्वपूर्ण भागीदारी होती है।

करारों का क्षेत्रवार कवरेज

टीडीबी की वित्तीय सहायता ने अर्थव्यवस्था के लगभग सभी क्षेत्रों को कवर कर लिया है। निम्नलिखित तालिका में टीडीबी द्वारा 1996-97 में इसके गठन से 31 मार्च, 2016 तक क्षेत्रवार स्वीकृत की गई परियोजनाओं को दिखाया गया है:-

(करोड़ रु. में)

सेक्टर	करारों की संख्या	कुल लागत	टीडीबी द्वारा स्वीकृत
1 स्वास्थ्य एवं चिकित्सा	78	1263.22	356.96
2 इंजीनियरिंग	63	621.10	227.65
3 इलेक्ट्रॉनिक्स	05	111.56	42.75
4 केमिकल	24	208.00	72.79
5 कृषि	21	141.55	47.40
6 ऊर्जा और अपविष्ट उपयोगिता	08	132.36	55.98
7 दूरसंचार	12	99.88	37.85
8 रक्षा एवं नागर विमानन	01	8.00	2.20
9 सड़क यातायात	10	527.04	81.20
10 हवाई यातायात	02	142.10	67.80
11 सूचना प्रौद्योगिकी	42	380.79	150.41
12 vll:			
❖ वेन्चर फंड	12	2408.00	310.00
❖ एसटीडीपी – टीबीआई	36	36.00	36.00
❖ सीआईआई	01	0.83	0.50
❖ मिलेनियम अलायंस	01	112.00	25.00
❖ ग्लोबल इनोवेशन एंड टेक्नोलॉजी अलायंस	01	15.00	7.35
❖ (च) इवेंट प्रोग्राम	01	—	—
कुल	318	6207.43	1521.84

* (टीडीबी द्वारा बिना राशि जारी वाले 14 रद्द किए गए करारों को शामिल नहीं किया गया है)

वर्ष 1996-2016 के दौरान करारों का राज्यवार वितरण

वर्ष 1996-2016 के दौरान हस्ताक्षर किए गए करारों (कम्पनी के रजिस्टर्ड कार्यालय के आधार पर) का राज्यवार वितरण :

(करोड़ रु. में)

सं.	राज्य, केन्द्र शासित	करारों की संख्या	उद्यमों की संख्या	कुल	टीडीबी द्वारा स्वीकृत की गई रकम, अनुदान/इक्विटी
1	आन्ध्र प्रदेश	82	69	1226.23	418.44
2	चंडीगढ़	4	4	43.75	16.50
3	दिल्ली	19	18	230.80	74.65
4	गुजरात	12	11	123.35	39.12
5	हरियाणा	6	5	44.15	18.00
6	हिमाचल प्रदेश	1	1	6.24	1.90
7	जम्मू एवं कश्मीर	1	1	5.65	2.38
8	कर्नाटक	36	34	475.30	188.64
9	केरल	3	3	19.03	7.15
10	मध्य प्रदेश	6	5	154.23	41.50
11	महाराष्ट्र	39	36	750.80	141.20
12	मणिपुर	1	1	7.94	2.70
13	पांडीचेरी	1	1	5.83	1.90
14	पंजाब	5	5	52.20	14.46
15	राजस्थान	1	1	35.77	3.00
16	तमिलनाडु	34	33	296.97	91.31
17	उत्तर प्रदेश	7	6	52.03	33.88
18	पश्चिम बंगाल	8	6	105.33	46.26
19	अन्य सहित				
	वेन्चर फंड	12	12	2408.00	310.00
	एसटीडीपी - टीबीआई	36	32	36.00	36.00
	सीआईआई	1	1	0.83	0.50
	मिलेनियम अलायंस	1	1	112.00	25.00
	ग्लोबल इनोवेशन एंड टेक्नोलॉजी अलायंस	1	1	15.00	7.35
	इवेंट प्रोग्राम	1	1	-	-
	कुल योग	318	288	6207.43	1521.84

सकारात्मक सक्रिय भूमिका

पिछले कुछ समय से टीडीबी ने विभिन्न वेंचर कैपिटल फंड्स के साथ भागीदारी की है ताकि विभिन्न नवीन परियोजनाओं के उत्तोलन निवेश की संभावनाओं का विस्तृत किया जा सके। टीडीबी ने सीड सहायता स्कीम के माध्यम से इन्व्यूबेटर्स द्वारा आर एंड डी पहलों को सहायता दी है। टीडीबी देश में प्रौद्योगिकी उन्मुख पहलों को एक प्लेटफॉर्म प्रदान करने के लिए चयनित विदेशी संस्थानों के साथ जुड़ा है।

उद्यम पूंजी निधि में भागीदारी

31 मार्च, 2016, टीडीबी ने 12 वीसीएफएस नामतः एपीआईडीसी, यूटीआई-एआईएफ, यूटीआई-आईटीवीयूएस, वेंचर इन्व्स्टिटमेंट फंड-II, जीवीएफएल-एसएमई टेक्नोलॉजी वेंचर फंड, आरवीसीएफ-एसएमई टेक फंड आरवीसीएफ-II, सीआईआई-इंडियन फंड फॉर सस्टेनेबल एनर्जी, सिडबी-इंडिया अपचुनिटी फंड, सीफ-सीफ इंडिया एग्रीबिजनेस फंड, ब्लूम वेंचर का - मल्टीसेक्टर सीड कैपिटल फंड एवं आइवीकैप वेंचर का-आइवीकैप वेंचर्स ट्रस्ट फंड-1 में 310.00 करोड़ रु. की

भागीदारी की प्रतिबद्धता को जारी रखा तथा इनमें से पांच वीसीएफ में निवेश पर आय शुरू हो चुका है।

इन निधियों से नवोन्मेषी परियोजनाओं में निवेश को विस्तार देने के लक्ष्य के साथ आईटी/आईटीईएस, जैवप्रौद्योगिकी, स्वास्थ्य, दूरभाष, नैनो-टेक्नोलॉजी, क्लीनटेक इनर्जी और एग्रीबिजनेस के क्षेत्र में प्रौद्योगिकी आधारित वेंचर्स को सहायता पहुंचाने के लिए लक्षित किया गया है।

एसटीईपी / टीबीआई के लिए सीड सहायता

टीडीबी ने नवोन्मेषी प्रौद्योगिकी उद्यम विचारों का प्रोत्साहित करने के लिए युवा उद्यमियों हेतु प्रारंभिक वित्तीय सहायता प्रदान करने के लिए सीड सहायता स्कीम शुरू की है। टीडीबी इस बात को मान्यता देता है कि इन्क्यूबेशन स्तर पर प्रौद्योगिकीय नवोन्मो और विकास अत्यंत महत्वपूर्ण घटक हैं जिसके फलस्वरूप प्रौद्योगिकी वाणिज्यीकरण होता है। विगत वर्षों में इन्क्यूबेटर्स में शुरुआतकर्ताओं के लिए सीड सहायता में भागीदारी करने का निर्णय लेकर टीडीबी ने एक संवृद्धि-उन्मुखी पहल की है।

वर्ष 2005-06 के दौरान प्रौद्योगिकीय विचारों का संवर्धन करने के लिए इन्क्यूबेटर्स में शुरुआतकर्ताओं के लिए सीड सहायता प्रणाली के अन्तर्गत टीडीबी ने पांच प्रौद्योगिकी व्यवसाय इन्क्यूबेटर्स (टी बी आई एस) और विज्ञान और प्रौद्योगिकी उद्यमिता पार्क (एस टी ई पी एस) को वित्तीय सहायता प्रदान की है। इस स्कीम ने अच्छी प्रगति की है। टीडीबी ने इस स्कीम का विस्तार किया और 2007-08 में दूसरे चरण में 100.00 लाख रु. प्रत्येक सहित अन्य 5 (पांच) इन्क्यूबेटर्स, 2009-10 में तीसरे चरण में 100.00 लाख

रु. प्रत्येक सहित 5 (पांच) इन्क्यूबेटर्स, 2010-11 में चौथे चरण में 100.00 लाख रु. प्रत्येक सहित 9 (नौ) एवं 2011-12 में पांचवे चरण में 100.00 लाख रु. प्रत्येक के साथ 12 (बारह) इन्क्यूबेटर्स को सहायता प्रदान की है।

31 मार्च, 2016 तक टीडीबी ने 36 (जिनमें दोबारा वित्तीय सहायता प्राप्त 4 टीबीआईएस/एसटीईपीएस शामिल है) टीबीआईएस/एसटीईपीएस को कुल 36.00 करोड़ रु. जिसमें से प्रत्येक को 1.00 करोड़ रु. सहायता प्रदान की है। इन इन्क्यूबेटर्स ने बहुत सी इन्क्यूबेटीज कंपनियों को उनकी दूरसंचार, सॉफ्टवेयर, रोबोटिक्स, कृषि, यंत्रीकरण, इंजीनियरिंग, पर्यावरण, फार्मा, खाद्य, सौर, वस्त्र एवं जैव प्रौद्योगिकी आदि क्षेत्रों से जुड़ी परियोजनाओं के लिए सहायता प्रदान की है।

रोजगार के अवसर

टीडीबी ने नए उद्यमों द्वारा परियोजनाओं के कार्यान्वयन तथा मौजूदा उद्यमों द्वारा नई परियोजनाओं के कार्यान्वयन के माध्यम से रोजगार के नए अवसर का सृजन करके मूल्यवर्धन किया है।

प्रौद्योगिकी दिवस एवं राष्ट्रीय पुरस्कारों का वितरण

प्रौद्योगिकी दिवस 2015 का आयोजन 11 मई, 2015 को विज्ञान भवन, नई दिल्ली में किया गया। डॉ. हर्षवर्धन, माननीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी और पृथ्वी विज्ञान मंत्री ने मुख्य अतिथि के रूप में समारोह की अध्यक्षता की। "भारत का एक विकसित राष्ट्र के रूप में बदलाव में प्रौद्योगिकीय हस्तक्षेप" विषय पर प्रौद्योगिकी



दिवस व्याख्यान, डॉ. वी. के. सारस्वत, सदस्य, नीति आयोग एवं डॉ. किरण मजूमदार साँ, सीएमडी, मैसर्स बायोकोन लिमिटेड के द्वारा दिया गया।

डायनापर क्यूपीएस के नाम के ब्रांड से टोपिकल ड्रग डिलीवरी की नयी तकनीक के स्वदेशी विकास एवं वाणिज्यीकरण के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार मैसर्स ट्रोयका फार्मास्यूटिकल्स लिमिटेड, अहमदाबाद को दिया गया। डायनापर क्यूपीएस नवीन ड्रग डिलीवरी प्लेटफॉर्म पर आधारित टोपिकल डिक्लोफेनेक का एक नॉन एक्जूस फॉर्मूलेसन है। क्यूपीएस अद्वितीय चिकित्सा लाभ, जिसमें बेहतर कम प्लाज्मा एकाग्रता के साथ फ्लेम्ड उतकों में डाइक्लोफेनाक के उच्च एकाग्रता को प्राप्त करने से त्वचा के माध्यम से उच्च प्रवेश की सुविधा प्रदान करती है। डायनापर क्यूपीएस प्रभावित जगह के लिए एक लक्षित दवा वितरण के रूप में कार्य करता है और मस्क्युलोस्केलेटन और संयुक्त विकारों के लिए बेहतर फार्मेको-इकोनॉमिक चिकित्सा उपलब्ध कराने की आवश्यकता कम करते हुए मौखिक दर्दनाशक दवाओं के उपभोग से होने वाले महत्वपूर्ण अंगों के नुकसान होने से भी बचाता है।

मैसर्स ट्रोयका फार्मास्यूटिकल्स लिमिटेड, अहमदाबाद ने 10.00 लाख रु. का नकद पुरस्कार एवं ट्रॉफी प्राप्त की।

इस वर्ष कोई भी एसएसआई इकाई पुरस्कार नहीं दिया गया।

बोर्ड के सदस्य

डॉ. गिरीश साहनी ने 24 अगस्त, 2015 से सचिव, वैज्ञानिक एवं औद्योगिक अनुसंधान विभाग का कार्यभार डॉ. के. विजयराघवन के स्थान पर संभाला, डॉ. एस. क्रिस्टोफर ने 29 मई, 2015 से सचिव, रक्षा अनुसंधान और विकास विभाग का कार्यभार डॉ. अविनाश चंदर के स्थान पर संभाला, श्री रमेश अभिषेक ने 11 फरवरी, 2016 से सचिव, औद्योगिक नीति एवं संवर्धन विभाग का कार्यभार श्री अमिताभ कांत के स्थान पर संभाला और श्री एस. एम. विजयानन्द ने 1 मार्च, 2016 से सचिव, ग्रामीण विकास विभाग का कार्यभार श्री जे. के. मोहापात्रा के स्थान पर संभाला।

श्री एस. पी. शुक्ल, अध्यक्ष, महिन्द्रा एयरोस्पेश, मुम्बई, डॉ. अजय रंका, सीईओ, जाईडेक्स इन्डस्ट्रीज, वडोदरा, श्री जी. श्रीरामाकृष्णा, भूतपूर्व-सीजीएम, एसबीआई, सिकन्दराबाद और श्री प्रदीप गोयल, अध्यक्ष, प्रदीप मेटल्स लिमिटेड, नवी मुम्बई को 21.12.2015 की अधिसूचना के अन्तर्गत सदस्य नियुक्त किया गया।

आभार

बोर्ड, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग का, टीडीबी के लिए उनके अधिकारियों की सेवाएं प्रदान करने के लिए अपना आभार प्रकट करता है।

स्थान: नई दिल्ली
दिनांक:

ह./-
(प्रो. आशुतोष शर्मा)
अध्यक्ष
प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड

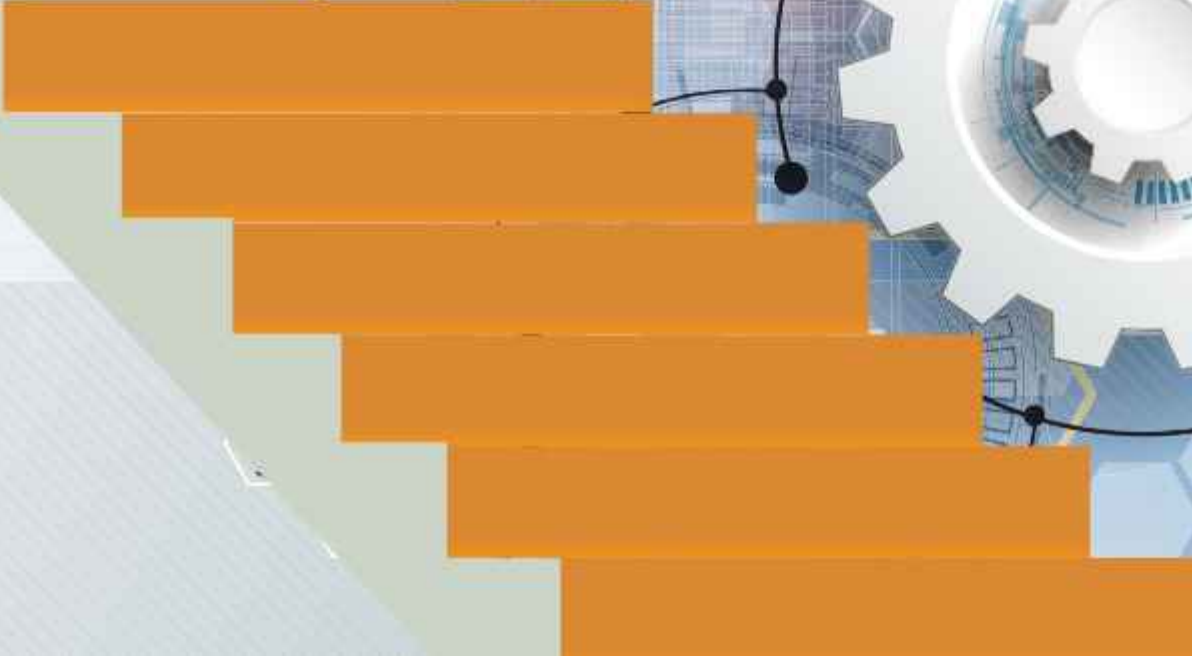
प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड का गठन

(31 मार्च, 2016)

<p>lk- vk'krk'k 'kek Ifpo] foKku ,o lk kfxdh foBkx</p>	<p>lnu v/; {k</p>
<p>Mk- fxjh'k lkgul Ifpo] oKkfud ,o vk kfxd vul/ku foBkx</p>	<p>lnu lnL;</p>
<p>Mk- , l- fdLVkQj Ifpo] j{k vkul/ku ,o fodkl foBkx</p>	<p>lnu lnL;</p>
<p>Jh jru ih- ory Ifpo] 0; ; foBkx</p>	<p>lnu lnL;</p>
<p>Jh je'k vflk'kd Ifpo] vk kfxd ulfr ,o ikku;u foBkx</p>	<p>lnu lnL;</p>
<p>Jh , l- ,e- fot;kun Ifpo] xkei.k fodkl foBkx</p>	<p>lnu lnL;</p>
<p>Jh , l- ih- 'kDyk v/; {k} efglnk , ; jkLi'k} efcB</p>	<p>lnL;</p>
<p>Mk- vt; jdk lk-b-vk-] tkbMDI bMLVt] oMknjk</p>	<p>lnL;</p>
<p>Jh th- JjkekD".kk Bkrio&lhth,e , lchvkb] fl dUnjkcin</p>	<p>lnL;</p>
<p>Jh inhi xk;y v/; {k} inhi eVYI fyfeVM] uoh efcB</p>	<p>lnL;</p>
<p>Mk- fcUn M Ifpo] ik kfxdh fodkl ckM</p>	<p>lnu lnL; lnL; Ifpo</p>



प्रस्तावना



व्यापक घरेलू अनुप्रयोग के लिए विकास को प्रोन्नत करने और सभी स्वदेशी प्रौद्योगिकी के वाणिज्यीकरण तथा आयातित प्रौद्योगिकी को अपनाने के लिए भारत सरकार ने सितम्बर 1996 में प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड (टीडीबी) का गठन किया।

टीडीबी, प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड अधिनियम 1995 के तहत सृजित प्रौद्योगिकी विकास और अनुप्रयोग के लिए कोश को शासित करता है। कोश भारत सरकार से अनुदान प्राप्त करता है। प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड अधिनियम भी टीडीबी को किसी अन्य स्रोत से टीडीबी द्वारा प्राप्त सभी धनराशियों को कोश के खाते में डालते हुए कोश के प्रदान धनराशियों से की गयी वसूलियों और कोश की धनराशि के निवेश से किसी आय द्वारा निधि बनाने का अधिकार देता है। वित्त अधिनियम, 1999 आयकर के प्रयोजनार्थ कोश के लिए दिये गये दानों हेतु पूर्ण कटौतियों का अधिकार देता है।

भारत सरकार टीडीबी को अनुसंधान और विकास उपकरण अधिनियम, 1986 (1995 में यथा संशोधित) के प्रावधानों के तहत औद्योगिक कंपनियों से किये गये उपकरण समाहरणों में से निधियां मुहैया कराती है। वर्ष 1996-97 से 2015-16 की अवधि के दौरान सरकार द्वारा 6787.08 करोड़ रु. का अनुसंधान एवं विकास उपकरण एकत्रित किया गया। इसमें से, टीडीबी ने 20 वर्ष के भीतर 579.17 करोड़ रु. की संचयी राशि विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग के गैर-योजना व्यय में से अनुदान सहायता के रूप में उपलब्ध कराया गया।

टीडीबी वित्तीय सहायता प्रदान करने के लिए पूरे वर्ष आवेदन प्राप्त करता रहता है। टीडीबी को औद्योगिक कंपनियों के लिए ऋण सहायता मुहैया कराने का अधिकार प्राप्त है। ऋण के लिए 5 प्रतिशत प्रति वर्ष का साधारण ब्याज होता है (13 मई, 2002 से प्रभावी)। ऋण अवधि के दौरान टीडीबी की परियोजनाओं के तहत उत्पादन की बिछी होने पर रॉयल्टी का भी भुगतान करना होता है। टीडीबी आवेदकों से प्रशासनिक, संसाधन अथवा वचनबद्धता प्रभार वसूल नहीं करता। टीडीबी किरतों में धनराशि मुहैया कराती है जो ऋण करार की शर्तों और निबन्धनों के अनुसार सम्बद्ध मानकों से जुड़े होते हैं। कुछ मामलों में टीडीबी सहायता प्रदत्त औद्योगिक कंपनियों के निदेशक बोर्ड में निदेशक (को) को नामित कर सकता है। किसी परियोजना की कार्यान्वयन अवधि साधारणतया तीन वर्षों से अधिक नहीं होती है।

ऋण की मात्रा सामान्यतः स्वीकृत परियोजना लागत के 50 प्रतिशत तक सीमित है। ऋण और ब्याज को ऋणाधारों और गारंटियों के माध्यम से सुरक्षित किया जाता है।

सामान्यतः ऋण वापसी और ब्याज भुगतान परियोजना पूरी होने के पश्चात् आरंभ होता है और अधिस्थगन काल एक वर्ष से अधिक नहीं होता। तत्पश्चात् ऋण धनराशि नौ अर्धवार्षिक किरतों

में वसूलीयोग्य होती है। पहली किरत के पुनः भुगतान (वापसी) तक ही संचयी ब्याज की धनराशि को तीन वर्ष की अवधि में बांट दिया जाना चाहिए।

टीडीबी स्वदेशी रूप से प्रौद्योगिकी को विकसित करने में शामिल औद्योगिक कंपनियों और आर एण्ड डी संस्थानों को अनुदानों और / अथवा ऋण के रूप में भी वित्तीय सहायता मुहैया कराता है। अनुदानों की स्वीकृति का निर्णय टीडीबी बोर्ड द्वारा किया जाता है और इसे विशेष मामलों में ही मुहैया किया जाता है।

टीडीबी किसी औद्योगिक कंपनी (कंपनी अधिनियम 1956 के अधीन) में इसके आरंभ होने, चलाने और / अथवा टीडीबी द्वारा अपेक्षाओं के यथा मूल्यांकित किये गये जरूरतों के अनुसार और संवृद्धि स्तरों पर ऋण – इक्विटी अनुपात को ध्यान में रखते हुए इक्विटी पूंजी के रूप में अंशदान कर सकता है।

इक्विटी अंशदान टीडीबी के पूरे बोर्ड द्वारा निर्धारित किया जाता है। यह स्वीकृत परियोजना लागत का 25 प्रतिशत तक होता है बशर्ते यह प्रोत्साहकों द्वारा चुकता पूंजी से अधिक न हो। औद्योगिक कंपनी को टीडीबी द्वारा अंशदान की धनराशि के समतुल्य अपने शेर प्रमाण पत्र टीडीबी को जारी करने होंगे। अंशदान पूर्व स्थितियों में यह शामिल होगा कि प्रोत्साहकों का अंशदान होना चाहिए और अपने हिस्से की शेर पूंजी को पूर्ण रूप से चुकता किया जाना चाहिए। प्रोत्साहकों को टीडीबी के अंशदान के बराबर अपने शेर टीडीबी को गिरवी रखना चाहिए। टीडीबी को ऐसी कंपनियों के निदेशक मंडल में नामित निदेशक (को) को रखने का अधिकार है। टीडीबी का यह विवेकाधिकार है कि वह (इक्विटी पूंजी) विनियमनों में निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार परियोजना पूरी हो जाने के तीन वर्षों के पश्चात् अथवा अंशदान की तिथि से पांच वर्षों के पश्चात् कंपनी में अपनी शेर होल्डिंग्स को समाप्त कर सकती है। तथापि, शेरों को वापस खरीदने का पहला विकल्प संस्थापकों के पास होगा।

टीडीबी औद्योगिक कंपनियों के विद्यमान ऋण अथवा इक्विटी के प्रतिस्थापन पर विचार नहीं करता जिन्होंने इस प्रकार का ऋण अन्य संस्थानों से लिया है।

वर्ष 2015-16 के दौरान बोर्ड ने एक बैठक (53वीं) दिनांक 11 मार्च, 2016 को सम्पन्न की।

प्रौद्योगिकी दिवस पर राष्ट्रीय पुरस्कार

प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड ने औद्योगिक संगठनों के लिए 'स्वदेशी प्रौद्योगिकी के सफल वाणिज्यीकरण के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार' को शुरु किया है। इस पुरस्कार के दो घटक हैं: (i) उन औद्योगिक संगठनों के लिए जिन्होंने स्वदेशी प्रौद्योगिकी का सफल वाणिज्यीकरण किया है और (ii) इन प्रौद्योगिकी के विकासकर्ताओं / प्रदाताओं के लिए। इसके प्रत्येक घटक में दस लाख रु. का

नकद पुरस्कार और एक ट्राफी प्रदान की जाती है। पहली बार यह राष्ट्रीय पुरस्कार 11 मई, 1999 को प्रौद्योगिकी दिवस के अवसर पर प्रदान किए गए थे।

एस एस आई इकाई के लिए पुरस्कार

अगस्त, 2000 में टीडीबी ने प्रौद्योगिकी आधारित उत्पाद को सफलतापूर्वक वाणिज्यीकृत करने वाली लघु उद्योग इकाई (एस एस आई यूनिट) के लिए एक ट्राफी और 2 लाख रु. (वर्ष 2011 में 5 लाख रु. में परिवर्तित) के नकद पुरस्कार को शुरू किया था। प्रथम एस एस आई यूनिट पुरस्कार 11 मई, 2001 को प्रदान किया गया।

प्रौद्योगिकी दिवस और राष्ट्रीय पुरस्कारों का वितरण

प्रौद्योगिकी दिवस 2015 का आयोजन 11 मई, 2015 को विज्ञान भवन, नई दिल्ली में किया गया। डॉ. हर्षवर्धन, माननीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी और पृथ्वी विज्ञान मंत्री ने मुख्य अतिथि के रूप में समारोह की अध्यक्षता की। "भारत का एक विकसित राष्ट्र के रूप में बदलाव में प्रौद्योगिकीय हस्तक्षेप" विषय पर प्रौद्योगिकी दिवस व्याख्यान, डॉ. वी. के. सारस्वत, सदस्य, नीति आयोग एवं

डॉ. किरण मजूमदार साँ, सीएमडी, मैसर्स बायोकोन लिमिटेड के द्वारा दिया गया।

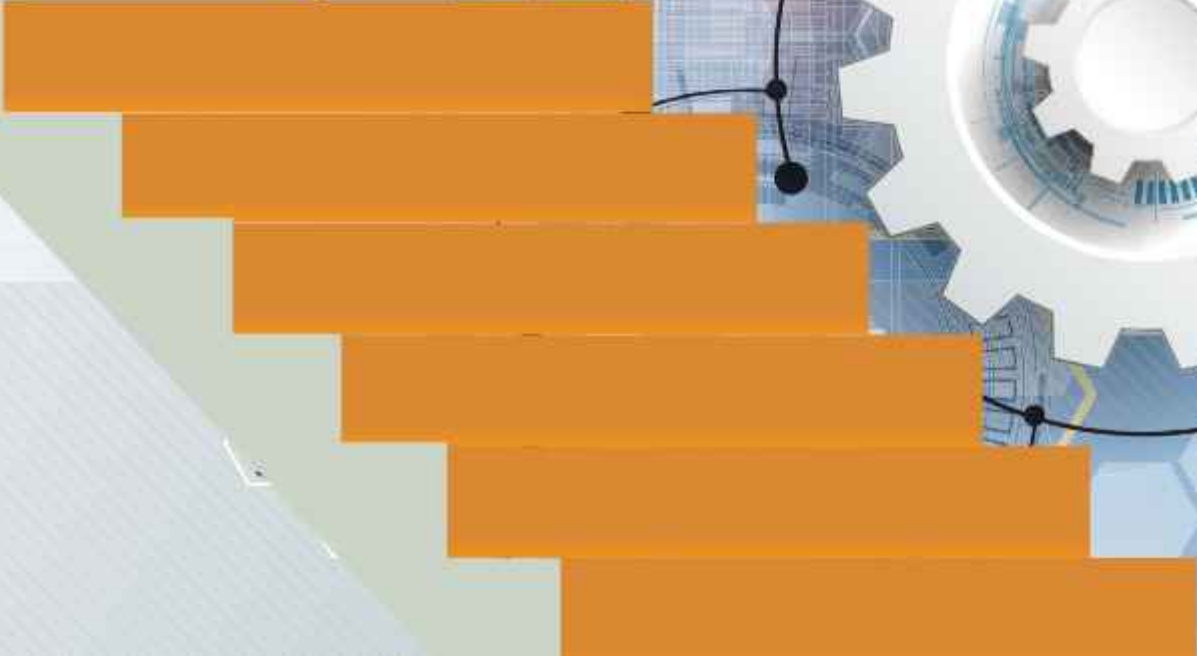
डायनापर क्यूपीएस के नाम के ब्रांड से टोपिकल ड्रग डिलीवरी की नयी तकनीक के स्वदेशी विकास एवं वाणिज्यीकरण के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार मैसर्स ट्रोयका फार्मास्यूटिकल्स लिमिटेड, अहमदाबाद को दिया गया। डायनापर क्यूपीएस नवीन ड्रग डिलीवरी प्लेटफॉर्म पर आधारित टोपिकल डिक्लोफेनेक का एक नॉन एक्ज्यूअस फॉर्मूलेसन है। क्यूपीएस अद्वितीय चिकित्सा लाम, जिसमें बेहद कम प्लाज्मा एकाग्रता के साथ फ्लेम्ड उतकों में डाइक्लोफेनाक के उच्च एकाग्रता को प्राप्त करने से त्वचा के माध्यम से उच्च प्रवेश की सुविधा प्रदान करती है। डायनापर क्यूपीएस प्रभावित जगह के लिए एक लक्षित दवा वितरण के रूप में कार्य करता है और मस्क्यूलोस्केलेटन और संयुक्त विकारों के लिए बेहतर फार्मेको-इकोनॉमिक चिकित्सा उपलब्ध कराने की आवश्यकता कम करते हुए मौखिक दर्दनाशक दवाओं के उपभोग से होने वाले महत्वपूर्ण अंगों के नुकसान होने से भी बचाता है।

मैसर्स ट्रोयका फार्मास्यूटिकल्स लिमिटेड, अहमदाबाद ने 10.00 लाख रु. का नकद पुरस्कार एवं ट्राफी प्राप्त की।

इस वर्ष कोई भी एसएसआई इकाई पुरस्कार नहीं दिया गया।



परियोजना प्रस्तावों को संशोधित करना



टीडीबी से ऋण सहायता की अपेक्षा रखने वाली औद्योगिक इकाई को एक निर्धारित प्रपत्र में आवेदन जमा करना होता है। टीडीबी वर्ष भर आवेदन प्राप्त करता है। प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड की वित्तीय सहायता के लिए निर्धारित और अन्य विवरण 'परियोजना वित्त व्यवस्था दिशा निर्देश' पुस्तिका में उपलब्ध कराया गया है जो कि टीडीबी द्वारा नि:शुल्क उपलब्ध कराया जाता है। संबंधित उद्योग अथवा उद्यमी / प्रोत्साहक आवेदन का प्रपत्र टीडीबी की वेबसाइट www.tdb.gov.in से प्राप्त कर सकता है।

वर्ष 2015-16 में प्राप्त आवेदन

टीडीबी ने वर्ष के दौरान विभिन्न औद्योगिक संस्थानों से 803.17 करोड़ रु. की कुल परियोजना लागत में से 342.90 करोड़ रु. की वित्तीय सहायता के लिए कुल 37 आवेदन प्राप्त किया। इनमें से 20 प्रस्तावों को वित्तीय सहायता के लिए अग्रिम कार्रवाई हेतु उचित पाया गया।

राज्य-वार प्राप्त आवेदन

37 आवेदनों का राज्यवार वितरण निम्नलिखित है:-

(करोड़ रु. में)

राज्य/संघ शासित प्रदेश	आवेदनों की संख्या	कुल लागत	टीडीबी से मांगी गई सहायता
1 आंध्र प्रदेश	12	174.69	61.10
2 दिल्ली	3	59.29	18.74
3 गुजरात	1	31.65	15.80
4 हरियाणा	2	41.43	4.40
5 हिमाचल प्रदेश	1	1.10	0.41
6 कर्नाटक	5	412.98	190.50
7 महाराष्ट्र	2	20.42	10.20
8 ओडिशा	1	1.00	1.00
9 राजस्थान	1	1.00	1.00
10 तमिलनाडु	2	20.03	19.85
11 तेलंगाना	3	18.66	10.26
12 उत्तर प्रदेश	2	7.35	3.50
13 पश्चिम बंगाल	2	13.57	6.14
dy	37	803-17	342-90

क्षेत्र-वार प्राप्त आवेदन

टीडीबी द्वारा वित्तीय सहायता प्राप्त किए जाने के लिए सभी आर्थिक क्षेत्रों से आवेदन प्राप्त होते हैं। क्षेत्र-वार प्राप्त आवेदनों का वितरण नीचे दिया गया है:

(करोड़ रु. में)

सेक्टर	आवेदनों की संख्या	कुल लागत	टीडीबी से मांगी गई सहायता
1 कृषि	1	13.57	6.14
2 रक्षा	3	483.71	203.40
3 इंजीनियरिंग	8	96.67	44.70
4 स्वास्थ्य एवं चिकित्सा	9	171.56	59.40
5 सूचना प्रौद्योगिकी	3	10.00	10.00
6 दूरसंचार	2	16.66	8.26
7 अन्य	11	11.00	11.00
dy	37	803-17	342-90

आवेदकों के प्रकार

वर्ष के दौरान टीडीबी द्वारा प्राइवेट लिमिटेड एवं पब्लिक लिमिटेड कंपनियों इत्यादि से प्राप्त आवेदनों को नीचे की तालिका में देखा जा सकता है:

(करोड़ रु में)

श्रेणी	आवेदनों की संख्या	अनुमानित कुल लागत	टीडीबी से मांगी गई सहायता
प्राइवेट लिमिटेड कम्पनियाँ	22	325.27	120.10
पब्लिक लिमिटेड कम्पनियाँ	04	466.90	211.80
अन्य	11	11.00	11.00
कुल	37	803.17	342.90

आवेदनों की प्रारंभिक जांच

प्रारंभिक जांच समिति (आईएससी) वित्तीय सहायता के लिए प्राप्त आवेदनों को उसके पूर्णता, परियोजना का उद्देश्य एवं प्रौद्योगिकी की स्थिति आदि की दृष्टि से जांच करती है। ऐसी जांच में आवेदक और प्रौद्योगिकी प्रदानकर्ता के साथ विचार विमर्श के साथ-साथ अतिरिक्त जानकारी / विस्तृत विवरण अथवा परियोजना के बारे में संक्षिप्त प्रस्तुतीकरण शामिल होता है। यदि आवेदक, टीडीबी द्वारा वित्तीय सहायता के लिए निर्धारित मानदण्डों को पूरा नहीं करता है तो उसे तदनुसार सलाह दी जाती है।

टीडीबी द्वारा 2015-16 के दौरान आईएससी की चौदह (14) बैठकें संपन्न करायी गईं।

प्रासंगिक क्षेत्रों के सत्तार्वस (27) विशेषज्ञों ने 2015-16 के दौरान आईएससी के माध्यम से परियोजना प्रस्तावों के मूल्यांकन में टीडीबी को अपनी विशेषज्ञता प्रदान की। आवेदनों के प्रारंभिक जांच में सहयोग देने वाले विशेषज्ञों की सूची इस रिपोर्ट के परिशिष्ट में लगाया गया है। टीडीबी उनके प्रति अपना आभार प्रकट करता है।

परियोजना मूल्यांकन

परियोजना मूल्यांकन समिति (पीईसी)

आईएससी की सिफारिशों के आधार पर आवेदनों को परियोजना मूल्यांकन समिति (पीईसी) को भेजा जाता है। प्रत्येक परियोजना के लिए उसकी प्रकृति और उत्पादन को ध्यान में रखते हुए पीईसी का गठन किया जाता है और परियोजना के स्वतंत्र मूल्यांकन के लिए टीडीबी के बाहर से संबंधित क्षेत्रों (विज्ञान, तकनीकी एवं वित्तीय) के विशेषज्ञों को इस समिति में शामिल किया जाता है।

विशेषज्ञ (सेवारत अथवा सेवानिवृत्त) सरकारी विभागों, आर एंड डी संगठनों, शैक्षिक संस्थानों, उद्योग संघों, वित्तीय संस्थानों और व्यावसायिक बैंकों के हो सकते हैं। पी ई सी परियोजना

स्थल का दौरा करती है। आवेदन को प्रौद्योगिकी प्रदानकर्ता सहित वैज्ञानिकी, तकनीक, मार्केटिंग, वाणिज्यिक तथा वित्तीय प्रस्तुतीकरण की विस्तृत जानकारी देने एवं परियोजना एवं कम्पनी से जुड़े मुद्दों पर जानकारी देने का पूरा अवसर दिया जाता है।

उच्च स्तरीय विशेषज्ञ समिति (एचएलईसी)

लंबित एवं आगामी परियोजना प्रस्तावों के मूल्यांकन में तेजी लाने के क्रम में, अध्यक्ष, टीडीबी ने (वर्ष 2011-12 से) इन परियोजना प्रस्तावों के स्वतंत्र मूल्यांकन के लिए एक नामचीन व्यक्तित्व की अध्यक्षता में एक उच्च स्तरीय विशेषज्ञ समिति (एचएलईसी), जिसमें कि टीडीबी के बाहर के उस क्षेत्र के ख्याति प्राप्त विशेषज्ञ (वैज्ञानिक, तकनीक, शिक्षा, मार्केटिंग एवं वित्तीय) शामिल है, का गठन किया।

बोर्ड ने 18 फरवरी, 2012 को आयोजित अपनी 49वीं बैठक में उच्च स्तरीय विशेषज्ञ समिति (एचएलईसी) द्वारा परियोजना प्रस्तावों के मूल्यांकन की नई प्रक्रिया पर काफी विचार विमर्श किया। बोर्ड ने प्रस्तावों पर कार्य करने के समय लागत को घटाने के लिए उठाए गए कदमों की सराहना व अनुमोदन किया।

eY; kdu ekun.M

आवेदनों को वैज्ञानिक, प्रौद्योगिकीय, वाणिज्यिक एवं वित्तीय प्राथमिकता के आधार पर मूल्यांकित किया जाता है। मूल्यांकन प्रक्रिया में निम्नलिखित शामिल है :-

- प्रस्ताव के विशयों का अनूठा एवं नवीनात्मक होना
- सुदृढ़ता, वैज्ञानिक गुणवत्ता और प्रौद्योगिकीय प्राथमिकता
- वृहत रूप से लागू करने के लिए और वाणिज्यीकरण से लाभप्रद संभावना
- प्रस्तावित प्रयास की पर्याप्तता
- प्रस्तावित कार्यवाई नेटवर्क में आर एंड डी संस्थानों की क्षमता

- आंतरिक प्राप्ति सहित एंटरप्राइज की संगठनात्मक एवं वाणिज्यिक योग्यता
- प्रस्तावित लागत और वित्त पोषण के तरीके की औचित्यपूर्णता
- मापयोग्य उद्देश्य, लक्ष्य और निर्धारित लक्ष्य
- उद्यमी का पिछला रिकॉर्ड

गोपनीयता एवं पारदर्शिता

टीडीबी में यह मान्यता है कि गोपनीयता को बनाए रखना महत्वपूर्ण है क्योंकि प्रत्येक प्रस्ताव एक वाणिज्यिक प्रस्ताव है जिसमें एक नया उत्पादन अथवा प्रक्रिया शामिल है। आवेदक द्वारा यह बताया जाता है कि टीडीबी को उपलब्ध कराई जाने वाली कुछ जानकारी को सख्ती से गोपनीय रखा जाएगा और इसे परियोजना मूल्यांकन समिति एवं उच्च स्तरीय विशेषज्ञ समिति के विशेषज्ञों को परिचालित नहीं किया जाएगा। पीईसी या एचएलईसी प्रक्रिया में कुछ महत्वपूर्ण जानकारियों का खुलासा न करने की आवेदकों की आपकाओं की संवेदनशीलता को ध्यान में रखा जाता है।

आवेदकों के साथ पूर्ण रूप से विचार विमर्श करने के पश्चात् पीईसी / एचएलईसी के विशेषज्ञों द्वारा टिप्पणियों और सिफारिशों को अंतिम रूप दिया जाता है। एचएलईसी से मंजूर हुए सभी प्रस्तावों को प्रौद्योगिकी – आर्थिक व्यवहार्यता / यथोचित परिश्रम के माध्यम से मूल्यांकन के लिए भेजा जाता है। तथापि यदि परियोजना में टीडीबी की सहायता 10.00 करोड़ रु से अधिक हो तो केवल उसी स्थिति में पीईसी द्वारा यथोचित परिश्रम के लिए मामलों की सिफारिश की जाती है। पीईसी अथवा एचएलईसी की सिफारिशें अनुमोदनार्थ बोर्ड को भेजी जाती हैं। यदि परियोजना प्रस्ताव की पीईसी / एचएलईसी द्वारा सिफारिश नहीं की जाती तक आवेदन को टीडीबी द्वारा बंद कर दिया जाता है और आवेदक को सूचित कर दिया जाता है।

वित्तीय सहायता का अनुमोदन

पीईसी / एचएलईसी द्वारा वित्तीय सहायता के लिए प्रस्तावित परियोजना प्रस्तावों को आर्थिक सहायता पर विचार एवं अनुमोदन के लिए बोर्ड के समक्ष भेजने से पहले उसे टेक्नो-इकोनॉमिक वायविलिटी/ड्यू-डिलिजेन्स प्रक्रिया से गुजरना होता है। तथापि, पीईसी के मामले में 10.00 करोड़ रु से अधिक की सहायता के मामलों में ही प्रस्ताव को वित्तीय सहायता हेतु विचार और अनुमोदन के लिए बोर्ड को भेजे जाने से पूर्व ड्यू-डिलिजेन्स के लिए भेजा जाता है।

अनुविक्षण एवं समीक्षा

टीडीबी अनुमोदित सहायता लाभार्जकों को किस्तों में उपलब्ध कराता है जो कि जोखिम सम्बंधित लक्ष्यों पर आधारित होता है। दूसरी और अगली किस्तों को प्रत्येक अनुमोदित परियोजना के लिए गठित की गई परियोजना अनुविक्षण समिति (पीएमसी) की सिफारिशों के आधार पर जारी किया जाता है। परियोजना अनुविक्षण समिति में उन वैज्ञानिक / तकनीकी एवं वित्तीय विशेषज्ञों को शामिल किया जाता है जो कि परियोजना मूल्यांकन के समय पीईसी / एचएलईसी के सदस्य थे।

टीडीबी ने वर्ष 2015-16 के दौरान परियोजना अनुविक्षण समिति / परियोजना मूल्यांकन एवं अनुविक्षण समिति, समीक्षा बैठकों और निरीक्षणों के माध्यम से इकत्तीस (31) बैठके आयोजित की।

पीईसी, पीईएमसी, एचएलईसी एवं पीएमसी में सहयोग देने वाले विशेषज्ञ

वर्ष 2015-16 के दौरान परियोजना प्रस्तावों के मूल्यांकन, अनुविक्षण और समीक्षा से संबंधित क्षेत्रों से पैतीस (35) विशेषज्ञों ने टीडीबी को अपनी विशेषज्ञता प्रदान की। विशेषज्ञों की सूची को इस रिपोर्ट के परिशिष्ट में लगाया गया है। टीडीबी उनके बहुमूल्य योगदान के लिए उनका आभार प्रकट करता है।



परियोजनाएं और उत्पाद



स्वीकृतियां / करार

वर्ष 2015-16 के दौरान, प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड (टीडीबी) ने विभिन्न औद्योगिक संगठनों के साथ वित्तीय सहायता के लिए 2 करार किया जिसमें मैसर्स विलग्रो इनोवेशन फाउंडेशन, चेन्नई के साथ डिपार्टमेंट ऑफ इंटरनेशनल डेवलपमेंट (डीएफआईडी, यूके) द्वारा सहायता प्राप्त प्रोग्राम "इन्व्यूवेशन सपोर्ट कम्पोनेन्ट्स ऑफ इनोवेटिव वेंचर्स एंड टेक्नोलॉजिज फॉर डेवलपमेंट (इन्वेन्ट)" को संचालित करने के लिए किया गया करार भी शामिल है और 21.93 करोड़ रु. की कुल परियोजना लागत में से 4.75 करोड़ की प्रतिबद्धता की।

संवितरण

वर्ष के दौरान, चालू नई परियोजनाओं और स्कीमों के लिए 68.85 करोड़ रु. की राशि का संवितरण किया गया। इस राशि में ऋण के रूप में 26.99 करोड़ रु., इक्विटी में निवेश के रूप में 2.40 करोड़ रु. अनुदान के रूप में 11.20 करोड़ रु. और उद्यम पूंजी निधि (वीसीएफ) में निवेश के लिए 28.26 करोड़ रु. शामिल हैं।

सम्पन्न करार

वर्ष 2015-16 के दौरान, टीडीबी ने विभिन्न औद्योगिक संगठनों के साथ 2 करारों पर हस्ताक्षर किए, जिनके ब्यौरे नीचे दिये गए हैं :

1) e I I foyxi buko'iu QimMlu] p[ub

टीडीबी एवं मैसर्स विलग्रो इनोवेशन फाउंडेशन, चेन्नई के बीच अन्तरराष्ट्रीय विकास विभाग (डीएफआईडी, यूके) द्वारा समर्थित इन्व्यूवेशन सपोर्ट कम्पोनेन्ट्स ऑफ इनोवेटिव वेंचर्स और टेक्नोलॉजी फॉर डेवलपमेंट (इन्वेन्ट) के कार्यान्वयन के लिए दिनांक 1 अक्टूबर, 2015 को करार पर हस्ताक्षर किया गया।

प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड (टीडीबी), भारत सरकार ने डीएफआईडी इंडिया के साथ इन्व्यूवेशन सपोर्ट कम्पोनेन्ट्स ऑफ इनोवेटिव वेंचर्स और टेक्नोलॉजी फॉर डेवलपमेंट (इन्वेन्ट) के कार्यान्वयन के लिए सहमति प्रदान की।

वास्तव में इन्वेन्ट एक इन्क्लूसिव इनोवेशन है और जो कि आर्थिक पिरामिड के तल पर रहने वाले भारत के 8 कम आय वाले राज्यों (यूपी, एमपी, बिहार, छत्तीसगढ़, झारखण्ड, राजस्थान, उड़ीसा और पश्चिम बंगाल) के गरीब जनता के फायदे के इन्क्लूसिव इनोवेशन जीवनचक्र की मुश्किलों एवं बाधाओं पर ध्यान देना।

यह प्रोग्राम, मौजूदा इन्व्यूबेटरों द्वारा इन्क्लूसिव इनोवेशन की पहचान, पायलट एवं निधि के समर्थन एवं क्षमता निर्माण को लक्ष्य करता है।

2) e I I Mcy&Mh VDukyit'i ikboV fyfeVM] eLcb

मैसर्स डबल-डी टेक्नोलॉजी प्राइवेट लिमिटेड, मुम्बई ने टीडीबी के साथ दिनांक 30 अक्टूबर, 2015 को अपनी परियोजना "सीआयोन कटिंग इन्सर्टस एवं अन्य उत्पाद का विकास एवं वाणिज्यीकरण" के लिए 2193.00 लाख रु. के कुल परियोजना लागत में से 475.00 लाख रु. के वित्तीय सहायता के लिए करार पर हस्ताक्षर किया।

कम्पनी ओईएम के रूप में स्थापित टूल उत्पादक कम्पनीयों को सीआयोन कटिंग इन्सर्टस एवं अन्य उत्पाद को बाजार में लाना चाहती है। कम्पनी अपने टूल/उत्पाद को पश्चिमी बाजार में भी ब्रांड करेगी। उन्नत गुणों के आधार पर निर्मित सियाओन इन्सर्टस इसे उपलब्ध सामग्री जैसे टंगस्टन कारबाइड और एचएसएस के खिलाफ एक उच्च प्रतिस्पर्धी बनाता है। सियाओन आधारित सामग्री उन गुणों का संयोजन है जो कि वियर एंड टियर, थर्मल सदमें और यांत्रिक तनाव के प्रतिरोध में बेहतर परिणाम देते हैं।





इन गुणों में उच्च शक्ति, कठोरता एवं उच्च तापमान पर प्रतिरोध कायम रखना, कम विशिष्ट गुरुत्व के साथ मध्यम उच्च कठोरता एवं थर्मल चालकता, अन्य चीनी मिट्टी सामग्री की तुलना में घर्षण एवं थर्मल चालकता का गुणांक शामिल है। उच्च कठोरता, ताकत, थर्मल तनाव प्रतिरोध एवं कम घर्षण गुणांक एसआई3एन4 आधारित सामग्री को उच्च स्ट्रेस्ड वियर भाग जैसे कटिंग टूल इंस्टर्स इत्यादि के लिए एक प्रीमियम उम्मीदवार बनाती है।

कम्पनी ने ग्लास एवं सेरेमिक अनुसंधान संस्थान (सीजीसीआरआई), कोलकाता के साथ कई पेटेंट्स के माध्यम से प्रौद्योगिकी हस्तांतरण के लिए एक करार पर हस्ताक्षर किया।

वर्ष 2015-16 के दौरान जारी उत्पाद/पूर्ण परियोजनाएं

टीडीबी की वित्तीय सहायता से वर्ष के दौरान जारी उत्पादों/पूर्ण परियोजनाओं का संक्षिप्त सार निम्नलिखित है:-

1 eni 'koly di olf.kt;hd [kri

एक्वाएग्री प्रोसेसिंग प्राइवेट लिमिटेड, नई दिल्ली तमिलनाडु के तटीय क्षेत्रों में स्वयं-सहायता समूहों के माध्यम से समुद्री शैवाल की खेती करने वाली भारत की पहली कम्पनी है। उत्पादकों का उत्पादन एक पूर्व नियोजित कीमतों पर किया जाता है एवं इसे खाद्य एवं सौंदर्य प्रसाधन उपयोग और कृषि में उपयोग के लिए कैरागिनन निर्माण के लिए तैयार किया जाता है। यह सीएसएमपीआरआई, सीएसआईआर के स्वदेशी विकसित पेटेंट प्रक्रिया लाइसेंस पर आधारित है। एक्वाएग्री मिट्टी, पत्ते एवं ड्रिप

सिंचाई के लिए तरल और पाउडर के रूप में जैव-उत्तेजक कई स्वरूपों में उपलब्ध कराता है। इन जैव-उत्तेजकों की जांच कृषि अनुसंधान प्रणाली द्वारा कई स्थानों में फसलों पर बड़े पैमाने पर की जा चुकी है और दोनों उपज और फसल की गुणवत्ता में सुधार लाने की प्रभावकारिता को माना गया है।



Aquasap 5x- Seaweed Liquid Extract

Aquasap Granules (10Kg bucket)

टीडीबी ने 1072 लाख रु. की कुल परियाजना लागत में से 450 लाख रु. की ऋण सहायता कम्पनी को उपलब्ध कराया। परियोजना 30.06.2015 को पूर्ण हो गयी।

उच्च ताप प्रतिरोधी हाईब्रिड ईबीएक्सबीएल बिजली तारों का विकास एवं वाणिज्यीकरण

मैसर्स सीकेम टेक्नोलॉजिज प्राइवेट लिमिटेड, चेन्नई 1) उच्च तापमान प्रतिरोधी हाईब्रिड ईबीएक्सएल बिजली तारों 2) उच्च उष्मा एवं अग्नि प्रतिरोधी ईबीएक्सएल तार जो कि उच्च भवनों, चलती ट्रेनों और समुद्री अनुप्रयोगों में उपयोग हेतु चूड़ों, दीमकों और कीट प्रतिरोधक हैं और 3) किकेट बॉल बनाने के लिए, सफेद रंग के सिंथेटिक कोटेड, इलेक्ट्रॉन



बीम चालित चमड़ा के विकास एवं वाणिज्यीकरण के लिए एक परियोजना स्थापित की।

टीडीबी ने 1450 लाख रू. की कुल परियाजना लागत में से 600 लाख रू. की ऋण सहायता कम्पनी को उपलब्ध कराया। परियोजना 30.09.2015 को पूर्ण हो गयी।

शाखा रहित बैंकिंग एवं वित्तीय सहायता

मैसर्स इको इंडिया फिनांसियल सर्विसेज प्राईवेट लिमिटेड, नई दिल्ली ने बैंक रहित एवं अंडर-बैंकड इलाकों के लिए शाखा रहित बैंकिंग एवं वित्तीय सहायता की परियोजना का कार्यान्वयन किया।

कम्पनी ने ग्राहकों/एजेंट्स को किसी भी मोबाईल फोन, या तो स्मार्ट फोन या फीचर फोन, पर एक सुरक्षित वित्तीय लेनदेन के लिए सक्रिय करने के उद्देश्य से अपनी तकनीक के

वाणिज्यीकरण की परिकल्पना की। कम्पनी के दावे के मुताबिक, यह दुनिया की एकमात्र कम्पनी है जो कि बहुत ही कम लागत के फोन पर भी बिना किसी एप या सिम इन्सटॉल किए हुए भी सुरक्षित वित्तीय लेनदेन की सुविधा प्रदान करती है।

कम्पनी ने में भारत के सबसे बड़े बैंक—स्टेट बैंक ऑफ इंडिया, भारत के निजी क्षेत्र के सबसे बड़े बैंक – आईसीआईसीआई बैंक, के साथ साथ यस बैंक, इंडसइंड बैंक एवं बैंक ऑफ इंडिया के साथ साझेदारी की। भौगोलिक दृष्टि से, कम्पनी दिल्ली—एनसीआर, महाराष्ट्र, आंध्र प्रदेश, उत्तर प्रदेश, उत्तराखण्ड एवं पंजाब में भी मौजूद है।

टीडीबी ने 2413.87 लाख रू. की कुल परियाजना लागत में से 950.00 लाख रू. की ऋण सहायता कम्पनी को उपलब्ध कराया। परियोजना 31.12.2015 को पूर्ण हो गयी।

MONEY TRANSFER

MONEY TRANSFER INTO ANY BANK ACCOUNT

DIGITAL SIGNATURE

मानव रहित हवाई वाहन (यूएवी) सिम्युलेटर का विकास
 मैसर्स जेन टेक्नोलॉजिज लिमिटेड, हैदराबाद ने पायलटों (आंतरिक/बाहरी), मिशन कमांडरों, पर्यवेक्षकों/विशेष पेयलोड संचालकों और इमेज इंटरप्रेटर को प्रशिक्षित करने के लिए एक स्वदेशी मानव रहित हवाई वाहन (यूएवी) सिम्युलेटर का विकास किया। यह सिम्युलेटर बुनियादी मिशन और परिचालन नियोजन प्रशिक्षण प्रदान करता है, विभिन्न मिशन/प्रोफाइल एवं पेयलोड के पूर्ण संचालन प्रक्रियाओं का तैयारी और मूल्यांकन करता है, व्यक्तिगत एवं टीम प्रशिक्षण प्रदान करता है (व्यक्तिगत और एकीकृत टीम प्रशिक्षण के लिए स्टैंड-एलोन मोड)।

पूर्ण नियंत्रित जमीनी नियंत्रण स्टेशन (जीसीएस) और जमीन शोषण स्टेशन (जीईएस) सटीक उड़ान गतिशीलता के साथ यथार्थवादी

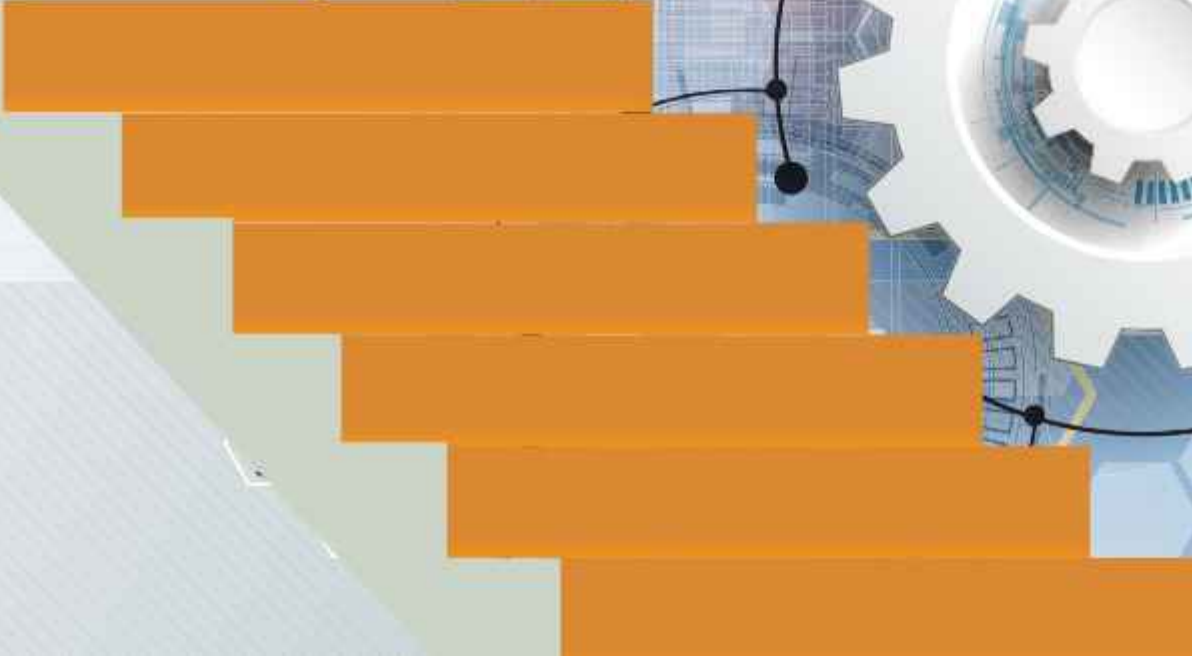
दृश्य सिम्युलेशन प्रदान करता है, व्यापक कार्रवाई समीक्षा प्रदान करता है, खराबी/आपातकालीन स्थितियों को संभालने के लिए ऑपरेटरों को प्रशिक्षित करता है, खराब मौसम, खराब दृश्यता और सतह पर चलायमान लक्ष्य संकेत (जीएमटीआई), सिंथेटिक एपर्चर रडार (एसएआर), समुद्री निगरानी रडार (एमपीआर), उल्टा सिंथेटिक एपर्चर रडार (आईएसएआर), संचार इंटेलिजेंस (कोमिंट) और इलेक्ट्रॉनिक इंटेलिजेंस (एलिट), प्रशिक्षार्थियों के प्रवीणता के स्तर का आंकलन जिसमें कि जीसीएस/एलआरएस/यूएवी उड़ान एवं पेलोड कार्यों की सभी सुविधाएँ शामिल हैं प्रदान करता है।

टीडीबी ने 2374.83 लाख रु. की कुल परियाजना लागत में से 1160.00 लाख रु. की ऋण सहायता कम्पनी को उपलब्ध कराया। परियोजना 15.03.2016 को पूर्ण हो गयी।





सकारात्मक – सक्रिय भूमिका



प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड औद्योगिक इकाईयों और अन्य एजेंसियों से प्राप्त आवेदनों पर विचार करने के अलावा सकारात्मक – सक्रिय भूमिका अदा करता है। विचार यह है कि प्रौद्योगिकी के विकास और वाणिज्यीकरण के लिए टीडीबी की सहायता व्यापक होनी चाहिए। सकारात्मक-सक्रिय भूमिका के तौर पर टीडीबी ने नवीनता और नवीन उत्पाद / सेवाओं वाले एसएमई के माध्यम से शुरुआती चरण वाले वेन्चर को सहायता देकर अपना विस्तार करने के लिए वेन्चर कैपिटल फंड में भी भागीदारी की है। टीडीबी की प्रेरणा और भागीदारी के परिणामस्वरूप वेन्चर लाने वाले पूंजीपतियों ने टीडीबी मिशन को अपना सहयोग दिया है। पूर्ववर्ती वर्षों में इन्क्यूबेटर में शुरुआत करने वाले युवा उद्यमियों को शुरुआती आर्थिक सहायता उपलब्ध कराकर उनके नवीन विचारों को फलीभूत करने के लिए सीड सहायता स्कीम में भागीदारी का निर्णय करके टीडीबी ने विकासोन्मुख पहल की है।

टीडीबी ने दायित्व के निर्वहन के लिए उपरोक्त पहल के माध्यम से स्वदेशी प्रौद्योगिकी के विकास और वाणिज्यीकरण को प्रोत्साहित किया है। बोर्ड ने वर्ष 2015-16 के दौरान निम्नलिखित पहलों का अनुमोदन किया है :

वेन्चर कैपिटल फंड (वीसीएफ) में भागीदारी

स्वदेशी प्रौद्योगिकीयों के विकास और वाणिज्यीकरण अथवा व्यापक घरेलू उपयोग के लिए आयातित प्रौद्योगिकीयों के अनुकूलन का प्रयास करने वाली औद्योगिक इकाईयों को प्रत्यक्ष वित्तीय सहायता के अतिरिक्त, टीडीबी ने नवोन्मो और नवोन्मेषी उत्पादों / सेवाएं रखने वाले प्रारंभिक अवस्था उद्यमों के लिए सहायता प्रदान करके अपने कार्य क्षेत्र को विस्तारित करने के उद्देश्य के साथ प्रौद्योगिकीय रूप से नवोन्मेषी व्यवहार्य उद्यमों को सहायता प्रदान करने हेतु प्रौद्योगिकी केन्द्रित उद्यम पूंजी निधि (वीसीएफ) में भाग लेता है।

टीडीबी द्वारा उद्यम पूंजी निधि (वीसीएफ) में भागीदारी करने के मुद्दे पर बोर्ड की बैठकों में बहुत से अवसरों पर विचार किया जाता है। बोर्ड ने वीसीएफ में टीडीबी की भागीदारी को भौगोलिक एवं प्रौद्योगिकीय रूप से विस्तार करने के लिए एक उत्कृष्ट माध्यम माना और यह निर्णय लिया कि टीडीबी उच्च जोखिम, उच्च रिटर्न प्रौद्योगिकी उन्मुख परियोजनाओं में चयनात्मक आधार पर वीसीएफ में गहनता से सहायता प्रदान करना जारी रखे चूंकि वीसीएफ के माध्यम से प्रौद्योगिकी उन्मुख परियोजनाओं के वित्तपोषण ने बड़ी अच्छी सफलता दर्शाई है और काफी संख्या में परियोजनाओं को सहायता प्रदान की है।

बोर्ड ने दिनांक 17 मार्च, 2010 को अपनी 44वीं बैठक में उद्यम पूंजी निधि हेतु टीडीबी द्वारा प्रदान की जाने वाली सहायता पर विचार और समीक्षा करने तथा टीडीबी द्वारा वीसीएफ को सहायता प्रदान करने में अपनाई जाने वाली कार्य पद्धति पर सुझाव देने के

लिए एक समिति का गठन करने का निर्णय लिया। बोर्ड ने 10 मई, 2010 की अपनी 45वीं बैठक के दौरान उद्यम पूंजी निधि में टीडीबी की भागीदारी हेतु निम्नलिखित व्यापक दिशा-निर्देश को भी अंतिम रूप प्रदान किया :-

- ❖ टीडीबी की निधियां मुख्य रूप से उन वीसीएफ में लगाई जाएंगी जो नवोन्मेषी और / अथवा प्रौद्योगिकी उन्मुख क्षेत्रों में निवेश करने की नीति रखते हों
- ❖ लघु से मध्यम आकार की निधि में योगदान को वरीयता दी जायेगी
- ❖ वीसीएफ के लाभार्थियों को मुख्य रूप से एसएमई क्षेत्र से होना चाहिए
- ❖ वीसीएफ में टीडीबी द्वारा योगदान सामान्यतः निधि के आकार के 15% तक होगा। समावेशी विकास / औद्योगिक रूप से पिछड़े क्षेत्रों अथवा प्रथम पीढ़ी के लिए नवोन्मो प्रदान करने वाले वीसीएफ के मामलों में 25% तक के उच्च योगदान के विशय पर विचार किया जा सकता है। कार्य क्षेत्र के 100% प्रौद्योगिकी उन्मुख होने के मामले में बोर्ड के अनुमोदन के आधार पर टीडीबी द्वारा उच्च योगदान पर भी विचार किया जा सकता है
- ❖ निगरानी कार्य तंत्र के रूप में, प्रस्तावों में सहयोग हेतु वीसीएफ की निवेश समिति में सदस्य के रूप में टीडीबी का एक प्रतिनिधि होगा
- ❖ प्रतिनिधि को कार्य क्षेत्र सन्तुलन हेतु आपत्ति दर्ज करने का प्राधिकार होगा
- ❖ निधि प्रबंधक के पृष्ठभूमि कार्य निरपादन (ट्रेक रिकॉर्ड) पर विचार किया जाएगा
- ❖ वित्तीय सेवाओं को वरीयता नहीं दी जाएगी

31 मार्च, 2016, टीडीबी ने 12 वीसीएफ में 310.00 करोड़ रु. सहभागिता को जारी रखा जिसमें अन्य निवेशकर्ताओं की कुल भागीदारी 2408.00 करोड़ रु. की है।

इन्क्यूबेटर्स में शुरुआतकर्ताओं के लिए सीड सहायता स्कीम

टीडीबी ने युवा उद्यमियों का संवर्धन करने तथा अपने नवोन्मेषी प्रौद्योगिकी उद्यम संबंधी विचारों का फलदायक स्थिति तक लाने और अंततः बाजार तक उन्हें पहुंचाने के लिए अत्यंत आवश्यक शुरुआती / आरंभिक स्तर की पूंजी प्रदान करने के लिए प्रौद्योगिकी व्यवसाय इन्क्यूबेटर्स (टी बी आई एस) और विज्ञान और प्रौद्योगिकी उद्यमिता पार्क (एस टी ई पी एस) के लिए वित्तीय सहायता प्रदान करना जारी रखा। इससे कुछ नवोन्मेषी

विचारों / प्रौद्योगिकियों को उस स्तर तक ले जाने में सहायता करेंगे जहां ये सफल वाणिज्यीकरण के अपने मार्ग पर टीडीबी / एफ आई एस माध्यमों के द्वारा सामान्य ऋण प्राप्त करने के लिए उपयुक्त होंगे। अतः प्रस्तावित सहायता को प्रौद्योगिकियों के विकास एवं वाणिज्यीकरण के बीच एक सेतु के रूप में कार्य करने के लिए तैयार किया गया है।

टीडीबी ने वर्ष 2005-06 के दौरान प्रौद्योगिकीय विचारों का संवर्धन करने के लिए इन्क्यूबेटर्स में शुरुआतकर्ताओं के लिए सीड सहायता स्कीम के अंतर्गत 5 (पांच) प्रौद्योगिकी व्यवसाय इन्क्यूबेटर्स (टी बी आई एस) और विज्ञान और प्रौद्योगिकी उद्यमिता पार्कों (एस टी ई पी एस) को वित्तीय सहायता प्रदान की है। इस स्कीम ने अच्छी प्रगति की है। टीडीबी ने इस स्कीम का विस्तार किया और 2007-08 में दूसरे चरण में 100.00 लाख रु. प्रत्येक सहित अन्य 5 (पांच) इन्क्यूबेटर्स, 2009-10 में तीसरे चरण में 100.00 लाख रु. प्रत्येक सहित 5 (पांच) इन्क्यूबेटर्स, 2010-11 में चौथे चरण में 100.00 लाख रु. प्रत्येक सहित 9 (नौ) इन्क्यूबेटर्स एवं 2011-12 में पांचवे चरण में 100.00 लाख रु. प्रत्येक सहित 11 (ग्यारह) इन्क्यूबेटर्स को सहायता प्रदान की है।

प्रौद्योगिकीय विचारों, प्रयोगशाला स्तर की प्रौद्योगिकियों और प्रौद्योगिकीय उद्यमिता के संवर्धन का पोषण करने के लिए टीडीबी ने 31 मार्च, 2016 की स्थिति के अनुसार 36 (जिसमें दोबारा वित्तीय सहायता प्राप्त 4 टीबीआईएस/एसटीईपीएस शामिल है) प्रौद्योगिकी व्यवसाय इन्क्यूबेटर्स (टीबीआईएस) एवं विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी उद्यमिता पार्कों (एसटीईपीएस) को सहायता प्रदान की है। इन इन्क्यूबेटर्स ने 150 से अधिक इन्क्यूबेटीज कंपनियों

को उनकी दूरसंचार, सॉफ्टवेयर, रोबोटिक्स, कृषि, यंत्रीकरण, इंजीनियरिंग, पर्यावरण, फार्मा, खाद्य, सौर, वस्त्र एवं जैव प्रौद्योगिकी आदि क्षेत्रों से जुड़ी परियोजनाओं के लिए सहायता प्रदान की है।

इन्क्यूवेशन सपोर्ट कम्पोनेंट्स ऑफ इनोवेटिव वेंचर्स और टेक्नोलॉजी फॉर डेवलपमेंट (इवेंट प्रोग्राम)

टीडीबी एवं मैसर्स विलग्रो इनोवेशन फाउंडेशन, चेन्नई के बीच अन्तरराष्ट्रीय विकास विभाग (डीएफआईडी, यूके) द्वारा समर्थित इन्क्यूवेशन सपोर्ट कम्पोनेंट्स ऑफ इनोवेटिव वेंचर्स और टेक्नोलॉजी फॉर डेवलपमेंट (इवेंट) के कार्यान्वयन के लिए दिनांक 1 अक्टूबर, 2015 को करार पर हस्ताक्षर किया गया।

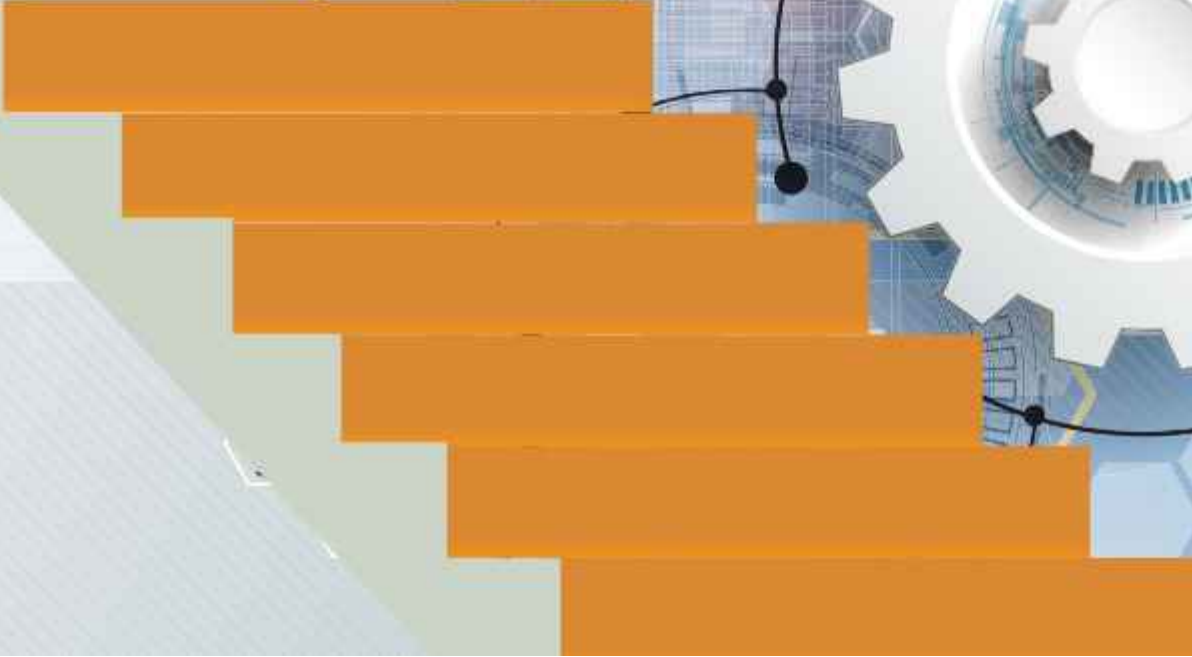
प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड (टीडीबी), भारत सरकार ने डीएफआईडी इंडिया के साथ इन्क्यूवेशन सपोर्ट कम्पोनेंट्स ऑफ इनोवेटिव वेंचर्स और टेक्नोलॉजी फॉर डेवलपमेंट (इवेंट) के कार्यान्वयन के लिए सहमति प्रदान की।

वास्तव में इवेंट एक इन्क्लूसिव इनोवेशन है और जो कि आर्थिक पिरामिड के तल पर रहने वाले भारत के 8 कम आय वाले राज्यों (यूपी, एमपी, बिहार, छत्तीसगढ़, झारखण्ड, राजस्थान, उड़ीसा और पश्चिम बंगाल) के गरीब जनता के फायदे के इन्क्लूसिव इनोवेशन जीवनचक्र की मुश्किलों एवं बाधाओं पर ध्यान देना।

यह प्रोग्राम, मौजूदा इन्क्यूबेटर्स द्वारा इन्क्लूसिव इनोवेशन की पहचान, पायलट एवं निधि के समर्थन एवं क्षमता निर्माण को लक्ष्य करता है।



प्रोन्नति संबंधी गतिविधियां



प्रौद्योगिकी दिवस पर राष्ट्रीय पुरस्कार

प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड ने किसी औद्योगिक कंपनी द्वारा 'स्वदेशी प्रौद्योगिकी के सफल वाणिज्यीकरण के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार' स्थापित करने का निर्णय लिया। राष्ट्रीय पुरस्कार में दो प्रकार के घटक शामिल हैं: (i) वे औद्योगिक इकाईयां जिन्होंने स्वदेशी प्रौद्योगिकी का सफलतापूर्वक वाणिज्यीकरण किया है और (ii) ऐसी प्रौद्योगिकीयों के विकासकर्ता / प्रदाता। प्रत्येक में 10 लाख रु. का नकद पुरस्कार और एक ट्राफी होती है। पहली बार यह राष्ट्रीय पुरस्कार 11 मई, 1999 को प्रौद्योगिकी दिवस के अवसर पर प्रदान किए गए थे तत्पश्चात् प्रौद्योगिकी दिवस के अवसर पर अर्थात् 11 मई को प्रत्येक वर्ष राष्ट्रीय पुरस्कार प्रदान करने का निर्णय लिया गया।

एस एस आई इकाई के लिए पुरस्कार

अगस्त, 2000 में टीडीबी ने इन एस एस आई इकाई, जिन्होंने सफलतापूर्वक प्रौद्योगिकी आधारित उत्पाद का वाणिज्यीकरण किया, को 2 लाख रु. और एक ट्राफी का पुरस्कार आरंभ किया। प्रथम एस एस आई यूनिट पुरस्कार 11 मई, 2001 को प्रदान किया गया तत्पश्चात् प्रौद्योगिकी दिवस के अवसर पर अर्थात् 11 मई को प्रत्येक वर्ष एस एस आई यूनिट के लिए पुरस्कार प्रदान करने का निर्णय लिया गया। वर्ष 2011-12 में नकद पुरस्कार को 5 लाख रु. में परिवर्तित कर दिया गया।

राष्ट्रीय पुरस्कार 2015

प्रौद्योगिकी दिवस 2015 का आयोजन 11 मई, 2015 को विज्ञान भवन, नई दिल्ली में किया गया। डॉ. हर्षवर्धन, माननीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी और पृथ्वी विज्ञान मंत्री ने मुख्य अतिथि के रूप में समारोह की अध्यक्षता की। "भारत का एक विकसित राष्ट्र के रूप में बदलाव में प्रौद्योगिकीय दृष्टिकोण" विषय पर प्रौद्योगिकी दिवस व्याख्यान, डॉ. वी. के. सारस्वत, सदस्य, नीति आयोग एवं डॉ. किरण मजूमदार साँ, सीएमडी, मैसर्स बायोकोन लिमिटेड के द्वारा दिया गया।

डायनापर क्यूपीएस के नाम के ब्रांड से टोपिकल ड्रग डिलीवरी की नयी तकनीक के स्वदेशी विकास एवं वाणिज्यीकरण के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार मैसर्स ट्रॉयका फार्मास्यूटिकल्स लिमिटेड, अहमदाबाद को दिया गया। डायनापर क्यूपीएस नवीन ड्रग डिलीवरी प्लेटफॉर्म पर आधारित टोपिकल डिव्लोफेनेक का एक नॉन एक्जूस फॉर्मूलेसन है। क्यूपीएस अद्वितीय चिकित्सा लाभ, जिसमें बेहद कम प्लाज्मा एकाग्रता के साथ फ्लेम्ड उतकों में डाइक्लोफेनाक के उच्च एकाग्रता को प्राप्त करने से त्वचा के माध्यम से उच्च प्रवेश की सुविधा प्रदान करती है। डायनापर क्यूपीएस प्रभावित जगह के लिए एक लक्षित दवा वितरण के रूप में कार्य करता है और मस्क्यूलोस्केलेटन और संयुक्त विकारों के लिए बेहतर फार्मको-इकोनॉमिक चिकित्सा उपलब्ध कराने की आवश्यकता कम करते हुए मौखिक दर्दनाशक दवाओं के उपभोग से होने वाले महत्वपूर्ण अंगों के नुकसान होने से भी बचाता है।

मैसर्स ट्रॉयका फार्मास्यूटिकल्स लिमिटेड, अहमदाबाद ने 10.00 लाख रु. का नकद पुरस्कार एवं ट्राफी प्राप्त की।

इस वर्ष कोई भी एसएसआई इकाई पुरस्कार नहीं दिया गया।

उद्योगों के साथ पारस्परिक बैठकें

टीडीबी ने उद्योगों, संभावित उद्यमियों और प्रौद्योगिकी प्रदानकर्ताओं के साथ उद्योग संघों और आर एंड डी संगठनों इत्यादि के साथ बहुत सी बैठकें आयोजित की। टीडीबी ने विभिन्न प्रदर्शनियों में भी भाग लिया।

इन बहुविध प्लेटफॉर्मों के माध्यम से टीडीबी ने उद्योगों, आर एंड डी संगठनों, अकादमी संस्थानों, वैज्ञानिक और औद्योगिक शोध संगठनों इत्यादि में विशेषकर देश में विकसित प्रौद्योगिकी के लिए उनके वाणिज्यीकरण प्रयासों के लिए आसान शर्तों पर वित्तीय सहायता की उपलब्धता के बारे में जागरूकता फैलाती है।

इस प्रकार की बैठकें सितम्बर, 1996 से भारत और विदेशों में विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय के तहत अहमदाबाद, बेंगलूर, बेइजिंग (चीन), ब्रुसेल्स (बेल्जियम), भोपाल, भुवनेश्वर, बिकानेर,



बुडापेस्ट (हंगरी), कार्झरो (मिस्त्र), चंडीगढ़, चेन्नई, चिदम्बरम, कोयम्बटूर, देहरादून, दिल्ली, देवानगोरे, गुजरात, गुडगांव, गुवाहाटी, ग्रेटर नोएडा, हनोवर (जर्मनी), हैदराबाद, हुबली, इम्फाल, इंदौर, इस्ताम्बूल (टर्की), जयपुर, झुनझुनु, जम्मू, जोहान्सबर्ग (दक्षिण अफ्रिका), कानपुर, केरल, कोची, कोलकाता, लखनऊ, लुवियाना, मैड्रिड (स्पैन), मदुरई, मुम्बई, नैसूर, नई दिल्ली, नोएडा, नागपुर, नैनीताल, ऑक्सफोर्ड (यू.के.), पिलानी, पुने, राजामुन्दी, राजापलायम, राजकोट, रुड़की, रुद्रपुर, साओ पाउलो (ब्राजील), शिलोंग, शिमला, तमिलनाडु, थेस्सालोनिकी (ग्रीस), तिरुवनन्तपुरम, तिरुचिरापल्ली, उदयपुर, वापी, वेल्लोर, विजयवाडा में आयोजित की गई।

टीडीबी द्वारा अब तक हस्ताक्षर किए गए करारों का राज्यवार वितरण का विश्लेषण यह दर्शाता है कि वाणिज्यिक उद्यमियों को देशीय प्रौद्योगिकियों को अपनाने के लिए प्रोत्साहित करने के लिए और अधिक प्रयास करने की जरूरत है एवं अब तक कवर नहीं किए गए अन्य राज्यों एवं केन्द्र शासित प्रदेशों में प्लांट लगाए जाने चाहिए।

टीडीबी ने देश भर में फैले चैम्बर्स ऑफ कॉमर्स, ट्रेड संघों एवं संस्थानों के घनिष्ठ समन्वय में कार्यशालाएं आयोजित की और भागीदारी की। टीडीबी के अधिकारियों ने वर्ष 2015-16 के दौरान प्रदर्शनियों में भाग लिया और उद्योगों एवं संस्थानों के साथ

पारस्परिक बैठकें आयोजित की जिनकी सूची निम्नलिखित है :

23-25 अप्रैल, 2015

टीडीबी ने प्रगति मैदान, नई दिल्ली में 23-25 अप्रैल, 2015 के दौरान आयोजित सेवा पर वैश्विक प्रदर्शनी में भाग लिया। वैश्विक प्रदर्शनी का मुख्य उद्देश्य भारत और विश्व के बीच व्यापार और सेवाओं को बढ़ावा देना था।

31 अक्टूबर - 1 नवम्बर, 2015

टीडीबी ने दिल्ली हाट, पितमपुरा में 31 अक्टूबर - 1 नवम्बर 2015 के दौरान आयोजित 'मेरी दिल्ली उत्सव' में भाग लिया। उक्त प्रदर्शनी का मुख्य उद्देश्य केंद्रीय एवं राज्य सरकार के विभिन्न विभागों की उपलब्धियों एवं उनके द्वारा चलाए जा रहे विकास योजनाओं, कल्याणकारी कार्यक्रमों पर प्रकाश डालने के लिए एक उत्कृष्ट मंच प्रदान करना था। आगंतुकों की एक बड़ी संख्या ने टीडीबी की गतिविधियों के बारे में पूछताछ की।

14 - 27 नवम्बर, 2015

टीडीबी ने प्रगति मैदान, नई दिल्ली में 14-27 नवम्बर, 2015 के दौरान आयोजित भारत अन्तराष्ट्रीय व्यापार मेला नामक प्रदर्शनी में विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग के स्टॉल के माध्यम से भाग लिया। टीडीबी के स्टॉल में इसके द्वारा पिछले 18 साल की





उपलब्धियों को दर्शाया गया। आगंतुकों की एक बड़ी संख्या ने टीडीबी की गतिविधियों के बारे में पूछताछ की।

4 - 8 दिसम्बर, 2015

टीडीबी ने आईआईटी, दिल्ली में 4-8 दिसम्बर, 2015 के दौरान आयोजित भारत अन्तरराष्ट्रीय विज्ञान उत्सव नामक प्रदर्शनी से भाग लिया। यह प्रदर्शनी विज्ञान भारती के सहयोग से टाईफेक द्वारा आयोजित किया गया। इसका मुख्य उद्देश्य नवाचारों, उपलब्धियों, प्रगति और विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी से संबंधित भविष्य के मॉडल को दर्शाना और वैज्ञानिकों, कलाकारों, डिजाइनरों, नवीन अविष्कारकों आदि के लिए एक इंटरैक्टिव मंच प्रदान करना था।

3 - 7 जनवरी, 2016

टीडीबी ने मैसूर, कर्नाटक में 3-7 जनवरी, 2016 के दौरान आयोजित 103वें भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस में विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग के स्टॉल के माध्यम से भाग लिया। प्रदर्शनी का उद्घाटन भारत के माननीय प्रधानमंत्री, श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा किया गया। लगभग 12,500 प्रतिनिधियों एवं 500 वैज्ञानिकों ने 103वें भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस में भाग लिया। भारत के आस-पास और विश्व के 150 से ज्यादा संस्थानों ने इसमें भाग लिया।

टीडीबी के स्टॉल में इसके द्वारा पिछले 18 साल की उपलब्धियों को दर्शाया गया। आगंतुकों की एक बड़ी संख्या ने टीडीबी की गतिविधियों के बारे में पूछताछ की।

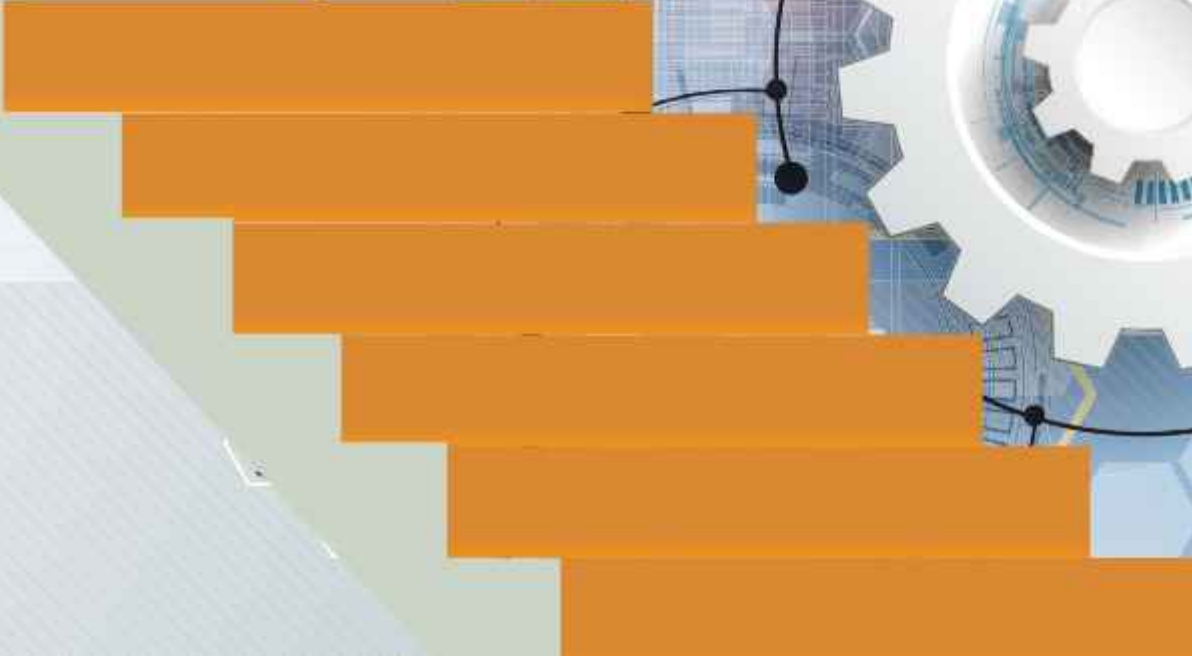
वेबसाइट

टीडीबी के लिए वेबसाइट निम्नलिखित पते पर उपलब्ध है :-

www.tdb.gov.in



अनुसंधान एवं विकास उपकर



अनुसंधान एवं विकास उपकर अधिनियम 1986 यथा संशोधित 1995 को प्रौद्योगिकी के आयात के लिए सभी भुगतान पर लेवी और उपकर के समाहरण करने के लिए बनाया गया है। उपकर की दर 5 प्रतिशत है। औद्योगिक इकाईयां जो कि ऐसे आयातों के लिए भुगतान करने अथवा भुगतान किए जाने से पूर्व प्रौद्योगिकी आयात करती हैं, पर उपकर देय होता है। यह उपकर भारत के संचित निधि में जमा होता है। इसको देश में विकसित प्रौद्योगिकी के वाणिज्यीकरण और विदेशी प्रौद्योगिकी को वृहत रूप से घरेलू उपयोग के लिए अपनाए जाने के लिए प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से एकत्र किया जाता है।

भारत सरकार उपकर समाहरण विनियोजन के माध्यम से

प्रौद्योगिकी विकास और उसके प्रयोग के लिए फंड का भुगतान करती है जिसे देश में विकसित प्रौद्योगिकी के विकास एवं वाणिज्यीकरण और आयातित प्रौद्योगिकी को अपनाए जाने के लिए उपयोग किया जाता है। यह निधि प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड द्वारा प्रशासित की जाती है।

उपकर, समाहरण एवं भुगतान (1997 – 2016)

निम्नलिखित सारणी 1996-97 (जिस वर्ष प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड, भारत सरकार द्वारा गठित किया गया) से वर्षवार उपकर समाहरण, टीडीबी को आवंटन तथा भुगतान को दर्शाती है:

अनुसंधान एवं विकास उपकर, समाहरण एवं संचितरण

(करोड़ रु. में)

वर्ष	उपकर समाहरण (सी.ए.जी. के जांचके)	टीडीबी को आवंटन		सरकार द्वारा टीडीबी को किया गया वास्तविक भुगतान
		अनुमानित बजट	संशोधित बजट	
1996-97	80.13	30.00	30.00	29.97
1997-98	81.42	70.00	70.00	49.93
1998-99	81.10	50.00	50.00	28.00
1999-00	88.93	70.00	70.00	50.00
2000-01	98.91	70.00	70.00	62.79
2001-02	95.30	63.00	63.00	57.00
2002-03	99.47	58.00	58.00	56.00
2003-04	119.51	55.00	55.00	53.65
2004-05	156.99	54.00	54.00	48.10
2005-06	176.61	43.50	43.50	42.66
2006-07	186.56	33.50	33.50	4.32
2007-08	254.09	63.00	20.80	19.00
2008-09	310.33	20.80	20.80	—
2009-10	418.22	50.00	10.00	—
2010-11	592.22	50.00	5.00	5.00
2011-12	702.54	50.00	25.00	—
2012-13	685.62	50.00	25.00	22.50
2013-14	737.54	50.00	15.00	13.50
2014-15	906.78	211.06	7.50	6.75
2015-16	914.81	100.00	38.79	30.00
dy	6787-08	1241-86	764-89	579-17

वर्ष 1996-2016 की अवधि के दौरान अनुसंधान एवं विकास उपकर समाहरण के कुल 6787.08 करोड़ रु. में से सरकार ने 20 वर्षों (1996-2016) के दौरान टीडीबी को 579.17 करोड़ रु. की संचित राशि विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग के गैर-योजना व्यय में से अनुदान सहायता के रूप में उपलब्ध कराया गया।



ADMINISTRATION

प्रशासन



वार्षिक रिपोर्ट और परीक्षित लेखे

प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड अधिनियम 1995 के अध्याय 12 में यह उल्लेख है कि बोर्ड अपनी वार्षिक रिपोर्ट तैयार करेगा जिसमें पिछले वित्तीय वर्ष की गतिविधियों का पूरा वर्णन किया जाएगा। प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड अधिनियम के धारा 13 (4) के अनुसार बोर्ड केन्द्र सरकार को लेखा परीक्षा रिपोर्ट के साथ अपनी लेखाओं की लेखा परीक्षित प्रति प्रस्तुत करेगा।

टीडीबी की वर्ष 2014-15 की वार्षिक रिपोर्ट सहित वार्षिक लेखों की लेखा परीक्षित प्रति राज्य सभा एवं लोक सभा के पटल पर क्रमशः दिनांक 15.03.2016 और 16.03.2016 को रख दी गई है।

टीडीबी सचिवालय

नए पद्धारी

डॉ. बिन्दु डे, वैज्ञानिक 'जी', जैवप्रौद्योगिकी विभाग ने 13.10.2015 से सचिव, प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड का कार्यभार ग्रहण किया।

डॉ. डे वैज्ञानिक 'सी' से शुरुआत करते हुए सलाहकार बनने तक कुल 23 वर्ष तक डीबीटी में रही। डीबीटी में कार्य करते हुए उन्होंने परियाजनाओं की योजना बनाने की पेचिदगियों, जैवचिकित्सा के मूद्दों, सार्वजनिक स्वास्थ्य समस्याओं एवं भारत सरकार के वित्तपोषण तंत्र के कोर प्रबंधन में अनुभव प्राप्त किया।

डॉ. डे ने अनुसंधान, प्रशिक्षण एवं रोगी सेवाओं के लिए जैव-चिकित्सा संस्थानों एवं अनुसंधान के लिए उत्तर-पूर्व के मेडिकल कॉलेजों में बुनियादि ढाचें के विकास को उत्प्रेरित करने में और जम्मू-कश्मीर राज्य में कैंसर ड्रम्पूनोलॉजी और बायोमार्कर के खोज में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

उनके नेतृत्व में प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड एक बड़े स्तर पर अपने पोर्टफोलियो के विस्तार के लिए नये कार्यक्रमों/गतिविधियों की तलारा कर रहा है। उनके सचिव के रूप में कार्यभार संभालने के बाद वर्ष के दौरान विभिन्न गतिविधियों का समेकन किया गया।

आयकर छूट

केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (सीबीडीटी), नई दिल्ली ने टीडीबी को आयकर अधिनियम 1961 की धारा 10[23सी (iv)], के तहत आकलन वर्ष 2000-01 और आगे के लिए 18 मई, 2007 एवं 21 मई, 2007 को जारी अधिसूचना सं. 173/2007 के तहत छूट प्रदान की है।

राजभाषा कार्यान्वयन

टीडीबी ने अपने गठन के समय से सरकार के राजभाषा संबंधी विभिन्न प्रावधानों को कार्यान्वित किया है और अधिसूचनाएं, वार्षिक रिपोर्ट, परियोजना वित्तपोषण दिशा निर्देश, ब्रोशर्स, वाउचर्स इत्यादि को हिन्दी एवं अंग्रेजी रूप में मुद्रित किया है। विभिन्न प्रदर्शनियों में दर्शाए जाने वाली प्रदर्शन संबंधी वस्तुओं / पैन्लों को हिन्दी एवं अंग्रेजी में तैयार किया गया है।



COMMITTEE

समितियाँ



प्रारंभिक जांच समिति के सदस्य

अग्रवाल एस पी	पूर्व-जीएम, बैंक ऑफ बडौदा, नई दिल्ली
अग्रवाल कुमार रमेश	प्रोफेसर, स्कूल ऑफ कम्प्यूटर एवं सिस्टम साइंस, जेएनयू, नई दिल्ली
आहुजा ए सी	भूतपूर्व सीएमडी, आईएफसीआई-वीसीएफ, नई दिल्ली
अंसारी शाहिद हुसैन (डॉ)	अध्यक्ष, डिपार्टमेंट ऑफ फार्माकोग्नॉसी एंड फाइटोकेमिस्ट्री, जामिया इमदद, नई दिल्ली
बाबू बी बोन्था (डॉ)	वैज्ञानिक एफ एवं अध्यक्ष, एचएसआरडी, डीएचएमआर, आईसीएमआर, नई दिल्ली
बंसल राजेश	अध्यक्ष एनओडब्ल्यू, बीएसईएस राजधानी पॉवर लि., नई दिल्ली
भूसनरमथ एन आर	प्रोफेसर एंड अध्यक्ष, एफएएमडीआई, गुडगांव
दहिया आर पी (प्रो)	उप-कुलपति, दीनबंधु छोदू, राम विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, हरियाणा
दिग्वली कुमार रवि (प्रो)	प्रोफेसर, यांत्रिकी इंजीनियरिंग विभाग, आईआईटी दिल्ली
गोयल दिपक	वैज्ञानिक एफ, एनआईसी समन्वय सेल, डीएसटी
झा एस के (डॉ)	वरिष्ठ वैज्ञानिक आईएआरआई, पोस्ट डॉक्टरेट टैक्नालॉजी डिवीजन, दिल्ली
कस्तूरे संगीता (डॉ)	वैज्ञानिक ई, डीबीटी, नई दिल्ली
कटोच डी सी (डॉ)	संयुक्त सलाहकार (आयुर्वेद), आयुष विभाग, आयुष मंत्रालय, नई दिल्ली
कुलकर्णी एम आर	वैज्ञानिक एफ, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग (डीएसटी), नई दिल्ली
कुमार प्रफुल्ल	वरिष्ठ निदेशक एवं वैज्ञानिक जी, डेयटी, नई दिल्ली
महाजन राजेन्द्र	भूतपूर्व-जीएम, पंजाब नेशनल बैंक, गुडगांव
मैती एस एन (प्रो)	अध्यक्ष, पॉलिमर विज्ञान और इंजीनियरिंग केन्द्र, आईआईटी दिल्ली
मिश्रा सुकुमार (प्रो)	आई आई टी, दिल्ली
पांडा अमुल्य के (डॉ)	स्टॉफ वैज्ञानिक-VII, एनआईआई, नई दिल्ली
रंजना एन	वैज्ञानिक जी, एसोसिएट निदेशक, डीआरडीओ, नई दिल्ली
सक्सेना आर के (डॉ)	मुख्य समन्वयक, टीबीआई, माइक्रोबायोलॉजी विभाग, साउथ कम्पस-डीयू, दिल्ली
शुक्ला अनुपम	एसोसिएट प्रोफेसर, केमिकल इंजीनियरिंग विभाग, आईआईटी दिल्ली
श्रीवास्तव अनुराग (प्रो)	अध्यक्ष, सर्जरी विभाग, एम्स, नई दिल्ली
सुशील कुमार (डॉ)	वरिष्ठ वैज्ञानिक, ऊर्जा संचयन भौतिकी विभाग, एनपीएल, नई दिल्ली
स्वर्ण लता	वैज्ञानिक जी, वरिष्ठ निदेशक एंड एचओडी, टीडीआईएल प्रोग्राम, डेयटी, नई दिल्ली
वासनेय के सी	पूर्व डीडी-आईडीबीआई, नई दिल्ली
वरुण कुमार विमल	वैज्ञानिक एफ, डीएसआईआर, डीएसटी, नई दिल्ली

परियोजना मूल्यांकन एवं परियोजना अनुविक्षण समितियों के विशेषज्ञों के नाम

vxoky v : .k (Mk)	अध्यक्ष, डीसीआईएस, हैदराबाद विश्वविद्यालय
vxoky ,l- ih-	पूर्व-जीएम, बैंक ऑफ बरौदा, नई दिल्ली
vkgtk , - lh-	मृतपूर्व सीएमडी, आईएफसीआई वीसीएफ, नई दिल्ली
vktyk t , l	डीजीएम (टेक्निकल), ईईएसएल, नोएडा
ckc ,u ljr pnk (Mk)	कार्यकारी निदेशक, सी-डैक, बेंगलोर
cutl jxu (Mk)	एचओडी, डीईएसई, आई आई टी बम्बई, मुंबई
cžakiidk'k vkj ,y dekmj	सीक्यूएओ, बेंगलोर
pn'k[kj ,l (Mk)	निदेशक, सीएसआईआर-आईआईसीटी, हैदराबाद
<kdk : ek (Mk)	वैज्ञानिक 'जी', आईआरडीई, डीआरडीओ, रायपूर रोड, देहरादून
fxjh/kj d (Mk)	प्रोफेसर, ईई विभाग, आई आई मद्रास
lkMI fou; d	वरिष्ठ निदेशक, डाटा सुरक्षा, डीएससीआई, नई दिल्ली
xlrk ,l d (Mk)	वैज्ञानिक 'एच', एमेरिट्स वैज्ञानिक, एनआईआई, नई दिल्ली
dkgyt , d (Mk)	पूर्व मुख्य कार्यकारी, बीआरआईटी, नवी मुंबई
dyd.kk ,e lgl fcxfl;j	सीक्यूए (इलेक्ट्रॉनिक्स), रक्षा मंत्रालय (डीजीक्यूए), बेंगलोर
dekj vjfon (Mk)	प्रोफेसर, डीवीबी पशु चिकित्सा कॉलेज, लाला लाजपत राय पशु चिकित्सा एवं पशु विज्ञान विश्वविद्यालय, हिसार
ditk lehi dekmj	डिप्टी चीफ क्वालिटी असोरेन्स ऑफिसर, बेंगलोर
ykykj;k eytln	वैज्ञानिक 'एफ', आरजीसीबी, केरल
exy ,y lh	वैज्ञानिक 'जी', डीईएएल, डीआरडीओ, रक्षा मंत्रालय, देहरादून
efv ,e ol	पूर्व कार्यकारी निदेशक-आईएफसीआई एवं पूर्व अध्यक्ष, आईएफसीआई वीसीएएल, बेंगलोर
undekj ,l	वैज्ञानिक 'ई', एलआरडीई, डीआरडीओ, बेंगलोर
ib ,u tš	मृतपूर्व कार्यकारी निदेशक, सारस्वत को-ऑपरेटिव बैंक, मुंबई
ikMk veY; d (Mk)	स्टॉफ वैज्ञानिक-VII, एनआईआई, नई दिल्ली
i:ln vkj ,u (Mk)	पूर्व उप-निदेशक एवं अध्यक्ष, क्यूसी, एनआईबी, नई दिल्ली
jktk jrute (Mk)	पूर्व वैज्ञानिक 'जी', सीएफटीआरआई, मैसूर
jheipnu d ch (Mk)	एमेरिट्स प्रोफेसर, डिपार्टमेंट ऑफ बायोटेक्नालॉजी, आईआईटी मद्रास
jko ,u Jifuokl	पूर्व वैज्ञानिक 'जी', डीएलआरएल, रडीआरडीओ, हैदराबाद
jko Vh ,l (Mk)	वैज्ञानिक 'एच' (सेवानिवृत्त), डिपार्टमेंट ऑफ बायोटेक्नालॉजी
jMMuk iky (Mk)	प्रोफेसर, एनआईएबी, डीएएस, एसएलएस, हैदराबाद विश्वविद्यालय
jMMh tš e/kl nu (Mk)	वैज्ञानिक 'जी', ग्रुप हैड, एमजेजी, डीएमआरआई, हैदराबाद
jxdekj , ih	वैज्ञानिक 'जी', डीएआरई, डीआरडीओ, बेंगलोर
lhu oBy: (ik)	सर्जरी विभाग, एआईआईएमएस, नई दिल्ली
lhjn'ke[k vkj (ik)	विशिष्ट वैज्ञानिक एवं एसोसिएट निदेशक, जैव सूचना विज्ञान संस्थान, बेंगलोर
f'kol ce.; e ol- (Mk)	निदेशक-तकनीक, पीईआरसी, चैन्नई
JtokLro jkgr (Mk)	एसोसिएट प्रोफेसर, बीईजी, डीबीबी, आईआईटी बम्बई
Okk lu; d- lh-	पूर्व कार्यकारी निदेशक - आईडीबीआई, नई दिल्ली



वित्तीय विवरण



प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड

31 मार्च, 2016 की स्थितिनुसार तुलन-पत्र

₹करोड़ों में

विवरण	वर्ष	2015-16	2014-15
कॉरपस / कैपिटल फंड	1	9,41,88,62,234	8,76,60,25,760
रिजर्व और सरप्लस	2	-	-
निर्धारित / इनडॉवमेंट फंड	3	5,79,11,687	2,75,35,158
सुरक्षित ऋण और लेनदारी	4	-	-
असुरक्षित ऋण और लेनदारी	5	-	-
आस्थगित क्रेडिट दायित्व	6	-	-
वर्तमान दायित्व और प्रावधान	7	99,92,974	1,16,49,245
द		9,48,67,66,895	8,80,52,10,163
निवेश			
निर्धारित परिसम्पत्तियाँ	8	44,04,313	42,61,110
निर्धारित इनडॉवमेंट फंड में निवेश	9	65,99,000	65,99,000
निवेश – अन्य	10	2,20,16,73,340	1,91,17,41,823
वर्तमान परिसम्पत्तियाँ, ऋण, अग्रिम इत्यादि	11	7,27,40,90,242	6,88,26,08,230
विविध खर्च (छूट न दिए जाने अथवा समायोजित न किए जाने की सीमा तक)		-	-
द		9,48,67,66,895	8,80,52,10,163
महत्वपूर्ण लेखा नीतियाँ	24	-	-
आकस्मिक दायित्व और लेखों पर टिप्पणियाँ	25	-	-

सचिव

प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड

अध्यक्ष

प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड

प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड

31 मार्च, 2016 को समाप्त वर्ष की आय एवं व्यय का लेखा

₹/क'क #- e₹

vk;	vu ph	₹/eku o'v	fiNyk o'v
बिक्री / सेवाओं से आय	12		
अनुदान / सब्सिडी	13	30,00,00,000	6,75,00,000
फीस / अंशदान	14	-	-
निवेश से आय (ईयरमावर्ड/इनडोव में निवेश पर आय)	15	-	-
राजस्व, प्रकाशन आदि से आय	16	30,10,762	19,30,909
अर्जित ब्याज	17	53,30,85,105	51,88,95,868
अन्य आय	18	7,64,349	1,42,960
पूर्ण हो चुकी और चल रही मदों में वृद्धि/गिरावट	19		
dy %d%		83,68,60,216	58,84,69,737
0; ;			
स्थापना व्यय	20	1,84,62,366	1,55,33,195
अन्य प्रशासनिक व्यय आदि	21	4,84,49,413	2,49,48,393
अनुदान, सब्सिडी इत्यादि पर व्यय	22	11,09,89,391	-
ब्याज	23	-	-
मूल्यन्नास (अनुसूची 8 के तदनुसार वर्ष के अंत तक सकल योग)		5,70,221	11,62,821
dy %k%		17,84,71,391	4,16,44,409
0; ; ij vk; e vf/kdrk %d&k%		65,83,88,825	54,68,25,328
पहले की अवधि का समायोजन		(55,52,351)	(52,92,056)
जनरल रिजर्व में स्थानांतरण		-	-
dkji l QM e; fn;k x;k vfrfjDr 'k%		65,28,36,474	54,15,33,272
महत्वपूर्ण लेखा नीतियां	24		
आकस्मिक दायित्व और लेखों पर टिप्पणियां	25		

₹Mk- fcUn M₹

सचिव

प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड

₹ik- vk'krk'k 'kek%

अध्यक्ष

प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड

प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड

31 मार्च, 2016 की समाप्त वर्ष को प्राप्तियाँ एवं भुगतान का लेखा

क्रमांक # - ६६

क्रमांक	विवरण	प्रारंभिक	अंतिम
वर्षावधि जमा में निवेश			
1	लघु अवधि जमा में निवेश	52,02,08,332	30,95,00,000
2	सुलभ नकद	13,037	97,734
3	बैंक में नकद	23,01,73,455	8,75,36,967
4	डीएफआईडी (इन्वेन्ट)	36,158	1,98,78,686
वर्षावधि जमा पर व्याज			
1	टी डी फंड	30,00,00,000	6,75,00,000
2	लघु अवधि जमा पर व्याज	4,86,38,653	4,64,70,008
3	ऋण पर व्याज	6,18,71,525	5,56,95,234
4	राजस्व पर व्याज	1,12,916	62,776
5	अनुदान पर व्याज	1,60,588	-
6	ऋण की अदायगी	30,65,72,805	29,27,10,176
7	राजस्व	30,08,066	19,30,909
8	दान	22,000	7,000
9	बचत खातों पर व्याज	35,39,169	52,25,642
10	कर्मचारियों को अग्रिम	-	-
11	विविध प्राप्तियाँ	80,395	47,382
12	सिक्यूरिटी जमा प्राप्ति / अग्रिम	-	-
13	वेतन से वसूली	17,33,511	12,50,736
14	यूटीआई - एसेन्ट इंडिया फंड एवं आईटीवीएस	-	-
15	आरवीसीएफ	-	30,63,268
16	लाभाना	14,79,656	25,05,596
17	सिडबी वेंचर फंड	85,68,716	-
18	वेंचर ईस्ट टीनेट फंड	97,13,180	-
19	अन्य प्राप्तियाँ (निर्धारित परिसम्पत्तियों की बिक्री)	52,722	-
20	गैर-समायोजित वसूली	-	24,09,510
21	डीएफआईडी - इन्वेन्ट	3,02,36,072	10,57,472
द्वारा		1,52,62,20,956	89,69,49,096

सचिव

सचिव

प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड

अध्यक्ष

अध्यक्ष

प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड

प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड

31 मार्च, 2016 को समाप्त वर्ष की प्राप्तियों एवं भुगतान का लेखा

क्रमांक # - 1

क्रमांक	विवरण	प्रारंभिक	अंतिम
प्रारंभिक 0;;			
1	वेतन	1,71,56,588	1,45,54,529
2	यात्रा व्यय (घरेलू)	15,58,685	9,93,601
3	पारिश्रमिक	39,600	39,600
4	समयोपरि भत्ता	-	5,951
5	चिकित्सा व्यय	5,85,129	2,67,744
6	प्रतिनियुक्ति के लिए पेंशन अंशदान	6,09,334	2,59,898
अंतिम 0;;			
1	टेलीफोन / टेलेक्स	8,27,821	2,44,291
2	डाक टिकट	1,53,318	73,634
3	पेट्रोल, तेल, लूब्रीकेन्ट्स	83,766	2,05,888
4	मरम्मत एवं रख-रखाव	4,42,075	1,98,331
5	उपभोज्य स्टोर्स एवं छपाई	11,66,879	13,34,968
6	समाचार पत्र एवं पत्रिका	14,821	2,496
7	मनोरंजन एवं अतिथि सत्कार	2,21,907	35,155
8	बैठकों पर व्यय	9,29,714	2,46,916
9	विज्ञापन एवं प्रचार	43,75,391	5,52,993
10	प्रौद्योगिकी दिवस व्यय	16,92,864	1,29,360
11	विविध व्यय	9,79,475	3,86,055
12	राष्ट्रीय पुरस्कार	10,00,000	-
13	पुस्तकालय किताबें एवं जर्नल्स	2,975	225
14	विविध प्रभार	93,97,320	78,09,170
15	परिसम्पत्ति प्रबंधन प्रभार	2,24,49,080	1,09,44,141
16	कर्मचारियों को अग्रिम	-	(55,000)
17	वसूलीयोग्य राशि (टीडीएस)	-	(7,515)
18	विशेषज्ञों को टी.ए. / डी.ए.	10,77,110	4,21,985
19	विशेषज्ञों को पारिश्रमिक	11,80,500	2,94,500
20	अग्रिम धन	1,00,000	-
21	बैंक प्रभार	4,865	-
अंतिम 0;;			
1	सदस्यों को टी.ए. / डी.ए.	1,100	-
2	बोर्ड की बैठक का व्यय	81,811	-
3	विशेषज्ञों का शुल्क	30,000	-
अंतिम 0;;			
1	उपस्कर / उपकरण / मशीनरी	8,95,588	11,025
2	फर्नीचर एवं फिक्सचर	13,885	36,332
3	वाहन	6,74,375	-
4	अन्य विभागों से रिकवरी का प्रेषण	17,33,511	12,50,736
5	ब्याज एवं टी.डी.एस.	-	9,94,684

प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड

31 मार्च, 2016 को समाप्त वर्ष की प्राप्तियों एवं भुगतान का लेखा

युक्ति सं- ६

वर्णन		क्रिया	निष्पत्ति
वर्ष, १। २०१६			
1	ऋण	26,98,50,000	5,62,50,000
2	अनुदान	11,09,89,391	-
3	वेंचर ईस्ट टीनेट फंड II	11,10,000	-
4	आरवीसीएफ	1,80,00,000	-
5	जीआईटीए	2,40,20,000	-
6	सिडबी वीसीएफ	5,78,12,275	2,09,69,509
7	सीफ इंडिया एग्रीबिजनेस फंड	2,20,10,228	2,01,46,649
8	आईवीकेप वेंचर टस्ट फंड-1	15,00,00,000	-
9	इंडियन फंड फॉर सस्टेनेबल एनर्जी (सीआईआईई)	3,52,60,910	79,20,263
वर्ष			
1	बैंक में लघु अवधि जमा डीएफआईडी सहित	43,20,00,000	52,02,08,332
2	सुलभ नकद	1,23,557	13,037
3	चिह्नित		
क)	बैंक राशि	30,63,97,743	23,01,73,455
ख)	बैंक राशि - डीएफआईडी इन्वेन्ट	2,91,67,365	36,158
द		1,52,62,20,956	89,69,49,096

सचिव

प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड

अध्यक्ष

प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड

प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड

31 मार्च, 2016 को समाप्त वर्ष को तुलना पत्र के एक भाग को बनाने वाली अनुसूची

₹/क'क #- e₹

vulph 1 & dñjil @ dñiVy QM				
	k'reku o'k		fiNyk o'k	
वर्ष के प्रारंभ में शेष	8,76,60,25,760			8,22,44,92,488
जमा: कॉरपस / कैपिटल फंड में अंशदान	-			-
जमा: आय और व्यय लेखे से स्थानांतरित सकल आय का शेष	65,28,36,474			54,15,33,272
k'k d vr e 'k'k		9,41,88,62,234		8,76,60,25,760

₹/क'क #- e₹

vulph 2 & fjto vñj vtifr				
	k'reku o'k		fiNyk o'k	
1. कैपिटल रिजर्व:				
पिछले एकाउंट के अनुसार	-	-	-	-
वर्ष के दौरान जमा	-	-	-	-
घटा: वर्ष के दौरान कटौती	-	-	-	-
2. पूनर्मूल्यांकन रिजर्व:				
पिछले एकाउंट के अनुसार	-	-	-	-
वर्ष के दौरान जमा	-	-	-	-
घटा: वर्ष के दौरान कटौती	-	-	-	-
3. विशेष रिजर्व:				
पिछले एकाउंट के अनुसार	-	-	-	-
वर्ष के दौरान जमा	-	-	-	-
घटा: वर्ष के दौरान कटौती	-	-	-	-
4. सामान्य रिजर्व:				
पिछले एकाउंट के अनुसार	-	-	-	-
वर्ष के दौरान जमा	-	-	-	-
घटा: वर्ष के दौरान कटौती	-	-	-	-
dy ;lx				

प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड

31 मार्च, 2016 को समाप्त वर्ष को तुलन पत्र के एक भाग को बनाने वाली अनुसूची

॥jk'k #- e॥

vulph 3 & fu/hfjr @ buMkoeV QM			
nkf;ko	0k'etu o'k		fiNyk o'k
v- vibMchvib dk ohli,Q			
1) भारत सरकार से आई डी बी आई द्वारा प्राप्त अंशदान		28,84,00,000	28,84,00,000
fuok I vk;			
क) ब्याज	13,08,52,144		13,08,52,144
ख) राजस्व	5,51,97,900		5,51,97,900
ग) लाभांश	86,23,794		86,23,794
घ) उपार्जित आय	2,39,03,76,810		2,39,03,76,810
	2,58,50,50,648		2,58,50,50,648
घटा : टीडीबी को दी गई राशि	21,25,00,000		21,25,00,000
	2,37,25,50,648		2,37,25,50,648
घटा : पूर्व में वसूली गई राजस्व	1,12,50,000		1,12,50,000
	2,36,13,00,648		2,36,13,00,648
घटा : माफ किया गया ऋण	4,36,36,450		4,36,36,450
घटा : निवेश की बिक्री से घटा	26,76,250		26,76,250
	2,31,49,87,948		2,31,49,87,948
घटा : ऋण पर किया गया प्रावधान	8,32,79,357		8,29,51,357
घटा : ब्याज एवं एफआईएलडी पर किये गये प्रावधान	2,39,03,76,810		2,39,03,76,810
घटा : लेखा शुल्क एवं अन्य व्यय	17,61,564		18,05,553
घटा : आईडीबीआई को प्रदान किया गया प्रबंधन शुल्क	13,63,00,000		12,93,40,000
घटा : निवेश के मूल्य में कमी	26,26,000	(29,93,55,783)	26,26,000
		-1,09,55,783	(37,11,772)
टीडीबी से प्राप्त राशि		1,75,54,783	1,03,10,772
		65,99,000	65,99,000
ख. प्रौद्योगिकी कोश के लिए अभिनव उपकम (इन्वेंट) - डीएफआईडी		5,13,12,687	2,09,36,158
dy		5,79,11,687	2,75,35,158

प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड

31 मार्च, 2016 को समाप्त वर्ष को तुलन पत्र के एक भाग को बनाने वाली अनुसूची

यजक'क #- eह

vulph 4 & ifrhr _k ,o m/kj				
	Ok'ru o'k		fiNyk o'k	
1. केन्द्र सरकार	-	-	-	-
2. राज्य सरकार (निर्दिष्ट करें)	-	-	-	-
3. वित्तीय संस्थाएं				
क) आवधिक ऋण				
ख) प्राप्त ब्याज और देय	-	-	-	-
4. बैंक :				
क) आवधिक ऋण				
- प्राप्त ब्याज और देय	-	-	-	-
ख) अन्य ऋण				
- प्राप्त ब्याज और देय	-	-	-	-
5. अन्य संस्थान एवं एजेंसियां	-	-	-	-
6. डिबेंचर्स एवं बॉन्ड्स	-	-	-	-
dy	-	-	-	-

vi.kh 1 वर्ष के भीतर देय राशि

यजक'क #- eह

vulph 5 & vifhr _k ,o m/kj				
	Ok'ru o'k		fiNyk o'k	
1. केन्द्र सरकार	-	-	-	-
2. राज्य सरकार (निर्दिष्ट करें)				
3. वित्तीय संस्थाएं	-	-	-	-
4. बैंक :				
क) आवधिक ऋण	-	-	-	-
ख) अन्य ऋण (निर्दिष्ट करें)	-	-	-	-
5. अन्य संस्थान एवं एजेंसियां	-	-	-	-
6. डिबेंचर्स एवं बॉन्ड्स	-	-	-	-
7. अचल जमा	-	-	-	-
8. अन्य (निर्दिष्ट करें)	-	-	-	-
dy	-	-	-	-

vi.kh 1 वर्ष के भीतर देय राशि

प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड

31 मार्च, 2016 को समाप्त वर्ष को तुलन पत्र के एक भाग को बनाने वाली अनुसूची

₹jk'k #- e₹

vulph 6 & vILffxr _ .k n; rk, !				
	Ok'reku o'k		fiNyI o'k	
क. कैपिटल उपस्करणों एवं अन्य परिसंपत्तियों के ऋण भार द्वारा सुरक्षित सहमति	-	-	-	-
ख. अन्य	-	-	-	-
vi.kk ! वर्ष के भीतर देय राशि	-	-	-	-
dy	-	-	-	-

₹jk'k #- e₹

vulph 7 & pky n; rk, ,o iko/kku !				
	Ok'reku o'k		fiNyI o'k	
d- pky n; rk, !				
1. सहमति	-			-
2. विविध लेनदार				
क) माल के लिए				
ख) अन्य				1,00,000
3. प्राप्त प्रतिभूत		50,000		50,000
4. ब्याज प्राप्ति लेकिन इनपर देय नहीं:				
क) प्रतिभूत ऋण / उधार				
ख) अप्रतिभूत ऋण / उधार		-		-
5. सांविधिक देयताएं				
क) अतिदेय		7,05,511		-
ख) अन्य				
6. अन्य चालू देयताएं				
क) प्रतिनियुक्ति के लिए पेंशन अंशदान	6,15,981			6,09,334
ख) लेखा परीक्षा शुल्क	3,62,745			2,82,745
ग) पिछला समायोजन	75,00,000	84,78,726		99,09,510
dy d		92,34,237		1,09,51,589
[k iko/kku				
1. टैक्स के लिए				
2. ग्रेच्यूटी		7,58,737		6,97,656
3. अधिविर्षता / पेंशन				
4. एकत्रित अवकाश का नकदीकरण				
5. ट्रेड वारंटीज / दावें				
6. अन्य (निर्दिष्ट करें)				
dy [k		7,58,737		6,97,656
dy d \$ [k		99,92,974		1,16,49,245

प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड

31 मार्च, 2016 को समाप्त वर्ष को तुलन पत्र के एक भाग को बनाने वाली अनुसूची

½jKf'k #. efb

vulpl 8 l LFh;l ifj lEiFl	l dy cyld						eŷ; a l			fuoy cyld	
	o"ll d l vjll et dler @ eŷ; hdu	o"ll d l nllju dVlfr; h	o"ll d l vir rd dler@ eŷ; hdu	o"ll d l nllju dVlfr; h	o"ll d l nllju dVlfr; h	o"ll d l nllju dVlfr; h	o"ll d l tlll x,	o"ll d l vir rd dly	plyl o"ll d vir rd	fiNy l o"ll d vir rd	
d- LFh;l ifj lEiFl											
1. जमीन											
क) फीडबैक	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	
2. बिल्डिंग											
क) फीडबैक जमीन											
ख) तीजडोल्ड जमीन											
ग) स्थायित्वकारी प्लॉट / परिसर											
घ) जमीन पर अधिसूचना अस्तित्व से संबद्ध नहीं											
3. स्टांट एवं मशीनरी	3,80,081	6,74,375	3,80,081	6,74,375	2,60,808	2,60,808	-	6,74,375	1,19,273		
4. वाहन	27,78,667	13,885	-	27,92,552	13,04,387	1,47,429	-	14,51,816	13,40,736	14,74,280	
5. फनीचर / फिक्सचर	50,70,100	2,63,916	19,93,163	33,40,853	27,85,774	2,42,352	13,24,514	17,03,612	16,37,241	22,84,326	
6. कार्यालय उपकरण	24,52,722	6,31,672	10,33,874	20,50,520	20,69,491	1,80,440	9,51,372	12,98,559	7,51,961	3,83,231	
7. कम्प्यूटर / सेरीफेरलस											
8. इलेक्ट्रिक अधिष्ठापन											
9. पुस्तकालय की किताबें											
10. ट्रेडिंग और वाटर सप्लाइ											
11. अन्य अचल परिसम्पत्तियां											
plyl o"ll d l dy	1,06,81,570	15,83,848	34,07,118	88,58,300	64,20,460	5,70,221	25,36,694	44,53,987	44,04,313	42,61,110	
l k dVlVy py jgt dl;l											
dy	1,06,81,570	15,83,848	34,07,118	88,58,300	64,20,460	5,70,221	25,36,694	44,53,987	44,04,313	42,61,110	
(अभ्युक्त को शामिल करते हुए किए गए परिसम्पत्तियों की लागत पर दी जाने वाली डिस्पणियां)											
fiNy l o"ll	1,06,64,213	47,357	-	1,06,81,570	52,57,639	11,62,821	16,07,707	64,20,460	42,61,110		
fWl l o"ll d nllju	8,70,424/-	cj d oŷ; j	dl liifr t b i; lx dju ; k;	j l xj dl; ll ed ugl Fb dh	l x; l A						

प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड

31 मार्च, 2016 को समाप्त वर्ष को तुलना पत्र के एक भाग को बनाने वाली अनुसूची

॥jk'k #- e॥

vu lph 9 & fu/hfjr @ buMkoeV QMh I fuo'k			
	Ok'reku o'k		fiNyl o'k
1. सरकारी प्रतिभूतियों में	-		-
2. अन्य अनुमोदित प्रतिभूतियां	-		-
3. शेयर	-		-
4. डिबेंचर्स और बॉन्ड्स	-		-
5. सब्सिडियरिज एवं संयुक्त उद्यम	-		-
6. आई डी बी आई का वीसीएफ (परिसम्पत्ति)	-		-
fuo'k			
(1) ऋण	8,32,79,357		8,29,51,357
घटा : प्रावधान	8,32,79,357		8,29,51,357
(2) इक्विटी	92,25,000		92,25,000
घटा : मूल्य में कमी	26,26,000	65,99,000	(26,26,000)
olyh ;kL;			
(1) ब्याज	29,97,69,021		29,97,69,021
(2) एफआईएलडी	2,09,06,07,789		2,09,06,07,789
	2,39,03,76,810		2,39,03,76,810
घटा : प्रावधान	2,39,03,76,810		(2,39,03,76,810)
नकद एवं बैंक शेष			
dy		65,99,000	65,99,000

प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड

31 मार्च, 2016 को समाप्त वर्ष को तुलना पत्र के एक भाग को बनाने वाली अनुसूची

युक्ति # - ६

वृत्त 10 & फुलक & वृत्त 1		करीक	फिनल कर
1. सरकारी प्रतिभूतियों में		-	-
2. अन्य अनुमोदित प्रतिभूतियां		-	-
3. शेयर - इक्विटी भागीदारी		28,46,72,726	28,46,72,726
4. डिबेंचर्स और बॉन्ड्स		-	-
5. सहायक उद्यम एवं संयुक्त उद्यम		-	-
6. वेन्चर फंड	29,92,72,098		
क) यूटीआई एसेंट इंडिया फंड			
घटा : विमोचन	-	29,92,72,098	29,92,72,098
ख) एपीआईडीसी वेन्चर फंड		30,00,00,000	30,00,00,000
ग) वेन्चर ईस्ट टीनेट फंड	13,15,34,803		
जमा : वितरण	11,10,000		
घटा : विमोचन	97,13,180	12,29,31,623	13,15,34,803
घ) जीवीएफएल	15,00,00,000		
जमा : वितरण	-	15,00,00,000	15,00,00,000
ड) आरवीसीएफ	11,45,92,511		
जमा : वितरण	1,80,00,000		
घटा : विमोचन	-	13,25,92,511	11,45,92,511
च) एसआईडीबीआई वीसीएफ	7,84,86,152		
जमा : वितरण	5,78,12,275	-	7,84,86,152
घटा : विमोचन	85,68,716	12,77,29,711	
छ) आईवीकेप वेन्चर टस्ट फंड-1	10,00,00,000		
जमा : वितरण	15,00,00,000	25,00,00,000	10,00,00,000
ज)मल्टी सेक्टर सीड कैपिटलफंड	20,00,00,000		
जमा : वितरण	-	20,00,00,000	20,00,00,000
झ) सीफ इंडिया एग्रीबिजनैस फंड	19,60,18,493		
जमा : वितरण	2,20,10,228	21,80,28,721	19,60,18,493
ञ) इंडियन फंड फॉर सस्टेनेबल एनर्जी (सीआईआईई)	1,38,34,040		
जमा : वितरण	3,52,60,910	4,90,94,950	1,38,34,040
7. जीआईटीए	4,33,31,000		
जमा : वितरण	2,40,20,000	6,73,51,000	4,33,31,000
		1,91,70,00,614	
दिय		2,20,16,73,340	1,91,17,41,823

प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड

31 मार्च, 2016 को समाप्त वर्ष को तुलना पत्र के एक भाग को बनाने वाली अनुसूची

॥jkf'k #- e॥

vUlpH 11 & pky ifj lEifUk .k vfxe BR;kfn ॥		
	0k'riku o"ki	fiNyki o"ki
d- pky ifj lEifUk		
1- lkekU; lpi		
क) स्टोर्स एवं स्पेयर्स		
ख) लूज टूल्स		
ग) स्टॉक इन ट्रेड		
i) समाप्त माल		
ii) चल रहा कार्य		
iii) कच्ची सामग्री	-	-
2- fofo/k nunj		
क) छ: महीनों से अधिक अवधि से लंबित ऋण		
ख) अन्य		
3- gkfk e udn 'k'k (चैक / ड्राफ्ट और अग्रदाय सहित)	1,23,557	13,037
4- cid 'k'k		
क) सूचीगत बैंकों के साथ		
- चालू खाते पर		
- जमा खाते पर	30,63,97,743	23,01,73,455
- बचत खातों पर – इन्वेंट डीएफआईडी	2,91,67,365	33,55,65,108
- फ्लैक्सी खातों पर		
ख) गैर-सूचीगत बैंकों के साथ		
- जमा खाते पर	41,00,00,000	49,93,08,332
- जमा खातों पर – इन्वेंट डीएफआईडी	2,20,00,000	43,20,00,000
ग) सूचीगत बैंकों के साथ-		
- चालू खाते पर		
- बचत खातों पर		
- जमा खाते पर		
5- Mkd %j & cpr [kkk		
dy %d	76,76,88,665	75,04,30,982

प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड

31 मार्च, 2016 को समाप्त वर्ष को तुलना पर के एक भाग को बनाने वाली अनुसूची

युक्ति # - ६

[k- .k] vfxe ,o vU; ifj lEifUk;k	k'reku o'k		fiNyk o'k
1- .k			
क) स्टाफ			
ख) अन्य सत्ताएं जो उनसे मिलती जुलती सत्ताओं की गतिविधियों / उद्देश्यों में सम्मिलित	-	-	-
ग) ऋण : शुरु हुए औद्योगिक इकाइयों को सहायता	3,62,52,49,602		3,87,28,99,846
जमा : वर्ष के दौरान	26,98,50,000		5,62,50,000
घटा : ऋण की अदायगी	30,89,14,668		(29,55,45,176)
घटा : ऋण का इक्विटी में परिवर्तन			
घटा : ऋण माफी	-		-
घटा : पूर्व अवधि समायोजन	55,52,351	3,58,06,32,583	(83,55,068)
2- udn] vfxe ,o vU; jk'k dh vFlak oLr vFlak mld dher e olyh			
क) कर्मचारियों को अग्रिम	-		-
ख) अन्य सरकारी विभागों से वसूली	10,38,686		10,38,686
ग) अन्य - प्रतिभूति जमा	1,23,000		1,23,000
घ) अन्य	11,268	11,72,954	7,680
3- idr vk;			
क) निर्धारित / इनडोवमेंट फंड से निवेश पर			
ख) निवेश पर - लघु अवधि जमा	44,41,205		1,69,96,055
लघु अवधि जमा - इन्वेंट डीएफआईडी	1,40,457		-
ग) ऋण एवं अग्रिम पर	2,92,00,14,378		2,48,87,62,225
घटा : ऋण माफी	-		-
घटा : इक्विटी में परिवर्तन	-	2,92,45,96,040	
4- olyh;kx; niok			
dy % [kx		6,50,64,01,577	6,13,21,77,248
dy % d S [kx		7,27,40,90,242	6,88,26,08,230

प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड

31 मार्च, 2016 को समाप्त वर्ष को आय और व्यय के एक भाग को बनाने वाली अनुसूची

॥jkf'k #- e॥

vu ph 12 & fcdh @ Iokv I vk; ॥			
	0kr'eku o''k		fiNyk o''k
1- fcdh I vk;			
क) तैयार माल की बिक्री			
ख) कच्चे सामग्री की बिक्री			
ग) कबाड़ की बिक्री	-	-	-
2- Iokv I vk;			
क) श्रम एवं संसाधित प्रभार			
ख) व्यावसायित / परामर्शी सेवाएं			
ग) एजेंसी कमीशन और दलाली			
घ) रखरखाव सेवाएं (उपस्कर / संपत्ति)			
ड) अन्य (निर्दिष्ट करें)			-
dy			

॥jkf'k #- e॥

vu ph 13 & vunku @ IfIMh ॥ (गैर वसूलीयोग्य अनुदान एवं वसूली गई सब्सिडी)			
	0kr'eku o''k		fiNyk o''k
1) केन्द्र सरकार	30,00,00,000		6,75,00,000
2) राज्य सरकार (रें)			
3) सरकारी एजेंसियां			
4) संस्थान / कल्याण बोर्ड	-	-	-
5) अंतर्राष्ट्रीय संगठन			
6) अन्य (निर्दिष्ट करें)			
dy	30,00,00,000	-	6,75,00,000

प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड

31 मार्च, 2016 को समाप्त वर्ष को आय और व्यय के एक भाग को बनाने वाली अनुसूची

%j'kf'k #- e

vulph 14 & 'kYd @v'lnku !			
	Ok'relu o''k		fiNyk o''k
1) प्रवेश शुल्क	-	-	-
2) वार्षिक शुल्क / अंशदान			
3) सेमिनार / कार्यक्रम शुल्क	-	-	-
4) परामर्शी शुल्क	-	-	-
dy	-	-	-

fVli.kh ! प्रत्येक मद की बताई जाने वाली लेखा नीतियों का निर्धारित फंड से निवेश

%j'kf'k #- e

vulph 15 & fuo'k l: vk; !			
(फंड में इस्तांतरित किया गया निर्धारित / इनडोवमेंट फंड से निवेश पर आय)			
	fu/kkfjr QM l: fuo'k		vU; fuo'k
	Ok'relu o''k	fiNyk o''k	Ok'relu o''k
1. ब्याज			
क) सरकारी प्रतिभूति पर			
ख) अन्य बॉन्ड्स / डिबेंचर			
2. लामांश			
क) शेयर पर			
ख) न्यूचूअल फंड प्रतिभूति पर			
3. किराए	-	-	-
4. अन्य (निर्दिष्ट करें)	-	-	-
dy	-	-	-

fu/kkfjr @ bulkoeV QM e glrkrfjr

%j'kf'k #- e

vulph 16 & jktLoj idk'ku bl;fn l: vk; !			
	Ok'relu o''k		fiNyk o''k
1) राजस्व से आय		30,10,762	19,30,909
2) उपार्जित राजस्व			
घटा: राजस्व माफी			-
3) अन्य (निर्दिष्ट करें)			-
dy		30,10,762	19,30,909

प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड

31 मार्च, 2016 को समाप्त वर्ष को आय और व्यय के एक भाग को बनाने वाली अनुसूची

युक्ति सं- ६

vulph 17 & vftir (;;it ;			
	Ok'reku o'k		fiNyk o'k
1. आवधिक जमा पर			
क) सूचीगत बैंकों के साथ (डीएफआईडी सहित)	3,60,83,803		3,76,31,358
ख) गैर – सूचीगत बैंकों के साथ	-		
ग) संस्थाओं के साथ	-		
		3,60,83,803	-
2. बचत खातों पर			
क) सूचीगत बैंकों के साथ	35,39,169		52,25,642
ख) गैर – सूचीगत बैंकों के साथ	-		
ग) डाक घर बचत खाता	-		
घ) अन्य	-	35,39,169	-
3. ऋण पर			
क) कर्मचारी / स्टाफ			
ख) औद्योगिक इकाई को ऋण सहायता		49,31,88,629	47,59,76,092
4. राजस्व पर ब्याज		1,12,916	62,776
5. अनुदान पर ब्याज		1,60,588	-
dy		53,30,85,105	51,88,95,868

विवरण स्रोत पर कर कटौती को दर्शाया गया है।

युक्ति सं- ६

vulph 18 & vU; vt; ;			
	Ok'reku o'k		fiNyk o'k
1. संपत्तियों की बिक्री / निपटान से लाभ			
क) प्राप्त संपत्ति – यूटीआई की यूनिटें			
ख) अनुदान से प्राप्त अथवा निःशुल्क प्राप्त संपत्ति		(8,17,702)	
2. यूनिटों के विमोचन से लाभ			-
3. लामाश		14,79,656	88,578
4. विविध आय		80,395	47,382
5. विविध सेवाओं का आय		-	
6. दान		22,000	7,000
7. वेन्चर फंड से आय		-	-
dy		7,64,349	1,42,960

प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड

31 मार्च, 2016 को समाप्त वर्ष को आय और व्यय के एक भाग को बनाने वाली अनुसूची

युक्ति सं- ६

vulph 19 & r;lj eky vkj py jg dk; dh ofö @ %Vlo †			
	kr'eku o"k		fiNyk o"k
क) बंद स्टॉक			
– तैयार माल			
– चल रहा कार्य			
ख) घटा : ओपनिंग स्टॉक			
– तैयार माल			
– चल रहा कार्य			
fuoy ofö @ %Vlo% %d & [k			

युक्ति सं- ६

vulph 20 & LFkiuk 0; ; †			
	kr'eku o"k		fiNyk o"k
क) वेतन और मजदूरी	1,54,27,064		1,33,03,793
ख) भत्ता और बोनस	-		5,951
ग) भविष्य निधि में अंशदान	17,33,511		12,50,736
घ) अन्य फंड में अंशदान	-		-
ङ) कर्मचारी कल्याण खर्च	39,600		39,600
च) कर्मचारियों के सेवानिवृत्ति और आवधिक लाभों पर व्यय	6,15,981		6,09,334
छ) चिकित्सा प्रमारों की प्रतिपूर्ति	5,85,129		2,67,744
ज) ग्रेच्युटी	61,081		56,037
dy		1,84,62,366	1,55,33,195

प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड

31 मार्च, 2016 को समाप्त वर्ष को आय और व्यय के एक भाग को बनाने वाली अनुसूची

॥jkf'k #- e॥

vulph 2l & vU; i'kklfud 0; ; bR; kfu \	krktu o'k	fiNyt o'k
क) राष्ट्रीय पुरस्कार	10,00,000	-
ख) विधि प्रभार	96,28,843	78,09,170
ग) संपत्ति प्रबंधन शुल्क	2,29,00,023	1,09,44,141
घ) बैंक प्रभार	4,865	-
ङ) टी.डी.एस. एवं ब्याज	-	9,94,684
च) परिसंपत्ति की बिक्री पर हानि	-	-
छ) मरम्मत एवं रख-रखाव	4,44,139	1,98,331
ज) डाक एवं टिकट	1,53,318	73,634
झ) प्रौद्योगिकी दिवस व्यय	16,92,864	1,29,360
ञ) वाहन चालन और रखरखाव	83,766	2,05,888
ट) टेलीफोन और संचार प्रभार	8,27,821	2,44,291
ठ) प्रिंटिंग, स्टेशनरी एवं उपभोग्य	11,67,441	13,34,968
ड) यात्रा और वाहन भत्ता		
क. घरेलु	15,59,976	
ख. विदेश	-	
ग. विशेषज्ञ	10,77,110	14,15,586
ढ) पुस्तकालय की किताबें एवं आवधिक	2,975	225
ण) बोर्ड सदस्यों को टीए/डीए/शुल्क	1,100	-
त) लेखा परीक्षा शुल्क	80,000	80,000
थ) आवभगत व्यय	2,21,907	35,155
द) बैठकों पर व्यय	9,35,498	2,46,916
ध) व्यवसायिक प्रभार	11,80,500	2,94,500
न) क) ब्याज की माफी	-	-
ख) राजस्व की माफी	-	-
ग) ऋण की माफी	-	-
प) इविट्टी का अवमूल्यन	-	-
फ) विविध व्यय	9,84,222	3,86,055
ब) अखबार एवं पत्रिका	14,821	2,496
म) विज्ञापन एवं प्रचार	43,75,502	5,52,993
न) बोर्ड के खर्च	1,12,722	-
dy	4,84,49,413	2,49,48,393

प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड

31 मार्च, 2016 को समाप्त वर्ष को आय और व्यय के एक भाग को बनाने वाली अनुसूची

युक्ति सं- ६

vulph 22 & vunku ij 0; ;			
	k'reku o'k		fiNy'k o'k
1)संस्थानों / संगठनों को दिया गया अनुदान	-		-
(i) इन्क्यूबेटर्स		11,09,89,391	
(ii) अन्य एजेंसियां	-		-
2)संस्थानों / संगठनों को दी गई सब्सिडी			
dy	-	11,09,89,391	-

ukV संस्थाओं के नाम, उनकी गतिविधियों के साथ अनुदान / सब्सिडी का खुलासा

युक्ति सं- ६

vulph 23 & (;kt			
	k'reku o'k		fiNy'k o'k
क) अचल ऋण पर			
ख) अन्य ऋण पर (बैंक प्रभार सहित)			
ग) अन्य (निर्दिष्ट करें)			
dy			

लेखा संबंधी प्रमुख नीतियां एवं लेखाओं पर टिप्पणी - 2015-16

d- egloik y:[kkdu ulfr;k

1. प्राप्तियों एवं भुगतानों से संबंधित लेखा को नकद प्राप्ति जर्नल से तैयार किया जाता है और यह विभिन्न शीर्षों के अंतर्गत नकद लेन-देन का एक सारांश है। इसमें पूंजी तथा राजस्व दोनों प्रकार की आवतियों और भुगतानों का रिकॉर्ड रखा जाता है।
2. आय एवं व्यय लेखा वर्ष में हुए आय और व्यय का सारांश है। यह नकद तथा उपार्जन दोनों आधार पर तैयार किया जाता है। यह केवल राजस्व प्रकृति के आय एवं व्यय का रिकॉर्ड रखता है। संवितरित ऋण राशि पर उपार्जित ब्याज का लेखा, जिस वर्ष ऋण की किस्त जारी की जाती है, के लिए रखा जाता है तथापि ब्याज को वास्तव में तब प्राप्त किया जा सकता है जब परियोजना संबंधित ऋण करारों की शर्तों एवं निबंधनों के अनुसार पूरी कर ली गई है। खातों में, साल के लिए स्टाफ के बकाया और लेखापरीक्षा शुल्क के अलावा, बकाया परन्तु भुगतान नहीं किये गये खर्चों के लिए प्रावधान नहीं किया गया।
3. अचल सम्पत्तियों पर मूल्यह्रास, ह्रासमान संतुलित पद्धति पर आयकर अधिनियम, 1961 में निर्धारित दरों के आधार पर प्रदान किया जाता है। वित्तीय वर्ष के दौरान अर्जित/बेची गई/स्थानांतरित/त्यागी गई अचल सम्पत्तियों पर कोई मूल्यह्रास नहीं प्रदान किया जाता है। अचल सम्पत्तियों में वृद्धि की गणना अधिग्रहण लागत के आधार पर की जाती है।
4. राजस्व संबंधी भुगतान आवती एवं भुगतान लेखा और तुलन पत्र (बैलेंस सीट) में प्राप्ति के आधार पर लिए जाते हैं।
5. सरकारी अनुदानों को आवती आधार पर मान्यता दी जाती है। व्यय नहीं की गई राशि को भारत सरकार को वापस नहीं किया जाता क्योंकि सरकार द्वारा जारी अनुदानों को प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड अधिनियम, 1995 की धारा 9 (1) (क) के अनुसार प्रौद्योगिकी विकास और अनुप्रयोग हेतु निधि में जमा कर दिया जाता है और इस प्रकार किसी प्रकार की वापसी की कोई आवश्यकता नहीं है। अतः भारत सरकार को वापस करने हेतु कोई राशि बकाया नहीं है।
6. प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड अधिनियम, 1995 की धारा (1) के अनुसार प्रौद्योगिकी विकास और अनुप्रयोग हेतु निधि द्वारा प्रदत्त राशियों की अधिवसूली, ऋणों पर ब्याज की प्राप्तियों, राजस्व, अनुदानों और किसी अन्य स्रोत से प्राप्त राशि को इस निधि में जमा कर दिया जाता है। इस प्रावधान को ध्यान में रखकर तुलन पत्र (बैलेंस सीट) तैयार किया गया है।
7. आईडीबीआई द्वारा अनुरक्षित निर्धारित / स्थायी निधियों (उद्यम पूंजी निधि) के तुलन पत्र ने निम्नलिखित को दर्शाया है -
 - (क) राजस्व प्रबंधन शुल्क और उस पर पैनल ब्याज के संबंध में आय/परिव्यय जिन्हें वास्तविक प्राप्तियों / भुगतान के रूप में माना गया है को छोड़कर तुलन पत्र को प्रोदभवन आधार पर तैयार किया गया है।
 - (ख) परिसम्पत्तियों/ऋण/निवेश का मूल्यांकन, आईडीबीआई (फंड मैनेजर) द्वारा मूल्यांकित मूल्य पर किया गया और परिसम्पत्तियों की बुक मूल्य को कम करने के प्रावधान का अभिलेखन वित्तीय विवरण में उपलब्ध नोट्स के आधार पर किया गया।
 - (ग) तुलन पत्र के नोट के अनुसार ग्राहक बकाया/वसूली में कोई बदलाव नहीं है, ज्ञापन पुस्तकों में ग्राहकों से वसूली योग्य राशि में अर्जित ब्याज/अतिरिक्त ब्याज आदि सभी राशियां शामिल होंगी। बकाया अर्जित ब्याज के साथ खराब ऋण को उस स्थिति में समाप्त किया जायेगा जहाँ वसूली प्रक्रिया समाप्त हो चुकी है एवं ऋण खाते से कोई भी अदायगी की सम्भावना नहीं है और जिसे बोर्ड द्वारा समाप्त करने के लिए अनुमोदित किया गया है।
 - (घ) आईडीबीआई (वीसीएफ) के वित्तीय विवरण को तुलन पत्र के साथ उनके द्वारा उपलब्ध कराये गये अन्य नोट्स एवं स्पष्टीकरण के साथ पढ़ा जायेगा।
8. निधि की राशियों को राष्ट्रियकृत बैंकों में अल्पावधि जमा योजना में रखा जाता है अल्पावधि जमा पर ब्याज को प्राप्ति एवं भुगतान, लेखों और तुलन पत्र में दर्शाया गया है।
9. कंपनियों में निवेश को लागत मूल्य पर दर्शाया गया है। टीडीबी के मंडेट के अनुसार यह निवेश टीडीबी के किसी भी कैपिटल अभिमूल्यन या अन्य लाभ के लिए नहीं किया गया है। शेयरों को उनके वास्तविक वसूली तक अधिग्रहण मूल्य के आधार पर लिया जायेगा। हालांकि, किसी भी कम्पनी के समापन/विघटन या किसी अन्य मामले में निवेश के उचित मूल्य में किसी भी प्रकार की स्थायी गिरावट की स्थिति में गिरावट मूल्य को आय एवं

व्यय लेखों में चार्ज किया जायेगा।

10. अप्राप्ति के मामले में, किसी भी प्रकार के पुनर्निर्धारण करार (री) को ऋण करार में निर्धारित नियम एवं शर्तों के आधार पर किया जायेगा एवं खाते में बकाया राशि मूल करार के आधार पर बहाल होगा। इस वजह से, मूल करार पर वापस जाने के कारण ऋणकर्ता के बकाया राशि में वृद्धि हो सकती है।
11. अगर उधारकर्ता ऋण करार के शर्तों के तहत ऋण/ब्याज की राशि का भुगतान करने में अक्षम है और वसूली का मामला विवाचन को निर्दिष्ट किया गया है तो बकाया ऋण राशि, दंडविशयक ब्याज के साथ ब्याज को मामले को विवाचन को निर्दिष्ट करने के तारीख पर रोक दिया जाता है। पुरस्कार शर्तों के अनुसार पारित पुरस्कार के प्राप्त होने के बाद ही बकाया ब्याज का प्रावधान या समायोजन किया जाता है।
12. अगर उधारकर्ता ने ऋण करार के शर्तों के तहत ऋण/ब्याज की राशि का भुगतान करने में डिफॉल्ट किया है और उचित कानूनी प्रक्रिया में गये बिना ही परिसमापन में चला गया है तो परिसमापन की तारीख तक ब्याज लगाया जायेगा। चूंकि वसूली की तारीख तक ब्याज की वसूली का अधिकार टीडीबी के पास है अतः खारिज करने के लिए अंतिम प्रावधान आधिकारिक परिसमापक से मूलधन एवं ब्याज के अंतिम भुगतान की प्राप्ति के बाद ही किया जाता है।
13. ऋणकर्ता से अप्राप्ति एवं अनुवर्ती आर्बिट्रेसन अवार्ड पास होने के मामले में, ऋण एवं ब्याज का पुनःव्याख्यान एवं ब्याज की चार्जिंग आर्बिट्रेसन अवार्ड के आधार पर किया जायेगा। इस वजह से, ऋणकर्ता के बकाये ब्याज की राशि में वृद्धि/गिरावट हो सकती है।
14. आर्बिट्रेसन कार्रवाई शुरु होने की स्थिति में, आर्बिट्रेसन कार्रवाई के शुरु होने से अवार्ड के प्राप्त होने तक ब्याज की गणना को रोक दिया जाता है। अवार्ड के प्राप्त होने के बाद, उस पर ऋण एवं ब्याज की गणना अवार्ड के आधार पर किया जाता है जबकि अन्य शर्तें नियत रहती हैं।
15. पूर्ण सम्मत राशि के लिए निधि न जारी करने और समयबद्ध पुनः भुगतान सेड्यूल सक्रिय होने की स्थिति में, ब्याज की गणना करार के अनुसार लागू दर पर जारी राशि के आधार पर की जाती है।
16. वेंचर फंड एवं सीड फंड में निवेश लागत के आधार पर किया जाता है। चूंकि, ये फंड लगातार अपनी गतिविधियों के संदर्भ में विकसित हो रहे हैं एवं यह एक निरंतर प्रक्रिया है, निवेश के मूल्य में किसी भी प्रकार के स्थायी परिवर्तन परिकल्पित या उपलब्ध नहीं हैं। वेंचर फंड के निवेश में लाभ/हानि को या तो फंड के बंद होने पर या फंड के कार्यकाल के दौरान आय के संवितरण के दौरान स्वीकृत किया जाता है।
17. भंडार का सत्यापन वार्षिक आधार पर किया जाता है।
18. आंकड़ों को निकटतम रूप में पूर्वांकित किया जाता है।

लेखाओं पर टिप्पणी

1. वित्तीय वर्ष 2015-16 के दौरान टीडीबी को अनुदान के रूप में 3000.00 लाख (पिछले वर्ष 1350.00 लाख रु) प्राप्त हुआ ।
2. प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड के पास 31 मार्च, 2016 तक 242.59 करोड़ रु. (पिछले वर्ष 222.12 करोड़ रु.) की अतिदेय ऋण की राशि (राशि देय पर प्राप्त नहीं) है। इसके अतिरिक्त, 92.62 करोड़ (पिछले वर्ष 89.37 करोड़) का साधारण ब्याज, 133.53 करोड़ रु. (पिछले वर्ष 114.54 करोड़ रु.) के बराबर ऋण पर आधारित अतिरिक्त ब्याज और साधारण ब्याज पर अतिरिक्त ब्याज के रूप में 35.77 करोड़ रु. (पिछले वर्ष 30.73 करोड़ रु.) भी देय है।
3.
 - (i) यूटीआई उद्यम पूंजी प्रबंधन कम्पनी लिमिटेड (यूटीआईवीएफ), बैंगलोर द्वारा प्रशासित एसेंट इंडिया फंड (एआईएफ) में बकाया निवेश 31 मार्च, 2016 तक 29.93 करोड़ रु. है। निधि का लेखा परीक्षित एनएवी 31 मार्च 2016 तक 100/- रु. पर 51.87/- रु. प्रति यूनिट था।
 - (ii) वेंचरईस्ट फंड एडवाइजर्स प्राइवेट लिमिटेड, चेन्नई द्वारा संचालित वेंचरईस्ट टीनेट फंड II, चेन्नई में बकाया निवेश 31.03.2016 तक 12.29 करोड़ रु. है। इस वर्ष यूनिटों के विमोचन से 0.97 करोड़ रु. की राशि प्राप्त हुई। निधि की गैर-लेखा परीक्षित एनएवी 31 मार्च, 2016 तक 1271/- रु. प्रति यूनिट थी (अंकित मूल्य 1000/- रु. प्रति यूनिट)।
 - (iii) टीडीबी ने दिनांक 16.08.2004 के सह-निवेश करार के अनुसार एपीआईडीसी वेंचर कैपिटल लिमिटेड, हैदराबाद द्वारा प्रशासित एवं प्रबंधित एपीआईडीसी के साथ 'टीडीबी ट्रस्ट' (जैव प्रौद्योगिकी उद्यम निधि के साथ सह-निवेश स्कीम) में दिनांक 31.03.2016 तक 30 करोड़ रु. (1,00,000/- प्रति यूनिट मूल्य की पूर्व रूप से भुगतान की गई 3000 यूनिटें) निवेश किए हैं। निधि की गैर-लेखा परीक्षित एनएवी 31 मार्च, 2016 तक 63,425/- रु. प्रति यूनिट थी (अंकित मूल्य 1,00,000/- रु. प्रति यूनिट)।
 - (iv) मैसर्स गुजरात वेंचर फिनांस लिमिटेड (जीवीएफएल), अहमदाबाद एसएमई टेक्नोलॉजी वेंचर फंड में बकाया निवेश 31.03.2016 तक 15.00 करोड़ रु. है। निधि की लेखा परीक्षित एनएवी 31 मार्च, 2016 तक 87,835/- रु. प्रति यूनिट थी (वास्तवित वैल्यू 1,00,000/- रु. प्रति यूनिट)।
 - (v) मैसर्स राजस्थान वेंचर कैपिटल फंड (आरवीसीएफ), जयपुर "एसएमई टेक्नोलॉजी वेंचर फंड" में बकाया निवेश 31.03.2016 तक 13.26 करोड़ रु. है। निधि की गैर-लेखा परीक्षित एनएवी 31 मार्च, 2016 तक 100/- रु. पर 191.62 रु. प्रति यूनिट थी।
 - (vi) मैसर्स सिडबी वेंचर कैपिटल लिमिटेड में बकाया निवेश 31.03.2016 तक 12.77 करोड़ रु. है। इस वर्ष यूनिटों के विमोचन से 0.86 करोड़ रु. की राशि प्राप्त हुई। निधि की लेखा परीक्षित एनएवी 31 मार्च, 2016 तक 881.63 रु. प्रति यूनिट थी (वास्तवित वैल्यू 1000/- रु. प्रति यूनिट)।
 - (vii) मैसर्स सीफ इंडिया एग्रीबिजनेस फंड में बकाया निवेश 31.03.2016 तक 21.80 करोड़ रु. है। निधि की गैर-लेखा परीक्षित एनएवी 31 मार्च, 2016 तक 4,19,171 रु. प्रति यूनिट थी (वास्तवित वैल्यू 5,00,000 रु. प्रति यूनिट)।
 - (viii) मल्टी सेक्टर सीड कैपिटल फंड में बकाया निवेश 31.03.2016 तक 20.00 करोड़ रु. है। निधि की गैर-लेखा परीक्षित एनएवी 31 मार्च, 2016 तक 20,755/- रु. प्रति यूनिट थी (वास्तवित वैल्यू 10,000/- रु. प्रति यूनिट)।
 - (ix) मैसर्स आइवी कैप वेंचर ट्रस्ट फंड-I में बकाया निवेश 31.03.2016 तक 25.00 करोड़ रु. है। निधि की गैर-लेखा परीक्षित एनएवी 31 मार्च, 2016 तक 1,41,969.31/- रु. प्रति यूनिट थी (वास्तवित वैल्यू 1,00,000/- रु. प्रति यूनिट)।
 - (x) मैसर्स इंडियन फंड फॉर सस्टेनेबल इनर्जी (सीआईआईई) में बकाया निवेश 31.03.2016 तक 4.90 करोड़ रु. है। निधि की गैर-लेखा परीक्षित एनएवी 31 मार्च, 2016 तक 98.71/- रु. प्रति यूनिट थी (वास्तवित वैल्यू 100/- रु. प्रति यूनिट)।
4. टीडीबी ने, परिस्थितीकी तंत्रा के सभी प्रमुख तत्वों को कवर करने के अधिदेश के साथ, जो इन्डस्ट्री एवं तकनीकी शुरुआतकर्ताओं को लाभान्वित करेगा, डीएसटी एवं अन्य संस्थानों के साथ, सीआईआईई के साथ संयुक्त वेंचर में कमशः 51:49 की इक्विटी भागीदारी के साथ मैसर्स ग्लोबल इन्वोवेशन एंड टेक्नोलॉजी एलायन्स (जीआईटीए) के साथ समझौते पर हस्ताक्षर किया। टीडीबी का जीआईटीए में इक्विटी भागीदारी 7.35 करोड़ रु. की है। 31 मार्च, 2016 तक टीडीबी ने 6.73 करोड़ रु. जारी किया है।

5. वर्ष के दौरान निम्नलिखित अनुदान का संवितरण किया गया

de l-	dEiuh dk uke	mn'n';	jkf't %yk[k e%
1	मेसर्स सिडबी इनोवेशन एवं इन्व्यूवेशन केन्द्र (आईआईटी कानपुर)	सीड सहायता	30.00
2	मेसर्स केआईआईटी टेक्नोलॉजी बिजनेस इन्व्यूबेटर	सीड सहायता	30.00
3	मेसर्स इन्टरनेशनल एडवांस्ड रिसर्च सेन्टर फॉर पाउडर मेटालर्जी एंड न्यू मैटेरियल (एआरसीआई)	अनुदान	500.00
4	मेसर्स विलग्रो इनोवेशन फाउंडेशन, चेन्नई	सीड सहायता	30.00
5	मेसर्स फेडरेशन ऑफ इंडियन चैम्बर्स ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (फिक्की)	अनुदान	500.00
6	मेसर्स आईएन मेन्टरिंग एंड इन्व्यूवेशन सर्विसेज, नई दिल्ली	सीड सहायता	30.00
	dy		1120.00

6. भारत सरकार द्वारा अनुदानों से संबंधित उद्यम पूंजी निधि (वीसीएफ) लेन – देन के मद के भारतीय औद्योगिक विकास बैंक (आईडीबीआई) के दस्तावेजों के बकायें राशियों की प्राप्तियों और देनदारियों को प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड अधिनियम 1995 की धारा 10 के अनुसार 1 सितम्बर 1996 को बोर्ड को हस्तांतरित करने की आवश्यकता है। 31 मार्च, 2016 को समाप्त वर्ष के लिए बोर्ड के तुलन-पत्र में शामिल किया गया है। तुलन-पत्र में आईडीबीआई के वीसीएफ से संबंधित पिछले वर्ष के आंकड़ों को भी दर्शाया गया है।
7. टीडीबी के साथ, आर्थिक मामलों के विभाग (डीईए), भारत सरकार एवं अंतःराष्ट्रीय विकास विभाग (डीएफआईडी), यूनाइटेड किंगडम ऑफ ग्रेट ब्रिटेन गवर्नमेंट के बीच हस्तांतरित समझौता ज्ञापन दिनांक 29.08.2013 के अनुसार यह निर्णय लिया गया कि "इनोवेटिव वेंचर्स एंड टेक्नोलॉजी फॉर डेवलेपमेंट (इवेंट)" प्रोग्राम के इन्व्यूवेसन कम्पोनेंट का कार्यान्वयन एवं समीक्षा टीडीबी, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार द्वारा किया जायेगा। टीडीबी की जिम्मेदारी यह सुनिश्चित करने की है कि निर्धारित फंड का खर्च निश्चित

गतिविधियों पर यथोचित परिणाम प्राप्त करने के उद्देश्य से किया जा रहा है। तदनुसार, टीडीबी को करार के तहत वर्ष के भीतर वितरण के लिए 2,86,34,463/- रु. के बराबर जीबीपी 300000/- की राशि प्राप्त हुई। टीडीबी को फंड प्रबंधक के रूप में यह राशि एक अलग बैंक खाते में रखना है एवं इसे परियोजना दिशा-निर्देश के अनुसार जारी करना है और प्रगति रिपोर्ट एवं लेखा परीक्षित लेखों को डीएफआईडी को प्रस्तुत करना है।

8. सम्पत्ति प्रबंधक के रिपोर्ट के मुताबिक, निक्को कॉरपोरेशन द्वारा कंपनी का संचालन बंद किए जाने के कारण इसमें 1846.00 लाख रु. के धारित प्रेफरेंस शेयरों में अवमूल्यन हुआ है। 691.04 लाख रु. (ब्याज सहित) की ऋण राशि भी कम्पनी पर बकाया है। हालांकि इस निवेश को खातों में बंद नहीं किया गया है क्योंकि वसूली की प्रक्रिया जारी है।
9. पिछले वर्ष के आंकड़ों को इस वर्ष के आंकड़ों के साथ तुलनीय बनाने के लिए उन्हें एकजुट एवं पुनर्वर्गीकृत किया गया है।

ह./-

॥Mk- fcUn M॥

सचिव

प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड

ह./-

॥ik- vk'krk'k 'kek॥

अध्यक्ष

प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड

31 मार्च, 2016 को समाप्त वर्ष के लिए प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड के लेखा पर भारत के लेखा नियंता एवं महालेखापरीक्षक की पृथक लेखा परीक्षा रिपोर्ट

हमने 31 मार्च, 2016 को प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड (टीडीबी), नई दिल्ली के संलग्न तुलन पत्र, उसी तिथि को समाप्त आय एवं व्यय लेखा और प्राप्ति एवं भुगतान लेखा की प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड अधिनियम, 1995 (1995 की सं. 44) के अनुच्छेद 13(2) के साथ पठित लेखा नियंता एवं महालेखापरीक्षक (दायित्व, शक्तियां एवं सेवा की शर्तों), अधिनियम 1971 के 19(2) के अन्तर्गत लेखा परीक्षा की है। ये वित्तीय विवरण बोर्ड के प्रबंधन का दायित्व है। हमारा दायित्व, अपनी लेखा परीक्षा पर आधारित इन वित्तीय विवरणों पर अपनी राय देना है।

2. इस पृथक लेखा परीक्षा रिपोर्ट में भारत के लेखा नियंता एवं महालेखापरीक्षक की वर्गीकरण, उत्तम लेखा नीतियों के सदृश लेखा मानक, प्रकटीकरण मानदंड इत्यादि से संबंधित लेखा प्रतिपादनों पर टिप्पणी शामिल है। वित्तीय लेनदेनों पर विधि अनुपालन सहित लेखा परीक्षा टिप्पणियों, नियम एवं विनियम (प्रोपराइटी और रेग्युलेटरी) और दक्षता-सह निष्पादन पहलू इत्यादि यदि कोई है तो इसे निरीक्षक रिपोर्ट/नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक की लेखा परीक्षा के माध्यम से रिपोर्ट किया गया।

3. हमने यह लेखा परीक्षा, भारत में सामान्यतः अपनाए गए मानकों के अनुसार किया है। इन मानकों में यह अपेक्षित होता है कि हम लेखा परीक्षा को इस तरह योजनागत और निष्पादित करें कि इस बात का उचित आश्वासन प्राप्त किया जा सके के वित्तीय विवरण सामग्री, गलत विवरणों से मुक्त हो। लेखा परीक्षा में जांच के आधार पर वित्तीय विवरणों में प्रस्तुत की गई राशियों के समर्थन में प्रमाणों और प्रकटीकरण की जांच शामिल है। लेखा परीक्षा में प्रयोग किए गए लेखा सिद्धांतों और प्रबंधन द्वारा महत्वपूर्ण आकलनों का मूल्यांकन शामिल है। हमारा विश्वास है कि हमारा लेखा परीक्षा विचारों को एक औचित्यपूर्ण आधार प्रदान करेगा।

4. हमारी लेखा परीक्षा के आधार पर हम यह रिपोर्ट देते हैं कि:

- हमने सभी सूचनाएं और स्पष्टीकरण प्राप्त कर लिए हैं जो कि हमारी जानकारी और विश्वास में लेखा परीक्षा के उद्देश्य के लिए अनिवार्य है।
- इस रिपोर्ट में दिए गए तुलन पत्र और आय एवं व्यय लेखा/प्राप्ति एवं भुगतान लेखा को वित्त मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा स्वीकृत प्रारूप में तैयार किया गया है।
- हमारे विचार से अपेक्षित लेखों की समुचित बहियों और अन्य संबंधित रिकॉर्डों को टीडीबी, नई दिल्ली द्वारा अनुरक्षित किया गया है जैसा कि हमारी ऐसी बहियों की जांच से पता चलता है।
- हमने यह भी रिपोर्ट किया कि :

(A) r|yu i=

ekt nk ifj lEifRr;k| _ .k| vfxe bR;kfn & vulph 11 & 7|27|40-90 yk[k :-

निवेश – कम अवधि जमा पर अर्जित ब्याज जो कि उपर 44.41 लाख रु. दर्शाया गया है जो वास्तव में 41,00.00 लाख रु. के कम अवधि जमा में निवेश पर अर्जित ब्याज वर्ष 2015-16 में मात्र 28.56 लाख रु. था। इसके परिणामस्वरूप मौजूदा वर्ष में मौजूदा परिसम्पत्तियों को 15.85 लाख रु. बढ़ाकर एवं उसी राशि को पूर्व अवधि की आय में कम करके दिखाया गया है।

(B) vk; ,o 0;; [kk

1- 0;;

(a) vunku ij 0;; & vulph 22 & 11|09-89 yk[k :-

आय एवं व्यय खाते के अनुसार टीडीबी ने 'अनुदान पर व्यय, अनुवृत्ति इत्यादि' हेड के अन्दर 11,09.89 लाख रु. का व्यय दिखाया, जबकि लेखाओं पर टिप्पणी से

सम्बन्धित अनुसूची 25 में वर्ष के अन्दर 'अनुदान पर वितरण' 11,20.00 लाख रु. दर्शाया गया है। यह अनुदान के अव्ययित शेष की राशि 10.11 लाख रु. के वापसी के कारण हुआ जिसको कि पूर्व अवधि समायोजन के रूप में माना चाहिए था। इसके परिणामस्वरूप अनुदान पर अन्य आय और व्यय एवं पूर्व अवधि आय को 10.11 लाख रु. से कम करके दिखाया गया।

(b) vU; i'kklfud [kp] bR;kfn & vu|ph 21 & 4]84-49 yk[k :-

(i) वर्ष 2015-16 के लिए टेलिफोन व्यय के भुगतान किया जाने वाला 1.75 लाख रु. के अवैतनिक व्यय को न तो 'बकाया खर्च' के रूप में और न ही अनुसूची-7 'मौजूदा देनदारियों एवं प्रावधान' में देनदारियों में दर्शाया गया। इसके परिणामस्वरूप खर्च एवं देयताओं को 1.75 लाख रु. से कम करके दिखाया गया।

(ii) परिसम्पत्ति प्रबंधकों को वर्ष 2014-15 के लिए किया गया 83.57 लाख रु. के व्यय को मौजूदा वर्ष के व्यय के रूप में दिखाया गया जिससे व्यय बढ़ गया और और पूर्व अवधि का व्यय 83.57 लाख रु. से कम हो गया।

(iii) उपरोक्त में अक्टूबर, 2015 में बेवसाईट के विकास एवं प्रमोचन में किया गया 34.10 लाख रु. का व्यय शामिल नहीं है जिसकी मांग वेंडर द्वारा मई 2015 में किया गया था। इसके परिणामस्वरूप 34.10 लाख रु. के व्यय और मौजूदा देयताओं को कम करके दिखाया गया।

(c) LFkkiuk 0;; bR;kfn & vu|ph 20 & 1]84-62 yk[k :-

अनुसूची 20-स्थापना व्यय में 'वेतन और मजदूरी' के शीर्ष के अन्दर 1,54.27 लाख रु. का व्यय दिखाया गया जबकि परीक्षण से पता चला कि पिछले वर्ष के 13.05 लाख रु. के व्यय को वर्तमान वर्ष के व्यय में दिखाया गया है। इसी प्रकार 15.75 लाख रु. मार्च महीने का वेतन जो कि अप्रैल में दिया गया था को नहीं दर्शाया गया था। इसके परिणामस्वरूप 15.75 लाख रु. के

देयताओं को कम करने के अलावे व्यय और पूर्व अवधि व्यय क्रमशः 2.70 लाख रु. और 13.05 लाख रु. कम हो गया।

2. vk; vU; vk; & vu|ph 18 & 7-64 yk[k :-

टीडीबी को वर्ष के दौरान सम्पत्तियों की बिक्री पर 8.18 लाख रु. का घाटा हुआ, हालांकि यह घाटा गलती से माईनस आय के रूप में दिखाया गया जिससे एक ही खाते में आय के साथ साथ व्यय को कम करके दिखाया गया।

(c) lkekU;

1- fuo'k

(i) vU; %vu|ph 10&2]20]16-73 yk[k :-%
vkj b;jekDM @ bUMkeV fuf/k;k l fuo'k
%vu|ph 9&65-99 yk[k :-%

(a) उपरोक्त में शेयर-इक्विटी/पसंद की भगीदारी में 28.47 करोड़ रु. एवं आईडीबीआई के उद्यम पूंजी निधि के माध्यम से ईयरमार्कड/इन्डोमेंट निधियों में 65.99 लाख रु. का व्यय शामिल है। टीडीबी ने शेयरों और ईयरमार्कड/इन्डोमेंट निधि में निवेश के लिए दो अलग नीतियों को अपनाया क्योंकि इक्विटी एवं ऋण के मूल्य का मूल्यांकन 65.99 लाख रु., निवेश के मोचन के मामलों में 26.26 लाख रु. मूल्य में कमी के बाद दिखाया गया। हालांकि, मूल्य में कमी की नीति सभी निवेशों के लिए नहीं अपनाया गया।

(b) इसके अलावा, निवेश रजिस्टर छः कम्पनियों में इक्विटी शेयर में 34,36.73 लाख रु. के निवेश का खुलासा करता है। इनमें से, मेसर्स ट्वेन्टी फर्स्ट सेन्चुरी बैटरी लिमिटेड, मोहाली के इक्विटी शेयर में 5,90.00 लाख रु. के निवेश का अवमूल्यन शून्य हो गया और इसे 2013-14 के व्यय में 'इक्विटी के अवमूल्यन' में दिखाया गया। हालांकि, इस मूल्य में इस अवमूल्यन को अनुसूची-9 'ईयरमार्कड/इन्डोमेंट निधि में निवेश के मूल्य में कमी को दिखाते हुए, अनुसूची-10 'निवेश में नहीं दिखाया गया, जिसमें एक ही तरह के लेन-देन के लिए लेखांकन के अलग तरीकों को अपनाया गया।

(ii) bfoVh e fuo'k dk : ik|rj.k ugh gluk

तुलन-पत्र के अनुसूची-10 'निवेश' के अनुसार, 28.47 करोड़ रु. को 'शेयर-इक्विटी भागीदारी' के शीर्ष के रूप में दर्शाया गया जिसमें मार्च 2007 में लिए गए मेसर्स रेवा इलेक्ट्रिक कार कम्पनी प्राईवेट लिमिटेड में 1,44.88 प्रति शेयर पर 156.18 लाख रु. के 107798 इक्विटी शेयरों में निवेश शामिल है। चूंकि इस कम्पनी को महिन्द्रा ग्रुप ने मई 2010 में अधिग्रहित करके इसे मेसर्स महिन्द्रा रेवा इलेक्ट्रिक विहाइकल्स लिमिटेड नामक एक पब्लिक लिमिटेड कम्पनी में तब्दील कर दिया इसलिए टीडीबी के शेयरों को इस नयी गठित/परिवर्तित पब्लिक लिमिटेड कम्पनी के इक्विटी शेयरों में बदले जाने की जरूरत थी। हालांकि, बोर्ड के द्वारा नया/परिवर्तित शेयरों को प्राप्त करने के लिए कोई कार्रवाई नहीं की गई।

2- fofk|u dEifu;k d lngkLin .k dk iko/kku ugh fd;k tkuk

वार्षिक लेखों के अनुसार, 95 कम्पनियों में 3,58.06 करोड़ रु. बकाया था। इनमें से 69 कम्पनियों ने 2,42.59 लाख रु. के बकाये साथ टीडीबी को उनके ऋण अदायगी में चूक की जो कि 2012-13 में 1,70.30 करोड़ रु., 2013-14 में 1,92.08 करोड़ रु. और 2014-15 में 2,22.12 करोड़ रु. रूप में बढ़ता गया।

31 मार्च 2016 तक दिखाये गये 2,42.59 करोड़ रु. में से 2,22.96 करोड़ रु. के बकाया के साथ 48 मामले लिटिगेशन में है। इसके अलावा, 47 में से 26 कम्पनियों जो कि लिटिगेशन में नहीं है और जिसमें 59.92 करोड़ रु. के ऋण का पुष्टीकरण मांगा गया था, लेकिन टीडीबी बकाया शेष को प्रमाणित नहीं कर पाया।

इसके अलावे, 2,92.00 करोड़ रु. को लेखा में 31 मार्च 2016 तक अर्जित ब्याज के रूप में दिखाया गया था जिसमें इन कम्पनियों से वसूली के लिए अतिदेय की 2,79.01 करोड़ रु. की राशि भी शामिल है।

कम्पनियों के भुगतान के साथ-साथ देय होने वाले ऋण की जांच करने के दरम्यान यह पाया गया कि दिसम्बर 2002 से फरवरी 2011 के बीच जिन 9 कम्पनियों के ऋण देय हुए उन्होंने ऋण/ब्याज का एक भी किस्त

नहीं चुकाया जबकि 22 कम्पनियों ने 31 मार्च 2016 तक 4 से 16 वर्ष के भीतर एक भी किस्त नहीं चुकाया।

उपरोक्त से यह पता चलता है कि इन अतिदेय और अप्राप्य परिसम्पत्तियों ने मौजूदा परिसम्पत्तियों के अन्दर टीडीबी के ऋण पोर्टफोलियो का बढ़ाया इन संदेहास्पद एवं अप्राप्य ऋण और उसपर अर्जित ब्याज की एक बड़ी राशि को वार्षिक लेखा में दिखाने के लिए एक अनुकूल प्रावधान किया जाना चाहिए। उपरोक्त को देखते हुए, हम बकाया ऋण एवं अग्रिम की सत्यता को सत्यापित नहीं कर सकते।

3- ik|r ,o Hkxru y[|k & 1|52|62-21 yk|k :-

शीर्ष 'डीएफआईडी सहित कम-अवधि जमा में निवेश' और 'नकद शेष' को 'पिछले वर्ष' के जमा शेष में गलती से कमश: 52,02.08 लाख रु. एवं 0.13 लाख रु. के स्थान पर कमश: 0.13 लाख रु. एवं 52,02.08 लाख रु. दिखाया गया।

(D) vunku l gk;rk

टीडीबी को आरएंडडी सेस लेवी के अन्तर्गत, विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग से अनुदान प्राप्त होता है जिसे प्रौद्योगिकी के आयात के लिए 5 प्रतिशत की भुगतान दर पर सरकार द्वारा वसूल किया जाता है। टीडीबी को वर्ष 2015-16 के दौरान विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग से 30,00.00 लाख रु. का अनुदान मिला। नकद/ बैंक शेष के 75,04.31 लाख रु. के प्रारंभिक शेष के अलावे टीडीबी को वर्ष 2015-16 के दौरान कम अवधि जमा/ऋणों/ राजस्व/अनुदान, ऋण की अदायगी, उद्यम निधि से आय, लाभांश, जमानत इत्यादि पर ब्याज के रूप में 77,57.90 लाख रु. प्राप्त हुए। 75,85.32 लाख रु. के निवेश, स्थापना/कार्यालय खर्च में निवेश और ऋण/अनुदान के वितरण के बाद, 76,76.89 लाख रु. को 31 मार्च 2016 तक अव्यतित शेष के रूप में दिखाया गया।

(E) ic/ku i= वो गलतियां जो कि लेखा परीक्षा रिपोर्ट में शामिल नहीं किया गया है उनको टीडीबी के नोटिस में अलग से जारी किए गये प्रबंधन पत्र के

माध्यम से उपचारात्मक/सुधारात्मक कार्रवाई के लिए लाया गया।

(v) पूर्ववर्ती पैराग्राफों में दिये गये हमारे प्रेक्षकों के आधार पर हम रिपोर्ट देते हैं कि तुलनपत्र और आय एवं व्यय लेखा/प्राप्ति एवं भुगतान लेखा, इस रिपोर्ट में लेखा बहियों के साथ मेल खाता है।

(vi) हमारी एवं हमारी सूचना तथा हमे दिये स्पष्टीकरणों के आधार पर क्योंकि पूर्व पैराओं में विचारित प्रेक्षकों के प्रभावों के कारण, हम लेखापरीक्षा रिपोर्ट के

अनुलग्नक में उल्लेखित लेखा नीतियां एवं लेखाओं पर टिप्पणियों एवं अन्य मामले, भारत में सामान्य तौर पर स्वीकृत लेखा सिद्धान्तों के साथ समरूपता में सत्य एवं सही दृष्टि देते हैं।

- यह 31 मार्च, 2016 तक के प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड के तुलनपत्र एवं अन्य मामलों से सम्बंधित है।
- अब तक यह इसी तारीख को समाप्त वर्ष हेतु आय और व्यय के अधिशेष से सम्बंधित है।

भारत सरकार के सीएजी के लिए और उनकी ओर से
ह./-

स्थान: नई दिल्ली
दिनांक: 7/12/2016

प्रधान निदेशक लेखा परीक्षा
oKkfud foHkkx

लेखा परीक्षा रिपोर्ट का अनुलगनक - 1

आन्तरिक नियंत्रण प्रणाली

1. vkUrfjd y[kk i.kkyh dh lk;kIrrk }

टीडीबी का वर्ष 2015-16 का आन्तरिक लेखा परीक्षा आयोजित किया गया।

2. लेखा परीक्षा के दौरान, आन्तरिक नियंत्रण प्रणाली से सम्बन्धि निम्नलिखित कमियां पाई गयी:

(a) ik|kfxdh fodkl ckM dh cBdk dk vi;kIrr vk;ktu

टीडीबी ने सरकार द्वारा बोर्ड का गठन नहीं होने की वजह से वर्ष 2014-15 एवं 2015-16 में बोर्ड की सिर्फ एक बैठक का आयोजन किया जो कि टीडीबी नियम के नियम 4 का उल्लंघन है जिसके अनुसार वर्ष के दौरान बोर्ड की कम-से-कम दो बैठकें आयोजित की जानी चाहिए।

(b) jk;YVh d eY;kdu ,o olyh d fy, fd lh r= dk ugh gkuk

आय-व्यय खाता 30.11 लाख रू. के रॉयल्टी को दर्शाता और जबकि पिछले वर्ष रॉयल्टी के आय 19.30 लाख दिखाया गया। कम्पनियों के साथ हस्ताक्षरित ऋण करार के अनुसार, उधार लेने वाले को वाणिज्यीकरण की तारीख से ऋण को पूरी तरह से चुकाये जाने की अवधि तक या बोर्ड द्वारा अवधि विस्तार किए जाने तक बोर्ड की सहायता से निर्मित उत्पाद पर एक सहमत दर पर रॉयल्टी का भुगतान किया जाना था। इसके लिए, टीडीबी को ऋणी कम्पनियों के कुल वार्षिक बिक्री पर नजर रखना चाहिए था, ताकि इससे रॉयल्टी निर्धारित

की जा सके। हालांकि, टीडीबी रॉयल्टी निर्धारण के लिए कम्पनियों के कुल वार्षिक बिक्री की जांच के लिए कोई तंत्र नहीं बना पाया। पिछले वर्ष के इसी अवलोकन के जबाव में, टीडीबी ने इस तरह का तंत्र बनाने का आश्वासन दिया था लेकिन इस तरह का कोई तंत्र नहीं अपनाया गया।

(c) cdk;k mi;kfxrk iek.ki=

सामान्य वित्तीय नियम के नियम 212(1) के अनुसार, प्रत्येक अनुदानित संस्थान द्वारा वित्तीय वर्ष के समाप्ति के 12 महीने के अन्दर उपयोगिता प्रमाणपत्र, यह दर्शाते हुए कि अनुदान का उपयोग निश्चित उद्देश्य के लिए किया गया है, दिये जाने की आवश्यकता है। हालांकि, 31 मार्च 2016 को 37 अनुदानित संगठनों से 26,96.91 लाख रू. का उपयोगिता प्रमाणपत्र बकाया था।

3. fu;r ifjIEifUk;k d HkkIrrd IR;kiu dh i.kkyh

वर्ष 2015-16 के लिए नियत परिसम्पत्तियों का भौतिक सत्यापन पूरा हो चुका है।

4. lkeku lfp;k d HkkIrrd IR;kiu dh i.kkyh

वर्ष 2015-16 के लिए सामान सूचियों का भौतिक सत्यापन पूरा हो चुका है।

5. lkfof/kd n; jk'k fofu;ked

सभी सांविधिक देय का भुगतान समय पर किया जा चुका है।

ह./-

उप-निदेशक (निरीक्षण)



The Year That Was



During the year 2015-16, Technology Development Board (TDB) concluded 2 agreements for financial assistance with industrial concerns including agreement with M/s Villgro Innovation Foundation, Chennai to implement the Incubation Support Components of Innovative Ventures and Technologies for Development (INVENT) programme supported by Department for International Development (DFID, UK) and committed Rs. 4.75 crore out of total project outlay of Rs. 21.93 crore. TDB's support covers various sectors such as Healthcare, Engineering, Agriculture, Energy & Waste Utilization, Telecommunication and Information Technology etc.

An amount of Rs. 68.85 crore has been disbursed towards on-going & new projects and schemes. This included Rs. 26.99 crore as loan; Rs. 2.40 crore as Equity; Rs. 11.20 crore as Grant and Rs. 28.26 crore to Venture Capital Fund (VCF) for investment.

Participation in Venture Capital Funds

In addition to the direct support to industries for commercialization of indigenous technologies, TDB continued networking with technology focused VCF to support technologically-innovative viable ventures. The objective behind this exercise is to spread itself by providing support to early stage ventures for SMEs having innovation and innovative products /services. This initiative of TDB has given confidence to Venture Capitalist/Private Equity Funds to come up in big way to support the technology based projects with a pronounced emphasis on sectors which are the growth drivers of Indian economy.

Upto 31st March, 2016, TDB has continued its participation in 12 Venture Capital Funds, with reputed and well experienced Venture Capital Fund companies namely APIDC-Biotechnology Fund; UTI-Ascent India Fund, UTI-India Technology Venture Unit Scheme; Ventureeast- Ventureeast Tenet Fund-II, GVFL- SME Technology Venture Fund; RVCF- SME Tech Fund RVCF-II; CIIE- Indian Fund For Sustainable Energy; SIDBI-India Opportunities Fund, SEAF - SEAF India Agribusiness Fund; Blume Venture's-Multi Sector Seed Capital Fund and IvyCap Venture's-Ivy Cap Ventures Trust Fund-1

with committed investment of Rs. 310.00 crore out of which the return on investment in five VCFs has already started.

These funds are targeted to support technology oriented ventures in various sectors such as IT / ITES, Biotechnology, Health, Telecommunications, Nano-technology, Cleantech Energy and Agribusiness etc. to widen its scope with a view to leverage investment in innovative projects.

This year, TDB has received Rs. 0.86 crore from India Opportunities Fund of SIDBI Venture Capital Ltd., Mumbai and Rs. 0.97 crore from Ventureeast Tenet Fund-II of Ventureeast Fund Advisers (India) Pvt. Ltd., Chennai towards redemption of units.

Seed Support Scheme for Start-ups in Incubators

In 2005, TDB took a growth-oriented proactive initiative by starting the Seed Support System for providing financial assistance for Start-ups in Incubators (STEP/TBI) administered by the National Science & Technology Entrepreneurship Development Board (NSTEDB) of DST and has supported 36 (which includes two times financial assistance to 4 TBIs/STEPs) Technology Business Incubators (TBIs) and Science and Technology Entrepreneurs Parks (STEPs) involving TDB's commitment of Rs. 3600.00 lakhs till 2011-12.

The scheme has progressed well and benefited a number of entrepreneurs in various fields. The financial assistance released to the incubatees would cater to early stage support for technologies requiring development, up-scaling and related work. It will also facilitate in the building up of an Incubation Fund by the Incubators.

Upto 31st March, 2016, TDB continued its support to all 36 TBIs/STEPs with a financial assistance of Rs. 1.00 crore each aggregating to Rs. 36.00 crore.

Technology Day

The Technology Day 2015 was celebrated on 11th May 2015 at Vigyan Bhawan, New Delhi. Hon'ble Union Minister of Science & Technology and Earth Sciences Dr. Harsh Vardhan graced the occasion as Chief Guest and presided over the Function. The Lectures on the topic "Technology Interventions

for India's Transformation to a Developed Nation" were delivered by Dr. V.K. Saraswat, Member, Niti Ayog and Dr. Kiran Majumdar Shaw, CMD, M/s Biocon Ltd.



The National Award was given to M/s Troikaa Pharmaceuticals Limited, Ahmedabad for Indigenous development of novel technology for topical drug delivery and its commercialization under the Brand name Dynapar QPS. Dynapar QPS is non aqueous formulation of topical diclofenac, based on the Novel Drug Delivery Platform. QPS providing unique therapeutic advantages thereby facilitating higher penetration through skin achieving higher concentration of Diclofenac in the flamed tissue with extremely low plasma concentration. Dynapar QPS acts as a targeted drug delivery to the affected site and reduces the need of oral analgesics thus avoiding damage to vital organs like kidney and stomach, providing superior pharmaco-economic therapy for musculoskeletal and joint disorders.

M/s Troikaa Pharmaceuticals Limited, Ahmedabad received a cash Award of Rs. 10.00 lakh and a Trophy.

No SSI Unit Award was given during 2015-16.

Interactive Mode

Exhibitions/ Seminars

To create awareness in the industry, entrepreneurs and R&D institutions about the available financial support from TDB, various activities were undertaken such as interactive meetings / participation in exhibitions in collaboration with other organizations.

During the year, TDB created awareness about its scheme by participating in various exhibitions at New Delhi and Mysore. This includes India International Trade Fair at Pragati Maidan, New Delhi; India International Science Festival at IIT Delhi; and Indian Science Congress at Mysore.

New Products and Services

During the year, TDB signed new agreements for financial assistance to support the following projects for development and commercialization of innovative technologies:-

- Manufacturing and commercialization of SiAION cutting inserts and other products by M/s Double-Dee Technology Private Limited, Mumbai
- Agreement with M/s Villgro Innovation Foundation, Chennai to implement the Incubation Support Components of Innovative Ventures and Technologies for Development (INVENT) Programme supported by Department for International Development (DFID, UK).

Product Released/Projects Completed

The products released / projects completed with assistance from TDB during the year include:-

- Commercialization of value added products for agriculture, animal husbandry and human applications derived from seaplants by M/s Aquagri Processing Private Limited, New Delhi
- Development and commercialization of Unmanned Aerial Vehicle Mission Simulator (UAV Sim) by M/s Zen Technologies Limited, Hyderabad
- Developing Electron Beam Irradiation Technology to produce and commercialize Heat Shrinkable tubes, profile and sheet, EB Cross linked polymeric wires and cables and to provide contractual services for Gem Coloration, Polymeric products modification and Medical sterilization by M/s Siechem Technologies Private Limited, Chennai
- Branchless Banking and Financial Services for the Unbanked and Under-banked by M/s Eko India Financial Services Private Limited, New Delhi

Settlement of Repayment of Loan

This year, the following Thirteen (13) companies assisted by TDB have repaid their loan amount and settled their loan account as per the agreement to the satisfaction of TDB.

- M/s Goodwill Organics Pvt. Ltd., Mumbai
- M/s Bull Machiens Pvt. Ltd., Coimbatore
- M/s Sri Biotech Laboratories India Pvt. Ltd., Hyderabad
- M/s Neurosynaptic Communications Pvt. Ltd., Bangalore
- M/s Pawaa Software Pvt. Ltd., Bangalore
- M/s Veejay Lakshmi Engineering Works Ltd., Coimbatore
- M/s United Nenotech Products Ltd., Kolkata

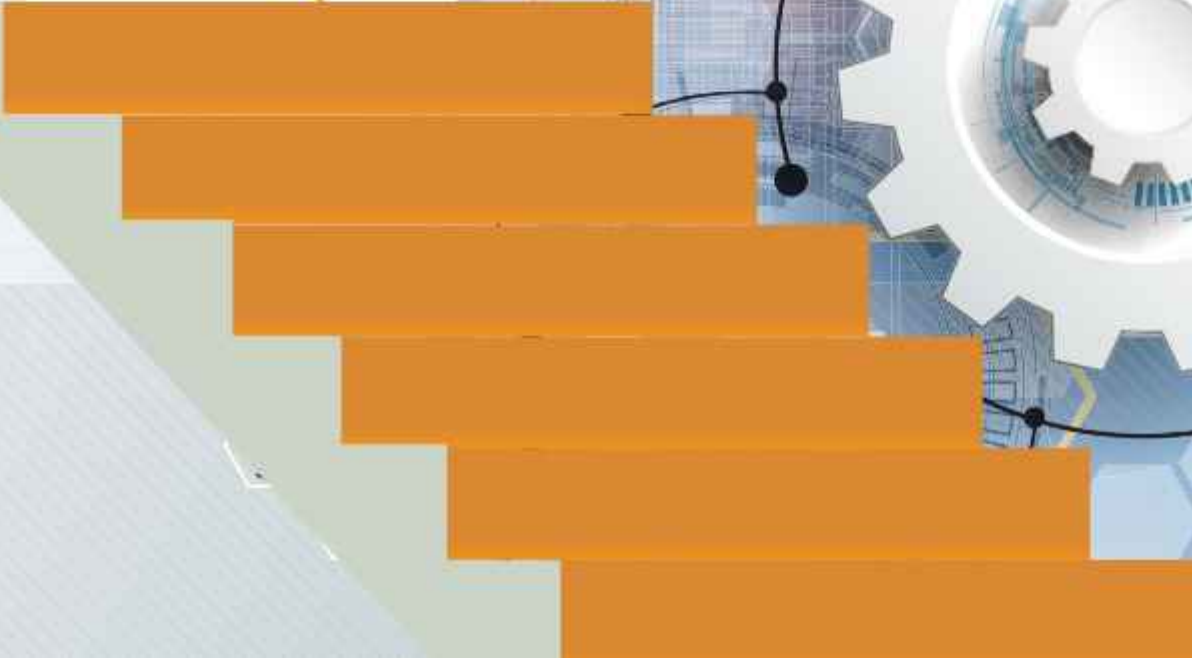
- M/s Skanray Technologies Pvt. Ltd., Mysore
- M/s Axio Biosolutions Pvt. Ltd., Ahmedabad
- M/s Sequent Scientific Ltd., Bangalore
- M/s Bharat Biotech International Ltd., Hyderabad
- M/s Aurora Integrated Systems Pvt. Ltd., Kanpur
- M/s Insta Power Ltd., New Delhi

Applications received

During the year, TDB received total 37 applications for financial assistance from various industrial concerns with total project cost of Rs. 803.17 crore and TDB's assistance of Rs. 342.90 crore. Out of that, 20 applications were found suitable for further processing for financial assistance by TDB.



Overview



The Government of India constituted the Technology Development Board (TDB) in September 1996, as per the provisions of the Technology Development Board Act, 1995.

The Act enabled the creation of a Fund for Technology Development and Application to be administered by TDB. The Fund receives grants from the Government of India out of the Cess collected by the Government from the industrial concerns under the provisions of the Research and Development Cess Act, 1986, as amended in 1995. Any income from investment of the amount of the Fund and the recoveries made of the amounts granted from the Fund are credited to the Fund. The Finance Act, 1999, enabled full deductions to donations made to the Fund for income tax purposes.

During the period of 1996-97 to 2015-16, a total amount of Rs. 6787.08 crore R&D cess has been collected by the Government. TDB has received a cumulative sum of Rs. 579.17 crore over the period of 20 years as an Grant-in-aid from the Non-plan expenditure of Department of Science & Technology.

The mandate of the TDB is to provide financial assistance to the industrial concerns and other agencies attempting development and commercial application of indigenous technology or adapting

imported technology for wider domestic application.

The financial assistance from TDB is available in the form of loan or equity and/or in exceptional cases, grant. The loan assistance is provided up to 50 percent of the approved project cost and carries 5 percent simple rate of interest per annum. Royalty is also payable on sales of products under TDB's project during concurrency of loan. In exceptional cases, TDB may also subscribe by way of equity capital in a company, subject to maximum of 25 percent of the approved project cost. The financial assistance is provided during the commencement, start-up or growth stages of industrial concerns.

TDB accepts applications for financial assistance from all sectors of economy throughout the year. An industrial concern desirous of seeking financial assistance from TDB applies in a prescribed format. A copy of the Project Funding Guidelines including the format of application can be obtained free of cost from TDB or by accessing TDB website (www.tdb.gov.in).

TDB has also participated in Venture Capital Funds for spreading its support to technology oriented projects. Further, it also provides support to incubators through its Seed Support Scheme and has also interacted with select foreign institutions to promote its activities.

Modes of Financial Assistance

The following table indicates the modes of financial assistance provided by TDB till 31st March 2016

Rs. in Crore

Instrument	Sanctioned by TDB*	Disbursement by TDB
Loan	1028.77	883.64
Equity	33.06	**34.19
Grant	150.01	137.93
Venture Funds	310.00	241.80
Total	1521.84	1297.56

* The actual sanctioned amount by TDB as on 31st March 2016 may vary in subsequent years due to revision in the quantum of financial assistance, foreclosure and cancellations.

** Includes conversion of loan of Rs. 18.46 crore (Rs. 12.46 crore in 1999-2000 and Rs. 6 crore in 2001-2002) disbursed to NICCO Corporation into Cumulative Redeemable Preference Shares in March 2004 (thereby reducing the loan), conversion of loan of Rs. 5.00 crore disbursed to M/s Frontier Lifeline Pvt. Ltd., Chennai into equity and Rs. 6.74 crore till 31st March, 2016 disbursed towards equity participation of TDB in Global Innovation and Technology Alliance (GITA) a Section 25 company.

As on 31st March 2016, TDB has signed a total of 318 agreements (since its inception in 1996) with a total project cost of Rs. 6207.43 crore involving TDB's commitment of Rs. 1521.84 crore against which TDB has disbursed Rs. 1297.56 crore from the grants provided by the government and through internal accruals.

TDB has so far supported 12 Venture Capital Funds with a commitment/participation of Rs. 310.00 crores leveraging total funds aggregating to Rs. 2408.00 crore from other investors. TDB has approved grant assistance of Rs. 1.00 crore each to the thirty six (which includes two times financial

assistance to 4 TBIs/STEPs) Incubators under the Seed Support Scheme.

Healthcare and Engineering sectors have a significant share in comparison to other sectors. The support by TDB is largely market driven and technology oriented in new ventures and also in various industrial sectors.

Financial participation by TDB depends largely on market driven conditions and varies considerably from one sector to another. Healthcare along with the engineering sector have a significant share in its financial assistance.

Sector-wise Coverage of Agreements 1996-2016

TDB's financial assistance has covered almost all sectors of the economy. The following table gives sector-wise projects sanctioned by TDB upto 31st March, 2016, since inception in 1996-97.

(Rs. in Crore)

Sector	Number of Agreements	Total cost	TDB's Commitment
1 Health & Medical	78	1263.22	356.96
2 Engineering	63	621.10	227.65
3 Electronics	5	111.56	42.75
4 Chemical	24	208.00	72.79
5 Agriculture	21	141.55	47.40
6 Energy & Waste Utilization	8	132.36	55.98
7 Tele-communications	12	99.88	37.85
8 Defence and Civil Aviation	1	8.00	2.20
9 Road Transport	10	527.04	81.20
10 Air Transport	2	142.10	67.80
11 Information Technology	42	380.79	150.41
12 Others			
❖ Venture Funds	12	2408.00	310.00
❖ STEP-TBI	36	36.00	36.00
❖ CII	1	0.83	0.50
❖ Millenium Alliance (MA)	1	112.00	25.00
❖ Global Innovation & Technology Alliance (GITA)	1	15.00	7.35
❖ INVENT Programme	1	-	-
Total	318	6207.43	1521.84

**(Excludes 14 agreements, which were cancelled by TDB without any release)*

State-wise Distribution of Agreements 1996-2016

The State-wise distribution (based on registered office of the company) of agreements signed during the years 1996-2016 is given below:

(Rs. in Crore)

Sl No.	State, Union Territory	Number of Agreements	Number of Enterprises	Total cost	Loan/Grant / Equity Sanctioned by TDB
1	Andhra Pradesh	82	69	1226.23	418.44
2	Chandigarh	4	4	43.75	16.50
3	Delhi	19	18	230.80	74.65
4	Gujarat	12	11	123.35	39.12
5	Haryana	6	5	44.15	18.00
6	Himachal Pradesh	1	1	6.24	1.90
7	Jammu & Kashmir	1	1	5.65	2.38
8	Karnataka	36	34	475.30	188.64
9	Kerala	3	3	19.03	7.15
10	Madhya Pradesh	6	5	154.23	41.50
11	Maharashtra	39	36	750.80	141.20
12	Manipur	1	1	7.94	2.70
13	Pondicherry	1	1	5.83	1.90
14	Punjab	5	5	52.20	14.46
15	Rajasthan	1	1	35.77	3.00
16	Tamil Nadu	34	33	296.97	91.31
17	Uttar Pradesh	7	6	52.03	33.88
18	West Bengal	8	6	105.33	46.26
19	Others - Including				
	Venture Funds	12	12	2408.00	310.00
	STEP-TBIs	36	32	36.00	36.00
	CII	1	1	0.83	0.50
	Millenium Alliance (MA)	1	1	112.00	25.00
	Global Innovation & Technology Alliance (GITA)	1	1	15.00	7.35
	INVENT Programme	1	1		
	Grand Total	318	288	6207.43	1521.84

Pro-active Role

In the recent past, TDB has partnered with various Venture Capital Funds to widen its scope with a view to leverage investment in innovative projects. TDB has also supported R&D initiatives by

incubators through its Seed Support Scheme. TDB has also associated with select foreign institutions with the aim of providing a platform for developing technology oriented enterprises in the country.

Participation in Venture Capital Funds

Upto 31st March, 2016, TDB has continued its participation in 12 Venture Capital Funds, with reputed and well experienced Venture Capital Fund companies namely APIDC-Biotechnology Fund; UTI-Ascent India Fund, UTI-India Technology Venture Unit Scheme; Ventureast- Ventureast Tenet Fund-II, GVFL- SME Technology Venture Fund; RVCF- SME Tech Fund RVCF-II; CIIE- Indian Fund For Sustainable Energy; SIDBI-India Opportunities Fund, SEAF - SEAF India Agribusiness Fund; Blume Venture's-Multi Sector Seed Capital Fund and IvyCap Venture's-Ivy Cap Ventures Trust Fund-1 with committed investment of Rs. 310.00 crore out of which the return on investment in five VCFs has already started.

These funds are targeted to support technology oriented ventures in various sectors such as IT / ITES, Biotechnology, Health, Telecommunications, Nano-technology, Cleantech Energy and Agribusiness etc. to widen its scope with a view to leverage investment in innovative projects.

Seed Support for STEP/TBIs

TDB has instituted the Seed Support Scheme to provide early stage financial assistance to young entrepreneurs for bringing innovative technology venture ideas to fruition. TDB recognizes that technological innovation and development at incubation stage are critical components resulting in the commercialization of technology. TDB has taken a growth-oriented initiative by deciding to

participate in the Seed Support Scheme for Start-ups in Incubators in previous years.

TDB provided financial assistance to 5 Technology Business Incubators (TBI's) and Science & Technology Entrepreneurs Parks (STEP's) under Seed Support System for Start-ups in Incubators to incubate technological ideas during 2005-06. This scheme has progressed well. TDB extended the scheme and supported another 5 incubators for Rs.100.00 lakh each in the second round in 2007-08, 5 incubators for Rs.100.00 lakh each in the third round in the year 2009-10, 9 incubators for Rs.100.00 lakh each in the fourth round in the year 2010-11 and 12 incubators for Rs.100.00 lakh each in the fifth round in 2011-12.

Till 31st March, 2016, TDB has supported 36 (which includes two times financial assistance to 4 TBIs/STEPs) TBIs and STEP's with a financial assistance of Rs. 1.00 crore each aggregating to Rs. 36 crore. These Incubators have provided assistance to several Incubatee companies for their projects which are in the areas of telecom, software, robotics, agriculture, instrumentation, engineering, environment, pharma, food, solar, textile and biotechnology etc.

Job Opportunity

TDB has added value by creating new job opportunities through implementation of projects by new enterprises as well as through new projects implemented by ongoing enterprises.



Technology Day and Presentation of National Awards

The Technology Day 2015 was celebrated on 11th May 2015 at Vigyan Bhawan, New Delhi. Honb'le Union Minister of Science & Technology and Earth Sciences Dr. Harsh Vardhan graced the occasion as Chief Guest and presided over the Function. The Lectures on the topic "Technology Interventions for India's Transformation to a Developed Nation" were delivered by Dr. V.K. Saraswat, Member, Niti Ayog and Dr. Kiran Majumdar Shaw, CMD, M/s Biocon Ltd.

The National Award was given to M/s Troikka Pharmaceuticals Limited, Ahmedabad for Indigenous Development of novel technology for topical drug delivery and its commercialization under the Brand name Dynapar QPS. Dynapar QPS is Non Aqueous Formulation of Topical Diclofenac, based on the Novel Drug Delivery Platform QPS providing unique therapeutic advantages thereby facilitating higher penetration through skin achieving higher concentration of Diclofenac in the flamed tissue with extremely low plasma concentration. Dynapar QPS acts as a targeted drug delivery to the affected site and reduces the need of oral analgesics thus avoiding damage to vital organs like kidney and stomach, providing superior pharmaco-economic therapy for musculoskeletal and joint disorders.

M/s Troikka Pharmaceuticals Limited, Ahmedabad

received a cash Award of Rs. 10.00 lakh and a Trophy.

No SSI Unit Award was given this year.

Board Members

Dr. Girish Sahni has taken charge as Secretary, Department of Scientific & Industrial Research w.e.f. 24th August, 2015 in place of Dr. K. Vijay Raghavan; Dr. S. Christopher has taken charge as Secretary, Department of Defence Research & Development w.e.f. 29th May, 2015 in place of Dr. Avinash Chander; Shri Ramesh Abhishek has taken charge as Secretary, Department of Industrial Policy and Promotion w.e.f. 11th February, 2016 in place of Shri Amitabh Kant and Shri S.M. Vijayanand has taken charge as Secretary, Department of Rural Development w.e.f. 1st March, 2016 in place of Shri J.K. Mohapatra.

Shri S. P. Shukla Chairman, Mahindra Aerospace, Mumbai; Dr. Ajay Ranka CEO, Zydex Industries, Vadodara; Shri G. Sreeramakrishna, Ex-CGM, SBI, Secunderabad and Shri Pradeep Goyal, Chairman, Pradeep Metals Ltd., Navi Mumbai were appointed as Members vide Notification dated 21.12.2015.

Acknowledgement

The Board is grateful to the above Board Members and Department of Science and Technology for sparing the services of their officers for TDB.

-sd-

(Prof. Ashutosh Sharma)

Chairperson

Technology Development Board

Place: New Delhi

Date:

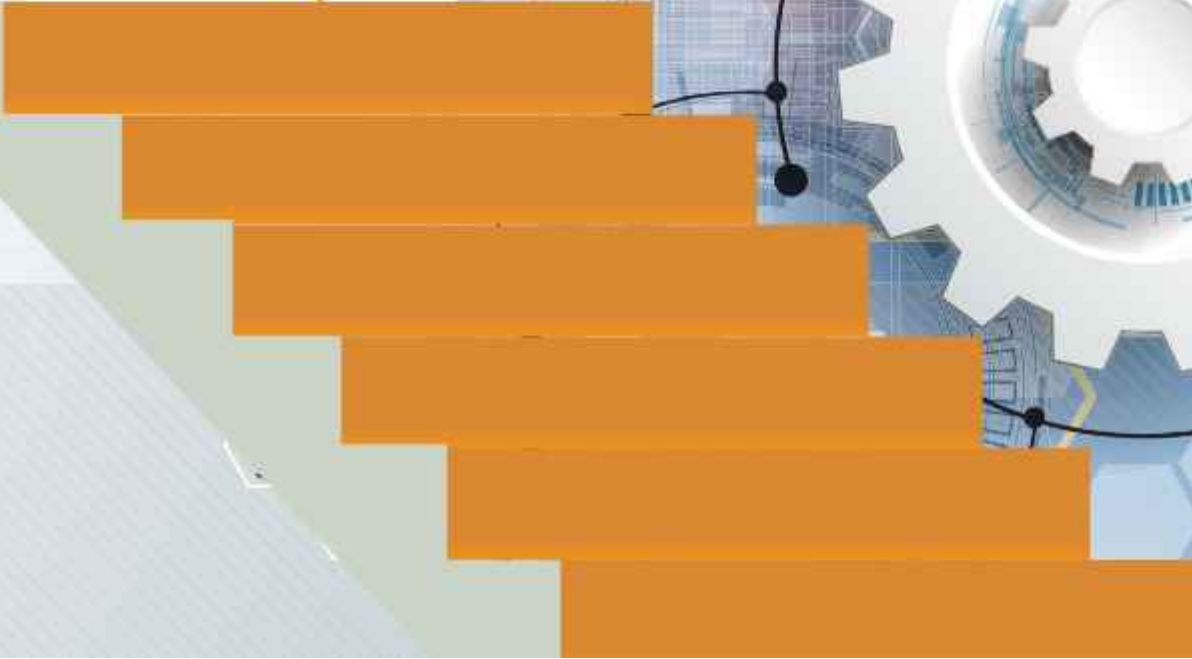
Composition Of The Technology Development Board

(As on 31st March, 2016)

Prof. Ashutosh Sharma Secretary, Department of Science & Technology	ex-officio Chairperson
Dr. Girish Sahni Secretary, Department of Scientific & Industrial Research	ex-officio Member
Dr. S. Christopher Secretary, Department of Defence Research & Development	ex-officio Member
Shri Ratan P. Watal Secretary, Department of Expenditure	ex-officio Member
Shri Ramesh Abhishek Secretary, Department of Industrial Policy and Promotion	ex-officio Member
Shri S.M. Vijayanand Secretary, Department of Rural Development	ex-officio Member
Shri S. P. Shukla Chairman, Mahindra Aerospace, Mumbai	Member
Dr. Ajay Ranka CEO, Zydex Industries, Vadodara	Member
Shri G. Sreeramakrishna Ex-CGM, SBI, Secunderabad	Member
Shri Pradeep Goyal Chairman, Pradeep Metals Ltd., Navi Mumbai	Member
Dr. Bindu Dey Secretary, Technology Development Board	ex-officio Member (Member Secretary)



Introduction



To promote development and commercialization of indigenous technology and adaptation of imported technology for wider domestic applications, the Government of India constituted the Technology Development Board (TDB) in September 1996.

TDB administers the Fund for Technology Development and Application, created under the Technology Development Board Act, 1995. The Fund has been receiving grants from the Government of India. The Technology Development Board Act also enables TDB to build up Fund by crediting all sums received by TDB from any other source, recoveries made of the amounts granted from the Fund, and any income from investment of the amount of the Fund. The Finance Act, 1999, enabled full deductions to donations to the Fund for income tax purposes.

The Government of India provides funds to TDB out of the Cess collections made from the industrial concerns under the provisions of the Research and Development Cess Act, 1986 (as amended in 1995). During the period of 1996-97 to 2015-16, a total amount of Rs. 6787.08 crore R&D cess has been collected by the Government. TDB has received a cumulative sum of Rs. 579.17 crore over the period of 20 years as Grant-in-aid from Non-plan expenditure of Department of Science & Technology.

TDB receives applications seeking financial assistance throughout the year. The TDB mandate provides for loan assistance to the industrial concerns. The loan carries a simple interest of five percent per annum (w.e.f. 13th May 2002). Royalty would also be payable on sale of products under TDB project during the concurrency of loan. TDB does not collect administrative, processing or commitment charges from the applicants. TDB provides the loan amount in instalments that are linked to implementation of associated milestones in accordance with the terms and conditions of the loan agreement. In some cases, TDB may have nominee director(s) on the Board of Directors of the assisted industrial concern. The implementation period of a project should generally not exceed three years.

The quantum of loan is, normally, limited upto 50 percent of the approved project cost for the

expenditure to be incurred for completion of project. The loan and interest is secured through collaterals and guarantees.

Normally, the repayment of the loan and payment of interest commences after the project is completed and moratorium period not exceeding one year. The loan amount is generally recoverable in nine, half yearly instalments thereafter. The accumulated interest up to the repayment of the first instalment may be distributed over a period of three years.

TDB also provides financial assistance by way of grants and/or loans to industrial concerns and R&D institutions engaged in developing indigenous technologies. The sanction of grants is decided by the Board of TDB and is provided in exceptional cases having importance towards fulfilling national interest.

TDB may subscribe by way of equity capital in an industrial concern (incorporated under the Companies Act, 1956), on its commencement, start-up and/or growth stages according to the requirements as assessed by TDB and keeping in view the debt-equity ratio.

The equity subscription is decided by the full Board of TDB. It is up to 25 percent of the approved project cost, provided such investment does not exceed the capital paid-up by the promoters. The industrial concern is to issue, at par, its share certificates to TDB equivalent to the amount subscribed by TDB. The pre-subscription conditions include that the promoters should have subscribed and fully paid up their portion of the share capital. The promoters shall pledge their shares to TDB of a value equal to the equity subscription by TDB. TDB has a right to have nominee director(s) on the Board of Directors of such companies. TDB, in its discretion, may divest its shareholdings in the company after three years of completion of the project or after five years from the date of subscription in accordance with the procedure prescribed in the TDB (equity capital) Regulations. However, the first option to buy back the shares is given to the promoters.

TDB does not consider substituting the existing loan or equity of the industrial concerns which have obtained such finances from other institutions.

During the year 2015-16, one Board meeting (53rd) was held on 11th March, 2016.

National Awards on Technology Day

The Technology Development Board instituted a 'National Award for Successful Commercialization of Indigenous Technology' by an industrial concern. The National Award consists of two components: (i) to the industrial concern that has successfully commercialized the indigenous technology and (ii) to the developer/provider of such technology. Each component carries a cash award of Rs. 10 lakhs and a trophy. The National Award was given for the first time on the occasion of the Technology Day on 11th May 1999.

Award for SSI unit

In August 2000, TDB introduced a cash award of Rs. 2 lakh (Revised to Rs. 5 lakh in the year 2011) and a trophy to a SSI unit that has successfully commercialized a technology-based product. The first SSI award was given on 11th May, 2001.

Technology Day and Presentation of National Awards

The Technology Day 2015 was celebrated on 11th May 2015 at Vigyan Bhawan, New Delhi. Hon'ble Union Minister of Science & Technology and Earth Sciences Dr. Harsh Vardhan graced the occasion as

Chief Guest and presided over the Function. The Lectures on the topic "Technology Interventions for India's Transformation to a Developed Nation" were delivered by Dr. V.K. Saraswat, Member, Niti Ayog and Dr. Kiran Majumdar Shaw, CMD, M/s Biocon Ltd.

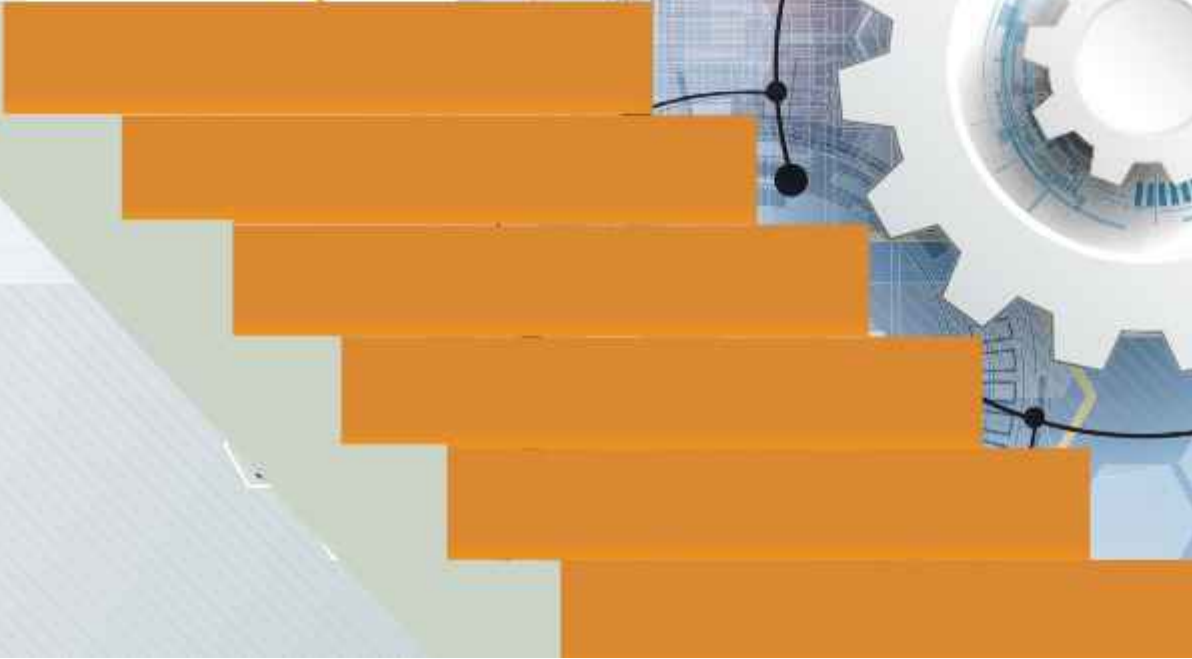
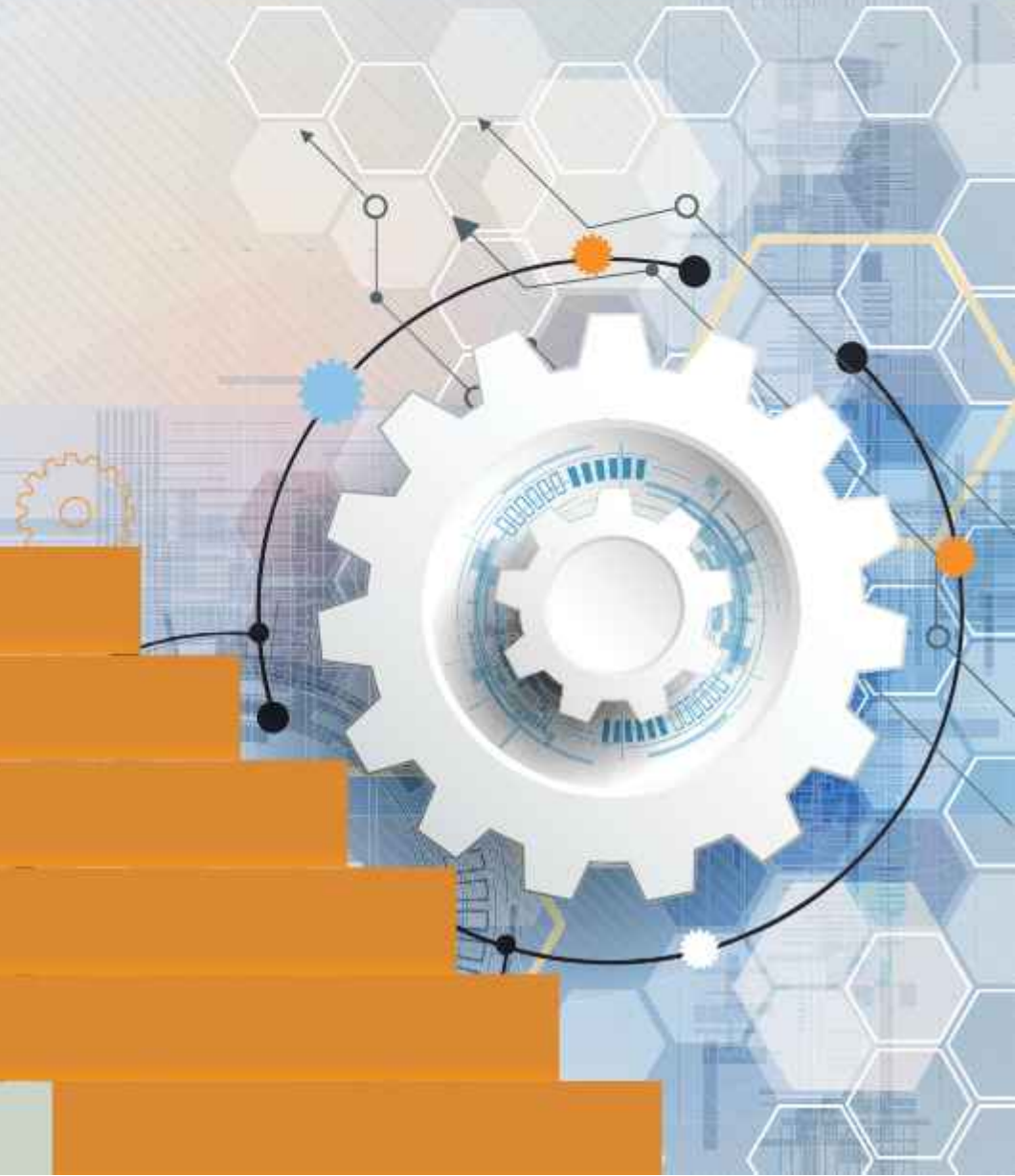
The National Award was given to M/s Troikaa Pharmaceuticals Limited, Ahmedabad for Indigenous Development of novel technology for topical drug delivery and its commercialization under the Brand name Dynapar QPS. Dynapar QPS is Non Aqueous Formulation of Topical Diclofenac, based on the Novel Drug Delivery Platform QPS providing unique therapeutic advantages thereby facilitating higher penetration through skin achieving higher concentration of Diclofenac in the flamed tissue with extremely low plasma concentration. Dynapar QPS acts as a targeted drug delivery to the affected site and reduces the need of oral analgesics thus avoiding damage to vital organs like kidney and stomach, providing superior pharmaco-economic therapy for musculoskeletal and joint disorders.

M/s Troikaa Pharmaceuticals Limited, Ahmedabad received a cash Award of Rs. 10.00 lakh and a Trophy.

No SSI Unit Awards were given this year.



Processing of Project Proposals



An industrial concern seeking financial assistance from the Technology Development Board should submit the application in a prescribed format. The format of application seeking financial assistance from Technology Development Board and other details are available in a brochure titled 'Project Funding Guidelines' which is made available free of cost by TDB. TDB receives the applications

throughout the year. The industrial concern or the entrepreneur/promoter can also obtain the format of application from the website of TDB i.e. www.tdb.gov.in.

Applications Received in 2015-16

During the year, TDB received total 37 applications for financial assistance from various industrial

Application Received State-wise

The state-wise distribution of 37 applications is as under:

(Rs. in Crore)				
	State / Union Territory	Number of Applications	Estimated Total Cost	Assistance sought from TDB
1	Andhra Pradesh	12	174.69	61.10
2	Delhi	3	59.29	18.74
3	Gujrat	1	31.65	15.80
4	Haryana	2	41.43	4.40
5	Himachal Pradesh	1	1.10	0.41
6	Karnataka	5	412.98	190.50
7	Maharashtra	2	20.42	10.20
8	Odisha	1	1.00	1.00
9	Rajasthan	1	1.00	1.00
10	Tamilnadu	2	20.03	19.85
11	Telangana	3	18.66	10.26
12	Uttar Pradesh	2	7.35	3.50
13	West Bengal	2	13.57	6.14
	Total	37	803.17	342.90

Applications Received Sector-wise

TDB receives applications seeking financial assistance in all the sectors of the economy. The sector-wise details of receipt of applications are given in the table below:-

(Rs. in Crore)				
	Sector	Number of Applications	Estimated Total Cost	Assistance sought from TDB
1	Agriculture	1	13.57	6.14
2	Chemical	3	483.71	203.40
3	Electronics	8	96.67	44.70
4	Engineering	9	171.56	59.40
5	Health & Pharma	3	10.00	10.00
6	Information Technology	2	16.66	8.26
7	Others	11	11.00	11.00
	Total	37	803.17	342.90

Profile of Applicants

TDB mainly received applications from private limited companies and public limited companies etc., during the year, as may be seen from the table given below.

(Rs. in Crore)

Category	Number of Applications	Estimated Total Cost	Assistance Sought from TDB
Private Limited Company	22	325.27	120.10
Public Limited Company	04	466.90	211.80
Others	11	11.00	11.00
Total	37	803.17	342.90

concerns with total project cost of Rs. 803.17 crore and TDB's assistance of Rs. 342.90 crore. Out of that, 20 applications were found suitable for further processing for financial assistance by TDB.

Initial Screening of Applications

The Initial Screening Committee (ISC) examines the application received for financial assistance, from the point of view of completeness of the application, objective of the project and status of the technology, etc. Such screening may include preliminary discussions with the applicant and technology provider besides calling for additional information/details or a brief presentation covering the project. If the application does not meet the criteria prescribed for TDB's financial assistance, the applicant is advised accordingly.

TDB conducted fourteen (14) meetings of ISC during 2015-16.

Twenty seven (27) experts from the relevant fields have provided their expertise to TDB in evaluating the project proposals through ISC during 2015-16. The list of experts, who assisted in the Initial Screening of applications, is appended to this report. TDB is thankful to them.

Project Evaluation

Project Evaluation Committee (PEC)

Based on the recommendations of the ISC, the application is referred to the Project Evaluation Committee (PEC). For each project, a PEC is constituted keeping in view the nature of the project and the product. PEC consists of experts (scientific, technical and financial) in the relevant fields from

outside TDB for an independent evaluation of the project.

The experts (serving or retired) may belong to government departments, R&D organizations, academic institutions, industry, industry associations, financial institutions and commercial banks. The PEC visits the project site. The applicant along with the technology provider is given full opportunity to give a detailed presentation on the scientific, technical, marketing, commercial and financial aspects and to provide in-depth information on various issues related to the project & the company.

High Level Expert Committee (HLEC)

In order to expedite the process of evaluation for pending and upcoming project proposals, Chairperson, TDB (from the year 2011-12) constituted a High Level Expert Committee which consists of eminent experts (scientific, technical, academia, marketing and financial) in the relevant fields from outside TDB under the Chairmanship of a renowned personality for an independent evaluation of the projects.

Evaluation Criteria

The application is evaluated for its scientific, technological, commercial and financial merits. The evaluation criteria include:

- The uniqueness and innovative content of the proposal
- Soundness, scientific quality and technological merit
- Potential for wide application and the benefits

expected to accrue from commercialization

- Adequacy of the proposed effort
- Capability of the R&D institution(s) in the proposed action network
- Organizational and commercial capability of the enterprise including its internal accruals
- Reasonableness of the proposed cost and financing pattern
- Measurable objectives, targets and milestones.
- Track record of the entrepreneur

Confidentiality and Transparency

TDB recognizes that it is important to maintain confidentiality, as each proposal is a commercial proposal involving a new product or process. Where the applicant mentions that some of the information provided to TDB has to be treated as strictly confidential, it is not circulated to the experts of the Project Evaluation Committee (PEC) or High Level Expert Committee (HLEC). The PEC or HLEC respects the sensibility of the applicant's apprehensions in disclosing certain vital information on the processes.

After a comprehensive discussion/deliberation with the applicant, the observations and recommendations are finalised by the experts constituting the PEC or HLEC. All the proposals cleared from HLEC are assessed through Techno-Economic Viability / Due-diligence, however, cases recommended by the PEC go for due diligence only if TDB's assistance in the project exceeds Rs. 10.00 Crore. The recommendations of the PEC or HLEC are placed before the Board for approval. If the project proposal is not recommended by PEC or HLEC, the application is closed by TDB under

intimation to the applicant.

Approval of Financial Assistance

The project proposals recommended by HLEC for financial assistance are further assessed through a Techno-Economic Viability / Due-diligence process by the independent agency/agencies, however, in case of PEC, the cases beyond Rs. 10.00 crore assistance only goes for Due-diligence, before the proposal is referred to the Board for its consideration and approval for financial assistance.

Monitoring and Review

TDB releases the approved assistance to the beneficiaries in instalments, based on risk associated milestones. The second and subsequent release of instalments depends on the recommendations of a Project Monitoring Committee (PMC) constituted for each of the approved projects. The PMC invariably consists of a scientific/technical and financial expert who was a member of the PEC or HLEC at the time of evaluation of the project.

TDB has conducted thirty one (31) meetings through Project Monitoring Committees / Project Evaluation & Monitoring Committees, review meetings and inspections during 2015-16.

List of Experts who assisted the ISC, PEC, PEMC, HLEC and PMC

Thirty five (35) experts from the relevant fields have provided their expertise to TDB in evaluating the project proposals, monitoring and reviewing the projects during 2015-16. The list of experts is appended to this report. TDB gratefully acknowledges the valuable contributions made by them.



Projects and Products



Sanctions / Agreement concluded

During the year 2015-16, Technology Development Board (TDB) concluded 2 agreements for financial assistance with industrial concerns including agreement with M/s Villgro Innovation Foundation, Chennai to implement the Incubation Support Components of Innovative Ventures and Technologies for Development (INVENT) programme supported by Department for International Development (DFID, UK) and committed Rs. 4.75 crore out of total project outlay of Rs. 21.93 crore.

Disbursements

During the year, TDB disbursed an amount of Rs. 68.85 crore towards on-going, new projects and schemes. This included Rs. 26.99 crore as loan; Rs. 2.40 as Equity; Rs. 11.20 as Grant and Rs. 28.26 crore to Venture Capital Fund (VCF) for investment.

Agreements concluded

During the year 2015-16, TDB signed 2 agreements with various industrial concerns. The details are given below:-

1) M/s Villgro Innovation Foundation, Chennai

An Agreement was executed on 1st October, 2015 between TDB and M/s Villgro Innovation

Foundation, Chennai to implement the Incubation Support Components of Innovative Ventures and Technologies for Development (INVENT Programme) supported by Department for International Development (DFID, UK).

Technology Development Board (TDB), Government of India in partnership with DFID India has agreed to implement the incubation support component of 'Innovative Ventures for Technology Development (INVENT)' programme.

The INVENT is basically about Inclusive Innovations and will address challenges and barriers across the inclusive innovation lifecycle for the benefit of up to 1 million poor people at the bottom of the economic pyramid in the 8 low income states of India (UP, MP, Bihar, Chhattisgarh, Jharkhand, Rajasthan, Orissa and West Bengal).

This programme aims at supporting and capacity building of the existing incubators to identify, pilot and fund inclusive innovations (technological as well as business) for benefit of people in Low Income States (LIS).

2) M/s Double-Dee Technology Private Limited, Mumbai

M/s Double-Dee Technology Private Limited, Mumbai has executed a Loan Agreement with TDB on 30th October, 2015 for implementation of their project titled "Manufacturing and





commercialization of SiAlON cutting tool inserts and other products" for a loan of Rs. 475.00 lakh against the total project cost of Rs. 2193.00 lakh. As per the Agreement, the project would be completed on or before July, 2017.

The company intended to market SiAlON cutting inserts and other products as an OEM to established tool producing companies. The company will also brand their tools/products in aftermarket. Manufacturing of SiAlON inserts based on its advanced properties makes it highly competitive against present materials such as Tungsten Carbide and HSS. SiAlON-based materials have a combination of properties that result in superior resistance to wear & tear, thermal shock and mechanical stress. These properties include high strength, toughness and creep resistance up to high temperatures, moderately high hardness and thermal conductivity in combination with low specific gravity, coefficient of friction and thermal conductivity compared to most other ceramic materials. Combination of the high toughness, strength, hardness, thermal shock resistance and low coefficient of friction allow Si₃N₄-based materials to be premium candidates for highly stressed wear parts like cutting tool inserts, etc.

The company had entered into an agreement with

The Centre for Glass & Ceramic Research Institute (CGCRI), Kolkata for technology transfer through various patents relating to SiAlON material.

Products Released / Projects Completed During 2015-16

The brief profile of products released / projects completed during the year with the financial assistance from TDB is given below:

Commercial cultivation of Seaweeds

AquAgri Processing Private Limited, New Delhi is the first company in India to introduce commercial cultivation of seaweeds through self-help groups in coastal Tamilnadu. The produce of the growers is procured at pre-agreed prices and processed to manufacture Carrageenan, used by the food and cosmetics industries and bio-stimulants for agriculture application. This is based on an indigenously developed patented process licensed from CSMCRI, CSIR. Aquagri offers the bio-stimulants in multiple formats, in both liquid and powder form to suit soil, foliar and drip irrigation application. These bio-stimulants have been extensively tested across crops in multiple locations by the agricultural research system and the efficacy in improving both the yield and the quality of crop has been validated.



Aquasap 5x- Seaweed Liquid Extract



Aquasap Granules (10Kg bucket)

Aquasap 5x- Seaweed Liquid Bag)

Aquasap 5x- Seaweed Liquid Extract Aquasap Granules (10Kg bucket)

TDB has provided loan assistance of Rs. 450 lakhs to the company against total project cost of Rs. 1072 lakhs. The project was completed successfully on 30.06.2015.

Development and commercialization of High temperature resistant Hybrid EBXL power cables

M/s. Siechem Technologies Pvt. Ltd., Chennai has set up a project for development and commercialization of 1) High temperature resistant Hybrid EBXL power cables. 2) High heat & Fire Resistant EBXL cable which is rodent, termite, insect resistant for use in High rise building, Running train and Marine applications and 3) White colour coated, Electron Beam Cured leather for making cricket balls.

TDB has provided loan assistance of Rs. 600 lakhs to the company against total project cost of Rs. 1450 lakhs. The project was completed successfully on 30.09.2015.



Branchless Banking and Financial Services

M/s Eko India Financial Services Private Limited, New Delhi have implemented the project for "Branchless Banking & Financial Services for the Unbanked and Under-banked".



The Company envisaged to commercialize its technology with primary focus on enabling customer/ agents to do a secure financial transaction on any mobile phone - be it a smart phone or feature phone. As per their claims, the Company is the only company in the world to enable any mobile phone, including ultra low-cost phones, to do secure financial transaction without installing any app on the phone or SIM.

The company has partnered with State Bank of India, the largest bank in India; ICICI Bank, the largest private sector bank in India; as well as YES Bank, IndusInd Bank & Bank of India. Geographically, the company is present in Delhi-

NCR, Maharashtra, Andhra Pradesh, Uttar Pradesh, Uttrakhand, Haryana and Punjab.

TDB has provided a loan assistance of Rs. 950.00 lakh out of the total project cost of Rs. 2413.87 lakh. The project was completed on 31.12.2015.

Development of Unmanned Aerial Vehicle (UAV) simulator

M/s. Zen Technologies Ltd., Hyderabad has developed an indigenously Unmanned Aerial Vehicle (UAV) simulator to train pilots (external/internal), mission commanders, observers/ special payload operators and image interpreters. The simulator offers basic mission and operational handling training, lends itself to exercise and evaluation of complete operational procedures of different missions/ profiles and payloads, provides individual as well as team training (stand- alone mode for individual training and integrated mode for team training).

Fully replicated Ground Control Station (GCS) and Ground Exploitation Station (GES), provides near-realistic visual simulation with accurate flight dynamics, provides extensive after action review, trains the operators to handle fault/ emergency conditions, bad weather, poor visibility and special payloads like Ground Moving Target Indication (GMTI), Synthetic Aperture Radar (SAR), Maritime Patrol Radar (MPR), Inverse Synthetic Aperture Radar (ISAR), Communication Intelligence (COMINT) and Electronic Intelligence (ELINT), assesses the proficiency level of trainees, includes all the features of GCS/ LRS/ UAV flight and payload functions.

TDB has provided loan assistance of Rs. 1160.00 lakhs to the company against total project cost of Rs. 2374.83 lakhs. The project was completed successfully on 15.03.2016.





Proactive Role



The Technology Development Board takes a pro-active role besides responding to the applications received from industrial concerns and other agencies. The idea is that TDB's support for technology development and commercialization should be comprehensive. In a proactive role, TDB has also participated in Venture Capital Funds to spread itself by providing support to early stage ventures through SMEs having innovation and innovative products / services. TDB's motivation and participation has resulted in the venture capitalists contouring their assistance to TDB's mission. TDB took a growth-oriented initiative by instituting the Seed Support Scheme for start-ups in Incubators in previous years to provide early stage financial assistance to the young entrepreneurs for bringing their innovative technology venture ideas to fruition.

Under the aegis of its mandate, TDB has encouraged development and commercialization of indigenous technologies through the above initiatives. The Board continued its association with the following initiatives during the year 2015-16.

Participation in Venture Capital Funds (VCFs)

In addition to the direct financial assistance to industrial concern attempting development and commercialization of indigenous technologies or adapting imported technology for wider domestic application, TDB participates in the technology focused Venture Capital Fund (VCF) to support technologically innovative viable ventures with the objective to spread itself by providing support to early stage ventures having innovation and innovative products / services.

The issue of participation in Venture Capital Funds (VCFs) by TDB was discussed on several occasions in Board Meetings. The Board considered TDB's participation in VCFs as an excellent tool for increasing geographical and technological spread and decided that TDB may continue to support the VCFs rigorously on the selective basis in high risk, high return technology oriented projects, as funding to technology oriented projects through VCF route has shown remarkable success and supported large number of projects.

The Board in its 44th meeting dated 17th March, 2010 decided to constitute a committee to consider and review the support provided by the TDB to Venture Capital Funds and suggest the methodology to be adopted for supporting the VCFs by TDB. The Board also finalized the following broad guidelines for participation of TDB in Venture Capital Funds during its 45th meeting dated 10th May, 2010:

- TDB funds will primarily be deployed in VCFs which have policy to invest in innovative and/or technology oriented portfolio.
- Contribution in small to medium size fund would be preferred.
- The beneficiaries of the VCFs should be primarily from SMEs sector.
- The contribution by TDB in the VCF will normally be upto 15% of the fund size. Higher contribution can be considered in case of VCFs serving innovation for inclusive growth / industrially backward regions or first generation entrepreneur's upto 25%. In case the portfolio is 100% technology oriented even higher contribution by TDB can be considered based on Board approval.
- As an over sight mechanism, TDB representative will be a member of the Investment Committee of the VCF, to concur in proposals.
- The representative will be authorized to make exceptions to balance the portfolio.
- Track record of the Fund Manager to be considered.
- Financial services are not preferred.

Upto 31st March, 2016, TDB has continued its participation in 12 Venture Capital Funds with committed investment of Rs. 310.00 crore.

Seed Support Scheme for Start-Up in Incubators

TDB continued to provide financial support to Technology Business Incubators (TBIs) and Science & Technology Entrepreneurs Parks (STEPs) to extend much needed early stage /start-up capital to young entrepreneurs to incubate and to bring

their innovative technology venture ideas under development to fruition and finally to reach the market place. This would enable some of these innovative ideas/ technologies to graduate to a level where they can then be fit for seeking normal lending through TDB/ FI's route on their way to successful commercialization. Thus the proposed assistance is positioned to act as a bridge between development & commercialization of the technologies.

TDB has provided financial assistance to 5 Technology Business Incubators (TBI's) and Science & Technology Entrepreneurs Parks (STEP's) under Seed Support Scheme for Start-up in Incubators to incubate technological ideas during 2005-06. This scheme has progressed well and TDB extended the scheme and supported another 5 incubators for Rs.100.00 lakh each in the second round in 2007-08, 5 incubators for Rs.100.00 lakh each in the third round in the year 2009-10, 9 incubators for Rs.100.00 lakh each in the fourth round in the year 2010-11 and 12 incubators for Rs.100.00 lakh each in the fifth round in 2011-12.

To nurture the incubation of technological ideas, lab scale technologies and technological entrepreneurship, TDB has extended support to 35 out of 36 approved TBIs as one agreement was cancelled without any release (which includes two times financial support to 4 TBIs/STEPS) Technology Business Incubators (TBIs) and Science and Technology Entrepreneurship Parks (STEPS) as on 31st March, 2016. These Incubators have provided assistance to more than 150 Incubatee companies for their projects which are in the

areas of telecom, software, robotics, agriculture, instrumentation, engineering, environment, pharma, food, solar, textile and biotechnology etc.

Incubation Support Components of Innovative Ventures and Technologies for Development (INVENT Programme)

An Agreement was executed on 1st October, 2015 between TDB and M/s Villgro Innovation Foundation, Chennai to implement the Incubation Support Components of Innovative Ventures and Technologies for Development (INVENT Programme) supported by Department for International Development (DFID, UK).

Technology Development Board (TDB), Government of India in partnership with DFID India has agreed to implement the incubation support component of 'Innovative Ventures for Technology Development (INVENT)' programme.

The INVENT is basically about Inclusive Innovations and will address challenges and barriers across the inclusive innovation lifecycle, for the benefit of up to 1 million poor people at the bottom of the economic pyramid in the 8 low income states of India (UP, MP, Bihar, Chhattisgarh, Jharkhand, Rajasthan, Orissa and West Bengal).

This programme aims at supporting and capacity building of the existing incubators to identify, pilot and fund inclusive innovations (technological as well as business) for benefit of people in Low Income States (LIS).



Promotional Activities



National Awards on Technology Day

The Technology Development Board instituted a 'National Award for Successful Commercialization of Indigenous Technology' by an industrial concern. The National Award consists of two components: (i) to the industrial concern that has successfully commercialized the indigenous technology and (ii) to the developer/provider of such technology. Each component carries a cash award of Rupees ten lakh and a trophy. The National Award was given for the first time on the occasion of the Technology Day on 11th May 1999 and thereafter, it has been decided to give the National Awards every year on the Occasion of Technology Day i.e. 11th May.

Award for SSI unit

In August 2000, TDB introduced a cash award of Rs. 2 lakh and a trophy to a SSI unit that has successfully commercialised a technology-based product. The first SSI award was given on 11th May, 2001 and thereafter it has been decided to give the Award for SSI Unit every year on the Occasion of Technology Day i.e. 11th May. The cash awards were later revised to Rs. 5 lakh in the year 2011-12.

National Award 2015

The Technology Day 2015 was celebrated on 11th May 2015 at Vigyan Bhawan, New Delhi. Hon'ble Union Minister of Science & Technology and Earth Sciences Dr. Harsh Vardhan graced the occasion as

Chief Guest and presided over the Function. The Lectures on the topic "Technology Interventions for India's Transformation to a Developed Nation" were delivered by Dr. V.K. Saraswat, Member, Niti Ayog and Dr. Kiran Majumdar Shaw, CMD, M/s Biocon Ltd.

The National Award was given to M/s Troikaa Pharmaceuticals Limited, Ahmedabad for Indigenous Development of novel technology for topical drug delivery and its commercialization under the Brand name Dynapar QPS. Dynapar QPS is Non Aqueous Formulation of Topical Diclofenac, based on the Novel Drug Delivery Platform QPS providing unique therapeutic advantages thereby facilitating higher penetration through skin achieving higher concentration of Diclofenac in the flamed tissue with extremely low plasma concentration. Dynapar QPS acts as a targeted drug delivery to the affected site and reduces the need of oral analgesics thus avoiding damage to vital organs like kidney and stomach, providing superior pharmaco-economic therapy for musculoskeletal and joint disorders.

M/s Troikaa Pharmaceuticals Limited, Ahmedabad received a cash Award of Rs. 10.00 lakh and a Trophy.

No SSI Unit Awards were given this year.

Interactive Meetings with Industry

TDB organised a series of interactive meetings with



industry, potential entrepreneurs and technology providers through the industry associations and R&D organizations, etc. TDB also participates in various exhibitions.

Through these multifunctional platforms, TDB aims at creating an awareness amongst the Industries, R&D Organisations, Academic Institutions, Scientific and Industrial Research Organisations, etc., on the availability of financial assistance on soft terms for their commercialization efforts especially for indigenously developed technologies.

Such meetings have been held in India and abroad under the Ministry of Science & Technology at Ahmedabad, Bangalore, Beijing (China) Brushells (Belgium), Bhopal, Bhubaneswar, Bikaner, Budapest (Hungary), Cairo (Egypt), Chandigarh, Chennai, Chidambaram, Coimbatore, Dehradun, Delhi, Devangere, Gujarat, Gurgaon, Guwahati, Greater Noida, Hannover (Germany), Hyderabad, Hubli, Imphal, Indore, Istanbul (Turkey), Jaipur, Jhunjhunu, Jammu, Johannesburg (South Africa), Kanpur, Kerala, Kochi, Kolkata, Lucknow, Ludhiana, Madrid (Spain), Madurai, Mumbai, Mysore, New Delhi, Noida, Nagpur, Nainital, Oxford (UK), Pilani, Pune, Rajahmundry, Rajapalayam, Rajkot, Roorkee, Rudrapur, Sao Paulo (Brazil), Shillong, Shimla, Tamilnadu, Thessaloniki (Greece), Thiruvananthapuram, Tiruchirappalli, Udaipur, Vapi, Vellore, Vijayawada, since September 1996.

An analysis of the state-wise distribution of agreements signed so far by TDB indicates that more efforts are needed to encourage commercial enterprises to adopt indigenous technologies and set up plants in other States and Union Territories that have not been covered so far.

TDB has participated and organized workshops in close co-ordination with chambers of commerce, trade associations and institutions spread all over the country. TDB officers participated in exhibitions and interactive meetings held with industry and institutions during 2015-16. These are listed below:

23rd -25th April, 2015

TDB Participated in Global Exhibition on Services held on 23-25th April, 2015 at Pragati Maidan, New Delhi. The main objective of the Global Exhibition was to enhance trade and services between India and the rest of the world.

31st Oct. -1st Nov.-2015

TDB participated in 'Meri Delhi Utsav' held on 31st Oct. -1st Nov.-2015 at Delhi Haat, Pitam Pura. The main objective of the aforesaid exhibition was to provide an excellent platform for highlighting the achievements, development schemes, welfare programs and progress being made by various departments of the central and state government. A large number of visitors enquired about TDB's activities.



14th -27th November, 2015

TDB participated in 35th India International Trade Fair exhibition held at Pragati Maidan from 14th -27th November, 2015 under the Department of Science & Technology stall. The achievements made by TDB during the last 18 years were displayed at the stall of TDB. A large number of visitors enquired about TDB activities.

4th -8th December, 2015

TDB participated in India International Science Festival exhibition held IIT Delhi during 4th-8th December, 2015. It was organized by TIFAC in collaboration with Vijnana Bharati. The main objective of the expo was to showcase innovations, achievements, advancements and futuristic models related to science and technology and provide an interactive platform for scientists, artists,

designers, innovators etc. The expo highlighted art, culture and traditions depicting scientific temper and emphasized inter-dependence of science – technology-innovation and society.

3rd -7th January, 2016

TDB participated in 103rd Indian Science Congress held at Mysore, Karnataka from 3rd -7th January, 2016 under the Department of Science & Technology Stall. The Exhibition was inaugurated by Hon'ble Prime Minister of India Sh. Narendra Modi. Approximately 12,500 delegates and 500 Scientists participated at the 103rd Indian Science Congress. Over 150 institutes from around India and abroad took part in the meet.

The achievements made by TDB during the last 18 years were displayed at the stall of TDB. A large number of visitors enquired about TDB's activities.

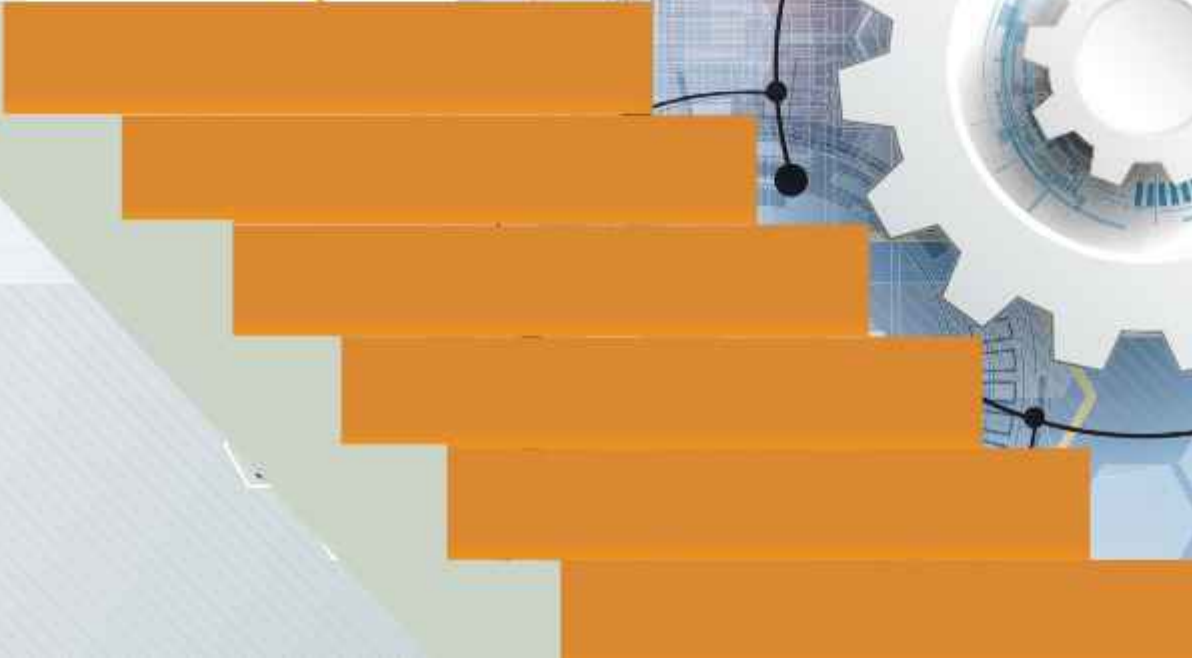
**Website**

The web-site for TDB is available on the following address:

www.tdb.gov.in



Research and Development Cess



The Research and Development Cess Act, 1986, as amended in 1995, provides for the levy and collection of cess on all payments made towards the import of technology. The rate of cess is 5 percent. The cess is payable by an industrial concern which imports technology on or before making any payments towards such import. The proceeds of the cess are credited to the Consolidated Fund of India. The cess is levied and collected for the purpose of encouraging the commercial application of indigenously developed technologies and for adapting imported technologies for wider domestic application.

Out of the cess collections, the Government of India, through appropriations made by Parliament, pay to the Fund for Technology Development and Application to be utilized for development and commercialization of indigenous technology and adaptation of imported technology. The Fund is administered by the Technology Development Board.

Cess Collections and Payments (1997-2016)

The following table indicates the year-wise cess collection from 1996-97 (the year in which the Technology Development Board was constituted by the Government) and allocations to TDB and payments to TDB.

Research and Development Cess, Collections and Disbursements

(Rs. in Crore)

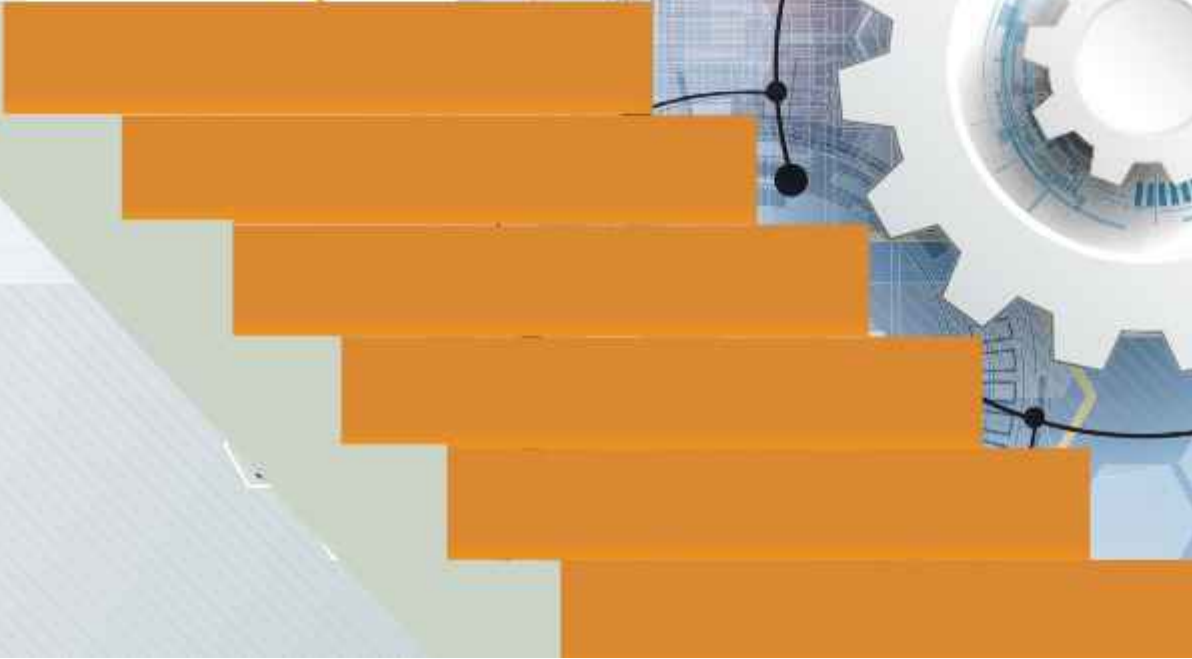
Year	Cess Collection (CAG's Figures)	Allocation to TDB		Actual Payment to TDB
		Budget Estimate (BE)	Revised Estimate (RE)	
1996-97	80.13	30.00	30.00	29.97
1997-98	81.42	70.00	70.00	49.93
1998-99	81.10	50.00	50.00	28.00
1999-00	88.93	70.00	70.00	50.00
2000-01	98.91	70.00	70.00	62.79
2001-02	95.30	63.00	63.00	57.00
2002-03	99.47	58.00	58.00	56.00
2003-04	119.51	55.00	55.00	53.65
2004-05	156.99	54.00	54.00	48.10
2005-06	176.61	43.50	43.50	42.66
2006-07	186.56	33.50	33.50	4.32
2007-08	254.09	63.00	20.80	19.00
2008-09	310.33	20.80	20.80	0.00
2009-10	418.22	50.00	10.00	0.00
2010-11	592.22	50.00	5.00	5.00
2011-12	702.54	50.00	25.00	0.00
2012-13	685.62	50.00	25.00	22.50
2013-14	737.54	50.00	15.00	13.50
2014-15	906.78	211.06	7.50	6.75
2015-16	914.81	100.00	38.79	30.00
Total	6787.08	1241.86	764.89	579.17

A total of Rs. 6787.08 crore was collected through R&D cess during the year 1996-2016. A cumulative sum of Rs. 579.17 crore over the period of 20 years (1996-2016) has been made available through Grant-in-aid from non-plan expenditure of Department of Science & Technology.



ADMINISTRATION

Administration



Annual Report and Audited Accounts

Section 12 of the Technology Development Board Act, 1995, prescribes that the Board shall prepare its annual report, giving a full account of its activities during the previous financial year. As per section 13(4) of the Technology Development Board Act, the Board has to furnish to the Central Government, its audited copy of accounts together with auditor's report.

The Annual Report, including audited copy of the Annual Accounts of the Technology Development Board for the year 2014-15 was laid before Rajya Sabha and Lok Sabha on 15.03.2016 and 16.03.2016 respectively.

TDB Secretariat

New Incumbent

Dr. Bindu Dey, Scientist-G from Department of Biotechnology (DBT) has joined the Technology Development Board as Secretary w.e.f. 13.10.2015.

Dr. Dey has worked in DBT for 23 years starting with a Scientist C position till becoming one of the Advisers. While working in DBT she gained experience in intricacies of project planning, biomedical issues, public health problems and core-management forays of the Government of India funding mechanism.

Dr. Dey has played a crucial role in catalyzing the development of infrastructure in the Bio-medical Institutions & Medical Colleges of the North-East Region for research, training & patient services and started major programmes on Cancer Immunology and Biomarker Discovery in the State of J&K.

In her leadership Technology Development Board is exploring newer programs/ activities to expand its portfolio in a big way. A lot of consolidation of activities has been done during the year after her joining as Secretary.

Income Tax exemption

The Central Board of Direct Taxes (CBDT), New Delhi has granted exemption to TDB - u/s 10[23C(iv)] of the Income Tax Act, 1961 for the further period i.e. Assessment Year 2000-01 and onwards vide notification no. 173/2007 dated 18th May, 2007 issued on 21st May, 2007.

Implementation of Official Language

The Technology Development Board, since its inception, has implemented various provisions pertaining to the official language of the Union, and had printed Notifications, Annual Reports, Project Funding Guidelines, Brochures, Vouchers etc. in Hindi and English. The exhibits / panels are prepared in Hindi and English for display in various exhibitions.



COMMITTEE

Committees



INITIAL SCREENING COMMITTEES

Agarwal S. P.	Ex- GM, Bank of Broada, New Delhi
Agrawal Kumar Ramesh	Professor, School of Computer & System Sciences, JNU, New Delhi
Ahuja A.C.	Former CMD-IFCI-VCF, New Delhi
Ansari Shahid Husain (Dr.)	Head, Dept. of Pharmacognosy & Phytochemistry, Jamia Hamdard, New Delhi.
Babu V. Bontha (Dr.)	Scientist- 'F' & Head, HSRD, DHMR, ICMR, New Dehi
Bansal Rajesh	Head NOW, BSES Rajdhani Power Limited, New Delhi
Bhusnumath N R	Professor & Chairman, FAMDI, Gurgaon
Dahiya R. P. (Prof.)	VC, Deenbandhu Chhotu Ram University of Science and Technology, Haryana
Digavalli Kumar Ravi (Prof.)	Professor, Department of Mechanical Engineering, IIT Delhi
Goel Deepak	Scientist 'F', NIC Coordination Cell, DST
Jha S. K. (Dr.)	Sr. Scientist IARI, Post Harvest Technology Division, Delhi.
Kasture Sangita (Dr.)	Scientist 'E' DBT, New Delhi
Katoch D. C. (Dr.)	Joint Advisor (Ayurveda), Department of Ayush, Ministry of AYUSH, New Delhi
Kulkarni M. R.	Scientist 'F', Department of Science & Technology (DST), New Delhi
Kumar Prafulla	Senior Director & Scientist-G, DeitY, New Delhi
Mahajan Rajendra	Ex-GM, Punjab National Bank, Gurgaon
Maiti S. N. (Prof.)	Head, Centre for Polymers Sciences and Engineering, IIT Delhi
Mishra Sukumar (Prof.)	IIT Delhi
Panda Amulya K. (Dr.)	Staff Scientist-VII, NII, New Delhi
Ranjana N.	Scientist 'G', Associate Director, DRDO, New Delhi
Saxena R.K. (Dr.)	Chief Co-Ordinator, TBI, Department of Microbiology, South Campus-DU, Delhi
Shukla Anupam	Associate Professor, Department of Chemical Engineering, IIT Delhi
Srivastava Anurag (Prof.)	Head, Department of Surgery, AIIMS, New Delhi
Sushil Kumar (Dr.)	Senior Scientist, Dept. of Physics of Energy Harvesting, NPL, New Delhi
Swaran Lata	Scientist 'G', Senior Director & HoD, TDIL Programme, DeitY, New Delhi
Varsheny K.C.	Former ED, IDBI, New Delhi
Varun Kumar Vimal	Scientist 'F', DSIR, DST, New Delhi

PROJECT EVALUATION AND PROJECT MONITORING COMMITTEES

Agarwal Arun (Dr.)	Head, DCIS, University of Hyderabad
Agarwal S. P.	Ex-GM, Bank of Baroda, New Delhi
Ahuja A. C.	Former CMD-IFCI-VCF, New Delhi
Aujla J. S.	DGM (Technical), EESL, Noida
Babu N. Sarat Chandra (Dr.)	Executive Director, C-DAC, Bangalore
Banerjee Rangan (Dr.)	HOD, DESE, IIT, Bombay, Mumbai
Brahamaprakash R. L. Cmdr.	The CQAO, Bangalore
Chandrasekhar S. (Dr.)	Director, CSIR-IICT, Hyderabad
Dhaka Ruma (Dr.)	Scientist 'G', IRDE, DRDO, Raipur Road, Dehradun
Giridhar K. (Dr.)	Professor, EE Department, IIT Madras
Godse Vinayak	Sr. Director, Data Protection, DSCI, New Delhi
Gupta S. K. (Dr.)	Scientist 'H', Emeritus Scientist, NII, New Delhi
Kohli A. K. (Dr.)	Ex Chief Executive, BRIT, Navi Mumbai
Kulkarni M. Suhaas Brigadier	CQA (Electronics), Ministry of Defence (DGQA), Bangalore
Kumar Arvind (Dr.)	Professor, DVB, College of Veterinary Sciences, Lala Lajpat Rai University of Veterinary & Animal Sciences, Hissar
Kumar Subodh (Dr.)	Professor, Dept. of Materials Engineering, IISc, Bangalore
Kunja Sameep Commander	Deputy Chief Quality Assurance Officer, Bangalore
Laloraya Malini (Dr.)	Scientist F, RGCB, Kerala

PROJECT EVALUATION AND PROJECT MONITORING COMMITTEES

Mangal L. C.	Scientist 'G', DEAL, DRDO, Ministry of Defence, Dehradun
Muthu M. V.	Ex-ED, IFCI and Former Chairman, IFCI VCFL, Bangalore
Nandakumar S.	Scientist 'E', LRDE, DRDO, Bangalore
Pai N. G.	Ex-ED, Saraswat Co-Operative Bank, Mumbai
Panda Amulya K. (Dr.)	Staff Scientist-VII, NII, New Delhi
Prasad R. N. (Dr.)	Former Dy. Director & Head, QC, NIB, New Delhi
Raja Ratnam (Dr.)	Former Scientist 'G', CFTRI, Mysore
Ramachandran K. B. (Dr.)	Prof. EMERITUS, Department of Biotechnology, IIT Madras
Rao N. Srinivasa	Scientist 'G', DLRL, DRDO, Hyderabad
Rao. T.S. (Dr.)	Scientist 'H.' (Retired) , Department of Biotechnology
Reddanna Palu (Dr.)	Professor, NIAB, DAS, SLS, University of Hyderabad
Reddy G. Madhusudhan (Dr.)	Scientist-G, Group Head, MJG, DMRI, Hyderabad
Regukumar A.P.	Scientist G, DARE, DRDO, Bangalore
Seenu Vuthaluru (Prof.)	Department of Surgery, AIIMS, New Delhi
Sirdeshmukh R. (Prof.)	Dist. Sc. & Assc. Dir., Institute of Bioinformatics, Bangalore
Sivasubramanian V. (Dr.)	Director-Tech, PERC, Chennai
Srivastava Rohit (Dr.)	Associate Professor, BEG, DBB, IIT Bombay
Varshney K. C.	Former ED, IDBI, New Delhi



Financial Statements



TECHNoLoGy DEVELoPMENT BoARD

Balance Sheet as on 31st March, 2016

(Amount in Rupees)

Corpus/ Capital Fund And Liabilities	Schedule	Current Year	Previous Year
Corpus/Capital Fund	1	9,41,88,62,234	8,76,60,25,760
Reserves and Surplus	2		-
Earmarked / Endowment Funds	3	5,79,11,687	2,75,35,158
Secured Loans and Borrowings	4	-	-
Unsecured Loans and Borrowings	5	-	-
Deferred Credit Liabilities	6	-	-
Current Liabilities and Provisions	7	99,92,974	1,16,49,245
TOTAL		9,48,67,66,895	8,80,52,10,163
ASSETS			
Fixed Assets	8	44,04,313	42,61,110
Investments- From Earmarked/ Endowment Funds	9	65,99,000	65,99,000
Investments- Others	10	2,20,16,73,340	1,91,17,41,823
Current Assets, Loans, Advances etc.	11	7,27,40,90,242	6,88,26,08,230
Miscellaneous Expenditure (to the extent not written off or adjusted)			-
TOTAL		9,48,67,66,895	8,80,52,10,163
Significant Accounting Policies	24	-	-
Contingent Liabilities and Notes on Accounts	25	-	-

sd/-
(DR. BINDU DEY)
 SECRETARY
 TECHNOLOGY DEVELOPMENT BOARD

sd/-
(PROF. ASHUTOSH SHARMA)
 CHAIRPERSON
 TECHNOLOGY DEVELOPMENT BOARD

TECHNoLoGy DEVELoPMENT BoARD

Income And Expenditure Accounts for The year Ended 31st March, 2016

(Amount in Rupees)

INCOME	Schedule	Current Year	Previous Year
Income from Sales/ Services	12		
Grants / Subsidies	13	30,00,00,000	6,75,00,000
Fees/ Subscriptions	14	-	-
Income from Investments (Income on Invest. from earmarked/ endow.)	15	-	-
Income from Royalty, Publication etc.	16	30,10,762	19,30,909
Interest Earned	17	53,30,85,105	51,88,95,868
Other Income	18	7,64,349	1,42,960
Increase / (decrease) in stock of Finished goods and works-in-progress	19		
TOTAL (A)		83,68,60,216	58,84,69,737
EXPENDITURE			
Establishment Expenses	20	1,84,62,366	1,55,33,195
Other Administrative Expenses etc.	21	4,84,49,413	2,49,48,393
Expenditure on Grants, Subsidies etc.	22	11,09,89,391	-
Interest	23	-	-
Depreciation (Net Total at the year-end - corresponding to Schedule -8)		5,70,221	11,62,821
TOTAL (B)		17,84,71,391	4,16,44,409
Balance being excess of Income over Expenditure (A-B)		65,83,88,825	54,68,25,328
Prior Period Adjustments		(55,52,351)	(52,92,056)
Transfer to General Reserve		-	-
Balance Being Surplus Carried To Corpus Fund		65,28,36,474	54,15,33,272
Significant Accounting Policies	24		
Contingent Liabilities and Notes on Accounts	25		

sd/-
(DR. BINDU DEy)
 SECRETARY
 TECHNOLOGY DEVELOPMENT BOARD

sd/-
(PRof. ASHUT oSH SHARMA)
 CHAIRPERSON
 TECHNOLOGY DEVELOPMENT BOARD

TECHNoLoGy DEVELoPMENT BoARD

Receipts And Payments Accounts for The year Ended 31st March, 2016

(Amount in Rupees)

RECEIPTS		Current Year	Previous Year
Opening Balance :			
1	Investment in short term deposits	52,02,08,332	30,95,00,000
2	Cash in hand	13,037	97,734
3	Cash at bank	23,01,73,455	8,75,36,967
4	DFID-INVENT	36,158	1,98,78,686
Fund for Technology Development & Application			
1	TD Fund	30,00,00,000	6,75,00,000
2	Interest on short term deposits	4,86,38,653	4,64,70,008
3	Interest on loans	6,18,71,525	5,56,95,234
4	Interest on royalty	1,12,916	62,776
5	Interest on grants	1,60,588	-
6	Repayment of loans	30,65,72,805	29,27,10,176
7	Royalty	30,08,066	19,30,909
8	Donations	22,000	7,000
9	Interest on saving accounts	35,39,169	52,25,642
10	Advance to staff members	-	-
11	Miscellaneous receipts	80,395	47,382
12	Security Deposit Received / Advance	-	-
13	Recoveries from salaries	17,33,511	12,50,736
14	UTI_Ascent Indian Fund & ITUVS	-	-
15	RVCF	-	30,63,268
16	Dividend	14,79,656	25,05,596
17	SIDBI Venture Fund	85,68,716	-
18	Venture East Tenet Fund	97,13,180	-
19	Other Receipt (sale of Fixed Assets)	52,722	-
20	Recoveries pending adjustment	-	24,09,510
21	DFID - INVENT	3,02,36,072	10,57,472
TOTAL		1,52,62,20,956	89,69,49,096

sd/-

(DR. BINDU DEy)
SECRETARY

TECHNOLOGY DEVELOPMENT BOARD

sd/-

(P^{ro}f. ASHUT oSH SHARMA)
CHAIRPERSON

TECHNOLOGY DEVELOPMENT BOARD

TECHNoLoGy DEVELoPMENT BoARD

Receipts And Payments Accounts for The year Ended 31st March, 2016

(Amount in Rupees)

PAYMENTS		CURRENT YEAR	PREVIOUS YEAR
ESTABLISHMENT EXPENSES			
1	Salaries	1,71,56,588	1,45,54,529
2	Travel Expenses (Domestic)	15,58,685	9,93,601
3	Honorarium	39,600	39,600
4	Over Time Allowance	-	5,951
5	Medical Expenses	5,85,129	2,67,744
6	Pension Contribution for Deputationists	6,09,334	2,59,898
OFFICE EXPENSES			
1	Telephone / Telex	8,27,821	2,44,291
2	Postage stamps	1,53,318	73,634
3	Petrol, Oil, Lubricants	83,766	2,05,888
4	Repairs & Maintenance	4,42,075	1,98,331
5	Consumable Stores & Printing	11,66,879	13,34,968
6	Newspapers & Magazines	14,821	2,496
7	Entertainment & Hospitality	2,21,907	35,155
8	Meeting Expenses	9,29,714	2,46,916
9	Advertisement & Publicity	43,75,391	5,52,993
10	Technology Day Expenditure	16,92,864	1,29,360
11	Miscellaneous Expenses	9,79,475	3,86,055
12	National Award	10,00,000	-
13	Library Books & Journals	2,975	225
14	Legal Charges	93,97,320	78,09,170
15	Asset Management Charges	2,24,49,080	1,09,44,141
16	Advance to staff members	-	(55,000)
17	Amount recoverable (TDS)	-	(7,515)
18	TA / DA to Experts	10,77,110	4,21,985
19	Honorarium Experts	11,80,500	2,94,500
20	Earnest Money	1,00,000	-
21	Bank Charges	4,865	-
BOARD EXPENSES			
1	TA / DA to Members	1,100	-
2	Board Meeting Expenses	81,811	-

TECHNoLoGy DEVELoPMENT BoARD

Receipts And Payments Accounts for The year Ended 31st March, 2016

PAYMENTS		CURRENT YEAR	PREVIOUS YEAR
3	Fee to Board Members	30,000	-
CAPITAL EXPENDITURE			
1	Equipment / Apparatus / Machinery	8,95,588	11,025
2	Furniture & Fixtures	13,885	36,332
3	Vehicle	6,74,375	-
4	Remittance of recoveries to other depts.	17,33,511	12,50,736
5	Interest & TDS	-	9,94,684
DISBURSEMENTS FROM TDF			
1	Loans	26,98,50,000	5,62,50,000
2	Grants	11,09,89,391	-
3	Venture East TeNet Fund II	11,10,000	-
4	RVCF	1,80,00,000	-
5	GITA	2,40,20,000	-
6	SIDBI VCF	5,78,12,275	2,09,69,509
7	SEAF India Agribusiness Fund	2,20,10,228	2,01,46,649
8	IvyCap Venture Trust Fund-1	15,00,00,000	-
9	Indian Fund for Sustainable Energy (CIIE)	3,52,60,910	79,20,263
CLOSING BALANCE			
1	Investment in short term deposits including DFID	43,20,00,000	13037
2	Cash in hand	1,23,557	52,02,08,332
3	Cash at Bank		
a.	Bank Balance	30,63,97,743	23,01,73,455
b.	Bank Balance - DFID INVENT	2,91,67,365	36,158
TOTAL		1,52,62,20,956	89,69,49,096

sd/-

(DR. BINDU DEy)
SECRETARY

TECHNOLOGY DEVELOPMENT BOARD

sd/-

(PProf. ASHUT oSH SHARMA)
CHAIRPERSON

TECHNOLOGY DEVELOPMENT BOARD

TECHNoLoGy DEVELoPMENT BoARD

Schedule forming Part of Balance Sheet as on 31st March, 2016

(Amount in Rupees)

SCHEDULE 1- CORPUS/CAPITAL FUND :				
	CURRENT YEAR		PREVIOUS YEAR	
Balance as at the beginning of the year	8,76,60,25,760			8,22,44,92,488
Add: Contributions towards Corpus/Capital Fund	-			-
Add : Balance of net income transferred from the Income and Expenditure Account	65,28,36,474			54,15,33,272
BALANCE AS AT THE YEAR- END		9,41,88,62,234		8,76,60,25,760

(Amount in Rupees)

SCHEDULE 2- RESERVES AND SURPLUS:				
	CURRENT YEAR		PREVIOUS YEAR	
1. Capital Reserve:				
As per last Account	-	-	-	-
Addition during the year	-	-	-	-
Less: Deduction during the year	-	-	-	-
2. Revaluation Reserve:				
As per last Account	-	-	-	-
Addition during the year	-	-	-	-
Less: Deduction during the year	-	-	-	-
3. Special Reserves:				
As per last Account	-	-	-	-
Addition during the year	-	-	-	-
Less: Deduction during the year	-	-	-	-
4. General Reserve:				
As per last Account	-	-	-	-
Addition during the year	-	-	-	-
Less: Deduction during the year	-	-	-	-
TOTAL				

TECHNoLoGy DEVELoPMENT BoARD

Schedule forming Part of Balance Sheet as on 31st March, 2016

(Amount in Rupees)

SCHEDULE 3- EARMARKED/ENDOWMENT FUNDS				
	Current Year		Previous Year	
LIABILITIES				
A. VCF of IDBI				
1) Contribution received by IDBI from Government of India		28,84,00,000		28,84,00,000
<i>Income from Investment</i>				
a. Interest	13,08,52,144		13,08,52,144	
b. Royalty	5,51,97,900		5,51,97,900	
c. Dividend	86,23,794		86,23,794	
d. Accrued income Less waivers	2,39,03,76,810		2,39,03,76,810	
	2,58,50,50,648		2,58,50,50,648	
Less : Amount transferred to TDB	21,25,00,000		21,25,00,000	
	2,37,25,50,648		2,37,25,50,648	
Less: Excess Royalty recd. earlier	1,12,50,000		1,12,50,000	
	2,36,13,00,648		2,36,13,00,648	
Less : Loans written off	4,36,36,450		4,36,36,450	
Less : Loss on sale of Investment	26,76,250		26,76,250	
	2,31,49,87,948		2,31,49,87,948	
Less : Provision on loan	8,32,79,357		8,29,51,357	
Less : Provision on interest & FILD	2,39,03,76,810		2,39,03,76,810	
Less: Audit Fees & other Expenses	17,61,564		18,05,553	
Less: Management fees to IDBI	13,63,00,000		12,93,40,000	
Less: Diminution in value of investment	26,26,000	(29,93,55,783)	26,26,000	(29,21,11,772)
		(1,09,55,783)		(37,11,772)
Amount receivable from TDB		1,75,54,783		1,03,10,772
B. Innovative Ventures for Technology Development		65,99,000		65,99,000
(INVENT) - DFID		5,13,12,687		2,09,36,158
TOTAL		5,79,11,687		2,75,35,158

TECHNoLoGy DEVELoPMENT BoARD

Schedule forming Part of Balance Sheet as on 31st March, 2016

(Amount in Rupees)

SCHEDULE 4- SECURED LAONS AND BORROWINGS:				
	Current Year		Previous Year	
1. Central Government	-	-	-	-
2. State Government (Specify)	-	-	-	-
3. Financial Institutions				
a) Term Loans				
b) Interest accrued and due	-	-	-	-
4. Banks:				
a) Term Loans				
- Interest accrued and due	-	-	-	-
b) Other Loans (Specify)				
- Interest accrued and due	-	-	-	-
5. Other Institutions and Agencies	-	-	-	-
6. Debentures and Bonds	-	-	-	-
TOTAL	-	-	-	-

Note: Amounts due within one year

(Amount in Rupees)

SCHEDULE 5- UNSECURED LOANS AND BORROWINGS				
	Current Year		Previous Year	
1. Central Government	-	-	-	-
2. State Government (Specify)				
3. Financial Institutions	-	-	-	-
4. Banks:				
a) Terms Loans	-	-	-	-
b) Other Loans (Specify)	-	-	-	-
5. Other Institutions and Agencies	-	-	-	-
6. Debentures and Bonds	-	-	-	-
7. Fixed Deposits	-	-	-	-
8. Others (Specify)	-	-	-	-
TOTAL	-	-	-	-

Note: Amounts due within one year

TECHNoLoGy DEVELoPMENT BoARD

Schedule forming Part of Balance Sheet as on 31st March, 2016

(Amount in Rupees)

SCHEDULE 6- DEFERRED CREDIT LIABILITIES				
	Current Year		Previous Year	
a. Acceptances secured by hypothecation of capital equipment and other assets	-	-	-	-
b. Other				
Note: Amounts due within one year				
TOTAL				

(Amount in Rupees)

SCHEDULE 7- CURRENT LIABILITIES AND PROVISIONS				
	Current Year		Previous Year	
A. CURRENT LIABILITIES				
1. Acceptances	-	-	-	-
2. Sundry Creditors				
a) For Goods				
b) Others				1,00,000
3. Security Received		50,000		50,000
4. Interest accrued but not due on :				
a) Secured Loans /borrowings				
b) Unsecured Loans/borrowings	-	-	-	-
5. Statutory Liabilities				
a) Overdue		7,05,511		-
b) Others				
6. Other current Liabilities				
a) Pension contribution for deputations	6,15,981			6,09,334
b) Audit fee payable	3,62,745			2,82,745
c) Pending Adjustment	75,00,000	84,78,726		99,09,510
TOTAL (A)		92,34,237		1,09,51,589
B. PROVISIONS				
1. For Taxation				
2. Gratuity		7,58,737		6,97,656
3. Superannuation/Pension				
4. Accumulated Leave Encashment				
5. Trade Warranties/Claims				
6. Others (Specify)				
TOTAL (B)		7,58,737		6,97,656
TOTAL (A+B)		99,92,974		1,16,49,245

TECHNOLOGY DEVELOPMENT BOARD

Schedule forming Part of Balance Sheet as on 31st March, 2016

(Amount in Rupees)

DESCRIPTION	GROSS BLOCK			DEPRECIATION			NET BLOCK			
	Cost/ valuation As at beginning of the year	Additions during the year	Deductions during the year	Cost/ valuation at the year-end	As at the beginning of the year	On Additions during the year	On Deductions during the year	Total up to the year -end	As at 31.03.2016	As at the 31.03.2015
A. FIXED ASSETS:										
1. LAND:										
a) Freehold	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
2. BUILDING:										
b) On Leasehold Land	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
c) Ownership Flats/ Premises	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
d) Superstructures on Land not belonging to the entity	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
3. PLANT MACHINERY & EQUIPMENT										
4. VEHICLES	3,80,081	6,74,375	3,80,081	6,74,375	2,60,808	-	2,60,808	-	6,74,375	1,19,273
5. FURNITURE, FIXTURES	21,78,667	13,885	-	21,92,552	13,04,387	1,47,429	-	14,51,816	13,40,736	14,74,280
6. OFFICE EQUIPMENT	50,70,100	2,63,916	19,93,163	33,40,853	21,85,774	2,42,352	13,24,514	17,03,612	16,37,241	22,84,326
7. COMPUTER PERIPHERALS	24,52,722	6,31,672	10,33,874	20,50,520	20,69,491	1,80,440	9,51,372	12,98,559	7,51,961	3,83,231
8. ELECTRIC INSTALLATIONS	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
9. LIBRARY BOOKS	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
10. TUBEWELLS & W.SUPPLY	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
11. OTHER FIXED ASSETS	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
TOTAL OF CURRENT YEAR	1,06,81,570	15,83,848	34,07,118	88,58,300	64,20,460	5,70,221	25,36,694	44,53,987	44,04,313	42,61,110
B. CAPITAL WORK-IN-PROGRESS										
TOTAL	1,06,81,570	15,83,848	34,07,118	88,58,300	64,20,460	5,70,221	25,36,694	44,53,987	44,04,313	42,61,110
(Note to be given as to cost of assets on hire purchase basis included above)										
PREVIOUS YEAR	1,06,64,213	47,387	-	1,06,81,570	52,57,639	11,62,821	16,07,707	64,20,460	42,61,110	

Note: During the year assets which were not usable or non functional with book value of Rs. 8,70,424 - were scrapped / written off.

TECHNoLoGy DEVELoPMENT BoARD

Schedule forming Part of Balance Sheet as on 31st March, 2016

(Amount in Rupees)

SCHEDULE 9 - INVESTMENTS FROM EARMARKED/ ENDOWMENT FUNDS			
	Current Year		Previous Year
1. In Government Securities	-		-
2. Other approved Securities	-		-
3. Shares	-		-
4. Debentures and Bonds	-		-
5. Subsidiaries and Joint Ventures	-		-
6. VCF of IDBI (Assets)	-		-
Investment			
(i) Loan	8,32,79,357		8,29,51,357
Less: Provisions	8,32,79,357		8,29,51,357
(ii) Equity	92,25,000		92,25,000
Less: Diminution in value of	26,26,000	65,99,000	(26,26,000)
Receivables			
(i) Interest	29,97,69,021		29,97,69,021
(ii) FILD	2,09,06,07,789		2,09,06,07,789
	2,39,03,76,810		2,39,03,76,810
Less: Provisions	2,39,03,76,810	-	(2,39,03,76,810)
Cash & Bank Balance			
Total		65,99,000	65,99,000

TECHNoLoGy DEVELoPMENT BoARD

Schedule forming Part of Balance Sheet as on 31st March, 2016

(Amount in Rupees)

SCHEDULE 10 - INVESTMENTS - OTHERS			
		Current Year	Previous Year
1. In Government Securities			
2. Other approved Securities			
3. Shares-Equity /Preference participation			28,46,72,726
4. Debentures and Bonds			
5. Subsidiaries and Joint Ventures			
6. Venture Funds			
a) UTI Ascent India Fund	29,92,72,098		
Less : Redemption	-	29,92,72,098	29,92,72,098
b) APIDC Venture Funds		30,00,00,000	30,00,00,000
c) Ventureast TeNet Fund	13,15,34,803		
Add: Disbursement	11,10,000		
Less : Redemption	97,13,180	12,29,31,623	13,15,34,803
d) GVFL	15,00,00,000		
Add: Disbursement	-	15,00,00,000	15,00,00,000
e) RVCF	11,45,92,511		
Add: Disbursement	1,80,00,000		
Less: Redemption	-	13,25,92,511	11,45,92,511
f) SIDBI VCF	7,84,86,152		
Add: Disbursement	5,78,12,275		7,84,86,152
Less: Redemption	85,68,716	12,77,29,711	
g) IvyCap Venture Trust Fund-1	10,00,00,000		
Add: Disbursement	15,00,00,000	25,00,00,000	10,00,00,000
h) Multi Sector Seed Capital Fund	20,00,00,000		
Add: Disbursement	-	20,00,00,000	20,00,00,000
i) SEAF India Agribusiness Fund	19,60,18,493		
Add: Disbursement	2,20,10,228	21,80,28,721	19,60,18,493
j) Indian Fund for Sustainable Energy (CIIE)	1,38,34,040		
Add: Disbursement	3,52,60,910	4,90,94,950	1,38,34,040
7. GITA	4,33,31,000		
Add: Disbursement	2,40,20,000	6,73,51,000	4,33,31,000
			1,91,70,00,614
TOTAL			2,20,16,73,340
			1,91,17,41,823

TECHNoLoGy DEVELoPMENT BoARD
Schedule forming Part of Balance Sheet as on 31st March, 2016

(Amount in Rupees)

SCHEDULE 11- CURRENT ASSETS, LOANS, ADVANCES ETC.			
	Current Year		Previous Year
A. CURRENT ASSETS:			
1. Inventories:			
a) Stores and Spares			
b) Loose Tools			
c) Stock-in- trade			
i) Finished Goods			
ii) Work-in-progress			
iii) Raw Material	-	-	-
2. Sundry Debtors			
a) Debts Outstanding for a period exceeding six months			
b) Others			-
3. Cash balance in hand (including cheques/drafts and imprest)		1,23,557	13,037
4. Bank Balances:			
a) With Scheduled Banks:			
-On Current Accounts			
- On Savings Accounts - TDB	30,63,97,743		23,01,73,455
- On Savings Accounts-INVENT- DFID	2,91,67,365	33,55,65,108	36,158
b) Short term Deposits with Scheduled Banks:			
- On Deposit Accounts	41,00,00,000		49,93,08,332
- On Deposit Accounts INVENT - DFID	2,20,00,000	43,20,00,000	2,09,00,000
c) With Non Scheduled Bank			
- On Current Accounts			
- On Savings Accounts			
- On Deposit Accounts			
5. Post Office- Savings Accounts			
TOTAL (A)		76,76,88,665	75,04,30,982

TECHNoLoGy DEVELoPMENT BoARD

Schedule forming Part of Balance Sheet as on 31st March, 2016

(Amount in Rupees)

SCHEDULE II-CURRENT ASSETS, LOANS, ADVANCES ETC. (Contd.)			
B. LOANS, ADVANCES AND OTHER ASSETS:			
1. Loans:			
a) Staff			
b) Other Entities engaged in activities/objectives similar to that of the entity	-	-	-
c) Loan : Assistance to industrial concerns			
Opening	3,62,52,49,602		3,87,28,99,846
Add: During the year	26,98,50,000		5,62,50,000
Less: Repayment of loan	30,89,14,668		(29,55,45,176)
Less: loan converted into equity			-
Less: Written Off	-		-
Less: Prior Period Adjustment	55,52,351	3,58,06,32,583	(83,55,068)
2. Advances and other amounts recoverable in cash or in kind or of value to be received			
a) Advance to staff members	-		-
b) Recovery from other Govt. departments	10,38,686		10,38,686
c) Others - Security Deposit	1,23,000		1,23,000
d) Others	11,268	11,72,954	7,680
3. Income Accrued:			
a) On Investments from Earmarked/Endowment Funds			
b) On Investments – Short Term Deposits	44,41,205		1,69,96,055
Short Term Deposits – INVENT DFID	1,40,457		
c) On Loans and Advances	2,92,00,14,378		2,48,87,62,225
Less: written off	-		
Less: Converted into equity	-	2,92,45,96,040	
4. Unspent Grant receivable			
			-
TOTAL (B)		6,50,64,01,577	6,13,21,77,248
TOTAL (A+B)		7,27,40,90,242	6,88,26,08,230

TECHNoLoGy DEVELoPMENT BoARD

Schedule forming Part of Income And Expenditure for The year Ended 31st March, 2016

(Amount in Rupees)

SCHEDULE 12 - INCOME FROM SALES/SERVICES			
	Current Year		Previous Year
1. Income from Sales			
a) Sales of Finished Goods			
b) Sale of Raw Material			
c) Sale of Scraps	-	-	-
2. Income from Services			
a) Labour and Processing Charges			
b) Professional/Consultancy Services			
c) Agency Commission and Brokerage			
d) Maintenance Services (Equipment/Property)			
e) Others (Specify)			-
TOTAL	-	-	-

(Amount in Rupees)

SCHEDULE 13-GRANTS/SUBSIDIES (Irrevocable Grants & Subsidies Received)			
	Current Year		Previous Year
1) Central Government	30,00,00,000		6,75,00,000
2) State Government (s)			
3) Government Agencies			
4) Institutions / Welfare Bodies			
5) International Organizations			
6) Others (Specify)			
TOTAL	30,00,00,000	-	6,75,00,000

(Amount in Rupees)

SCHEDULE 14 - FEES/SUBSCRIPTINS			
	Current Year		Previous Year
1) Entrance Fees	-	-	-
2) Annual Fees/Subscriptions			
3) Seminar/Program Fees	-	-	-
4) Consultancy Fees	-	-	-
TOTAL	-	-	-

Note: Accounting Policies towards each item are to be disclosed

TECHNoLoGy DEVELoPMENT BoARD

Schedule forming Part of Income And Expenditure for The year Ended 31st March, 2016

(Amount in Rupees)

SCHEDULE 15- INCOME FROM INVESTMENTS			
(Income on Invest. From Earmarked/Endowment Funds transferred to Funds)			
	Investment from Earmarked Fund		Investment - Others
	Current Year	Previous Year	Current Year
1) Interest			
a) On Govt. Securities			
b) Other Bonds/Debentures			
2) Dividends			
a) On Shares			
b) On Mutual Fund Securities			
3) Rents	-	-	-
4) Other (Specify)	-	-	-
TOTAL			
TRANSFERRED TO EARMARKED/ ENDOWMENT FUNDS			

(Amount in Rupees)

SCHEDULE 16 – INCOME FROM ROYALTY, PUBLICATION ETC.		
	Current Year	Previous Year
1) Income from Royalty	30,10,762	19,30,909
2) Royalty Accrued		-
Less: Royalty written off	-	-
3) Others (Specify)		
TOTAL	30,10,762	19,30,909

TECHNoLoGy DEVELoPMENT BoARD

Schedule forming Part of Income And Expenditure for The year Ended 31st March, 2016

(Amount in Rupees)

SCHEDULE 17- INTEREST EARNED			
	Current Year		Previous Year
1) On Term Deposits:			
a) With Scheduled Banks (includes DFID)	3,60,83,803		3,76,31,358
b) With Non- Scheduled Banks	-		-
c) With Institutions	-		-
	-	3,60,83,803	-
2) On Savings Accounts:			
a) With Scheduled Banks	36,39,169		52,25,642
b) With Non- Scheduled Banks	-		-
c) Post Office Savings Accounts	-		-
d) Others	-	35,39,169	-
3) On Loans:			
a) Employees/Staff			
b) Loans assistance to industrial concerns		49,31,88,629	47,59,76,092
4) Interest on royalty		1,12,916	62,776
5) Interest on grants		1,60,588	-
TOTAL		53,30,85,105	51,88,95,868
Note - Tax Deducted as source to be indicated			

(Amount in Rupees)

SCHEDULE 18-OTHER INCOME			
	Current Year		Previous Year
1) Profit on Sale/disposal of Assets:	-	-	-
a) Owned assets - UTI			
b) Assets acquired out of grants or received free of cost		(8,17,702)	
2) Profits on redemption of units		-	-
3) Dividend		14,79,656	88,578
4) Miscellaneous Income		80,395	47,382
5) Fees of Miscellaneous Services		-	-
6) Donations		22,000	7,000
7) Income from Venture Fund		-	-
TOTAL		7,64,349	1,42,960

TECHNoLoGy DEVELoPMENT BoARD

Schedule forming Part of Income And Expenditure for The year Ended 31st March, 2016

(Amount in Rupees)

SCHEDULE 19 – INCREASE/(DECREASE) STOCK OF FINISHED GOODS & WOKR IN PROGRESS	Current Year		Previous Year
a) Closing Stock:			
- Finished Goods			
- Work – in - progress	-	-	-
b) Less: Opening Stock			
- Finished Goods			
- Work – in - progress	-	-	-
NET INCREASE / (DECREASE) [a-b]	-	-	-

(Amount in Rupees)

SCHEDULE 20–ESTABLISHMENT EXPENSES	Current Year		Previous Year
a) Salaries and Wages	1,54,27,064		1,33,03,793
b) Allowances and Bonus	-		5,951
c) Contribution to Provident Fund	17,33,511		12,50,736
d) Contribution to Other Fund	-		-
e) Staff Welfare Expenses	39,600		39,600
f) Expenses on Employees' Retir. and terminal Benefits	6,15,981		6,09,334
g) Reimbursement of medical charges	5,85,129		2,67,744
h) Gratuity	61,081		56,037
TOTAL		1,84,62,366	1,55,33,195

TECHNoLoGy DEVELoPMENT BoARD

Schedule forming Part of Income And Expenditure for The year Ended 31st March, 2016

(Amount in Rupees)

SCHEDULE 21—OTHER ADMINISTRATIVE EXPENSES ETC.	Current Year	Previous Year
a) National Award	10,00,000	-
b) Legal charges	96,28,843	78,09,170
c) Assets Management Fees	2,29,00,023	1,09,44,141
d) Bank Charges	4,865	-
e) TDS and Interest	-	9,94,684
f) Loss on sale of assets	-	-
g) Repairs and maintenance	4,44,139	1,98,331
h) Postage & stamps	1,53,318	73,634
i) Technology Day Expenditure	16,92,864	1,29,360
j) Vehicles Running and Maintenance	83,766	2,05,888
k) Telephone and Communication Charges	8,27,821	2,44,291
l) Printing, Stationary & Consumables	11,67,441	13,34,968
m) Travelling and Conveyance Expenses		-
a) Domestic	15,59,976	-
b) Abroad	-	-
c) Experts	10,77,110	26,37,086
n) Library books and periodical	2,975	225
o) TA / DA / fee to Board members	1,100	-
p) Auditors Remuneration	80,000	80,000
q) Hospitality Expenses	2,21,907	35,155
r) Meeting Expenses	9,35,498	2,46,916
s) Professional Charges	11,80,500	2,94,500
t) a) Interest written off	-	-
b) Royalty written off	-	-
c) Loan written off	-	-
u) Devaluation of Equity	-	-
v) Misc. Expenses	9,84,222	3,86,055
w) Newspaper & Magazine	14,821	2,496
x) Advertisement and Publicity	43,75,502	5,52,993
y) Board Expenses & fees	1,12,722	-
TOTAL	4,84,49,413	2,49,48,393

TECHNoLoGy DEVELoPMENT BoARD

Schedule forming Part of Income And Expenditure for The year Ended 31st March, 2016

(Amount in Rupees)

SCHEDULE 22 – EXPENDITURE ON GRANTS	Current Year	Previous Year
1) Grants given to Institutions / Organizations		
(i) Incubators	11,09,89,391	
(ii) Other agencies	-	-
2) Subsidies given to Institutions / Organizations		
TOTAL	11,09,89,391	-
Note: Name of the Entities, their Activities along with the amount of Grants/Subsidies are to be disclosed		

(Amount in Rupees)

SCHEDULE 23 – INTEREST	Current Year	Previous Year
a) On Fixed Loans		
b) On Other Loans (including Bank Charges)		
c) Others (Specify)		
TOTAL	-	-

Significant Accounting Policies and Notes on Accounts-2015-16

A. Significant Accounting Policies

1. Receipts and Payments Accounts is prepared from the cash receipt journal and is a summary of cash transactions under various heads. It records receipts and payments of both capital and revenue nature.
2. Income and Expenditure Account is the summary of incomes and expenditures of the year. It is prepared both on cash and on accrual basis. It records income and expenditure of revenue nature only. The accrued interest earned on the loan amount disbursed is accounted for in the year in which the loan installment is released; however, the interest is actually receivable after the projects have been completed in accordance with the terms and conditions of the respective loan agreements. Provision of expenses due but not paid are not made in the accounts for the year except for Staff Dues and Audit Fees.
3. Depreciation on fixed assets is provided on the basis and rates prescribed under the Income Tax Act, 1961, on diminishing balance method. No depreciation is provided on the fixed Assets acquired/sold/transferred/discarded during the financial year. Addition in fixed assets are accounted at the cost of acquisition.
4. Royalty payments are taken on receipt basis in Receipts and Payments Account and Balance Sheet.
5. Government grants are recognized on receipt basis. Unspent balances are not to be refunded to the Government of India as the grants released by the Government are credited to the Fund for Technology Development and Application in terms of section 9(1)(a) of the Technology Development Board Act, 1995 and thus there is no such requirement of refund. No amount is, therefore, due for refund to the Government of India.
6. In terms of section 9(1) of the Technology Development Board Act, 1995, recoveries made of the amounts granted from the Fund for Technology Development and Application, receipt of interest on loans, royalty, donations and sums received from any other source are credited to the Fund. Keeping this provision in view, the Balance Sheet has been prepared.
7. The balance sheet of Earmarked/ Endowment funds (Venture Capital Funds) maintained by IDBI has indicated the following:-
 - a. The balance sheet is prepared on accrual basis except for income/expenditure in respect royalty, management fee and penal interest thereon, which are recognized on actual receipt/ payment.
 - b. The valuation of assets/ loans/ investments have been carried at the assessment value by IDBI (Fund manager) and the provision for reducing the book value of the assets is recorded as per the notes provided in the financial statements.
 - c. As per the Notes to Balance Sheet, there is no change in the customer outstanding / recovery i.e.: the amount recoverable from the customer would include the amount as per accord interest/ additional interest in Memorandum Books. Further write off of bad loans including accrued interest outstanding shall be done where the recovery process has reached a closure and no further repayments are expected from the loan accounts and the same have been approved for write off by the Board.
 - d. The financial statements of IDBI (VCF) are to be read with other notes and explanations attached with the Balance Sheet provided by them.
8. Fund balances are kept in short term deposits in nationalized banks. Interest on short term deposits is reflected in the Receipts and Payments Account and Balance Sheet.
9. The investments in companies are stated at cost price. As per the mandate of TDB, the investments are not held for capital appreciation in the strict sense or for any other benefit to TDB, the shares are held at cost of acquisition till they are finally realized. However any permanent decline in the fair value of the investments so held due to

the winding up or dissolution of the respective company or any other reason, the value of decline is charged to the income & expenditure account.

10. In the case of default, rescheduling agreement(s) whatsoever done are set aside in accordance with the terms and conditions of the Loan Agreement and balances in account are restored the original agreement. This may result in increase of outstanding amount of the borrower due to reverting back to the original agreement.
11. In the case where borrower is unable to pay the loan / interest amount as per the terms of loan agreement and when the dispute arising out of out of noncompliance of the loan agreement and consequently matter is referred to arbitration. In such instance the outstanding amounts of loan and interest is frozen on the date of reference to arbitration. Further provisioning or adjustment in the outstanding interest is made only after the award is passed in accordance with the award conditions.
12. In the case where the borrower has defaulted in repayment of its loan and interest as per loan agreement and has since gone into liquidation, booking of interest has not been restricted to the date of liquidation. Final provision for write off is made for principal and interest after receipt of final payment form the Official Liquidator since the right to claim interest up to the date of recovery is maintained by TDB.
13. In case of default by a borrower and the subsequent passing of an Arbitration Award, the restatement of loan and interest and also the charging of interest is done as per the award. This may result in decrease/ increase of outstanding amount of interest due from the borrower.
14. In the case of start of Arbitration proceedings, the charge of Interest is discontinued from the date of the start of the proceedings till the award is passed. After the award, other conditions remaining constant, the loan and interest thereon is accounted as per award.
15. In case funds have not been released for the full agreed amount and the time bound repayment schedule is active, interest is calculated on the basis of the amount released at the rate applicable as per agreement.
16. Investments with Venture Funds other Seed funds, are carried at cost. Since the Funds are continuously evolving in terms its activities and is an ongoing concern, no permanent change in the value of the investment is envisaged or provided. Income / Loss is recognized in the Venture Fund Investments either on closure of the funds or disbursement of income during the tenure of the fund.
17. Stock verification is done on annual basis.
18. Figures are rounded off to the nearest rupee.

Notes on Accounts

1. TDB received Rs. 3000 lakhs (P.Y. Rs. 675 lakhs) as grant during the financial year 2015-16.
2. Technology Development Board has an overdue loan repayment (amount due but not received) amounting to Rs. 242.59 crore (P.Y. Rs. 222.12 crore) as on 31st March, 2016. In addition, simple interest of Rs. 92.62 crore (P.Y. Rs 89.37 crore), additional interest on loan amounting to Rs.133.53 crore (P.Y. Rs. 114.54 crore) and Rs. 35.77 crore (P.Y. Rs. 30.73 crore) as additional interest on simple interest, were also due.
3.
 - i. The outstanding investment in the Ascent India Fund (AIF) administered by the UTI Venture Funds Management Company Private Limited (UTIVF), Bangalore is Rs. 29.93 crore as on 31.03.2016. The audited NAV of the fund was 51.87/- per unit of Rs. 100/- on 31st March 2016.
 - ii. The outstanding investment in the Ventureast Tenet Fund II, operated by Venture East Fund Advisors Pvt. Ltd., Chennai is Rs. 12.29 crore up to 31.3.2016. An amount of Rs. 0.97 crore have been received towards redemption of units during the year. The unaudited NAV of the fund was Rs. 1,271/- per unit (face value of Rs. 1000/- per unit) on 31st March 2016.
 - iii. TDB has invested Rs. 30 crore (3000 fully paid units of Face Rs. 1,00,000/- per units) up to 31.3.2016 in "TDB trust" (Co-Investment Scheme with Biotechnology Venture fund) with APIDC administered and managed by APIDC Venture Capital Limited, Hyderabad as per co-investment agreement dated 16.08.2004. The unaudited NAV of the fund was Rs. 63,425/- per unit (face value of Rs. 1, 00,000/- per unit) on 31st March 2016.
 - iv. The outstanding investment in M/s Gujarat Venture Finance Limited (GVFL), Ahmedabad SME Technology Venture Fund is Rs. 15.00 crores up to 31st March 2016. The audited NAV of the fund was Rs 87,835/- per unit (face value Rs. 1,00,000) on 31st March 2016.
 - v. The outstanding investment in M/s Rajasthan Venture Capital Fund (RVCF), Jaipur "SME Technology Venture Fund" is Rs 13.26 crore as on 31.03.2016. The unaudited NAV of fund was Rs. 191.62/- per unit of Rs. 100/- on 31st March 2016.
 - vi. The outstanding investment in M/s SIDBI Venture Capital Limited is Rs. 12.77 crore as on 31.3.2016. An amount of Rs 0.86 crore have been received towards redemption of units during the year. The audited NAV of the fund was Rs. 881.63/- (face value Rs.1,000) as on 31st March 2016.
 - vii. The outstanding investment in SEAF India Agribusiness Fund is Rs. 21.80 crore as on 31.3.2016. The unaudited NAV of the fund was Rs. 4, 19,171/- (face value Rs. 5, 00,000) as on 31st March 2016.
 - viii. The outstanding investment in Multi Sector Seed Capital Fund is Rs. 20.00 crore as on 31.3.2016. The unaudited NAV of the fund was Rs. 20,755/- (face value Rs. 10,000) as on 31st March 2016.
 - ix. The outstanding investment in M/s Ivy Cap Venture Trust Fund-I is Rs. 25.00 crore as on 31.3.2016. The unaudited NAV of the fund was Rs. 1,41,969.31/- (face value Rs.1, 00,000) as on 31st March 2016.
 - x. The outstanding investment in M/s Indian Fund for Sustainable Energy (CIIE) is Rs. 4.90 crore as on 31.3.2016. The unaudited NAV of the fund was Rs. 98.71/- (face value Rs.100) as on 31st March 2016.
4. TDB has signed agreement with M/s Global Innovation Technology Alliance (GITA), in joint venture with CII, in equity contribution of 51:49 respectively with a mandate to cover all key elements of innovation ecosystem that benefit industry and technology start-ups, with DST and other organizations. The equity participation of TDB in GITA is Rs. 7.35 crore. TDB release Rs. 6.73 crore up to 31st March 2016.

5. The following grant-in-aid distributed during the financial year.

S. No	Company's Name	Purpose	Amount (in lakhs)
1	M/s SIDBI innovation & incubation Centre (IIT Kanpur)	Seed Support	30.00
2	M/s KIIT Technology Business Incubator,	Seed Support	30.00
3	M/s International Advanced Research Centre for Powder Metallurgy and New Materials (ARCI)	Grant	500.00
4	M/s Villgro Innovations Foundation, Chennai	Seed Support	30.00
5	M/s Federation of Indian Chambers of Commerce and Industry (FICCI),	Grant	500.00
6	M/s IAN Mentoring and Incubation Services, New Delhi	Seed Support	30.00
	Total		1120.00

6. The transfer of money receipts and liabilities outstanding in the books of the Industrial Development Bank of India (IDBI) on account of Venture Capital Fund (VCF) transactions pertaining to grants released by Government of India are required to be transferred to the Board as on 1st September 1996 in terms of section 10 of the Technology Development Board Act, 1995. The Balance Sheet of Venture Capital Fund of IDBI, vested with the Board, for the year ended 31st March 2016 has been incorporated in this year's Balance Sheet. The Balance Sheet also reflects previous year's figures relating to VCF of IDBI.
7. In accordance with the Agreement between Government of India through Department of Economic Affairs (DEA) and Department For International Development (DFID), Government of United Kingdom of Great Britain together with TDB bide Memorandum of Understanding dated 29.8.2013, it was agreed that the incubation component of "Innovative Ventures and Technologies for Development (INVENT) programme will be Implemented and monitored with TDB, Department of Science & Technology, and government of India. The responsibility
8. Devaluation in value of preference shares held in NICCO Corporation amounting to Rs. 1846.00 lakhs has occurred due to closure of the operations of the company based on the report of the asset managers. A loan amounting to Rs. 691.04 lakhs (including interest) is also outstanding from the company. However the investments have not been written off as the same are in the process of recovery.
9. Previous year figures have regrouped and reclassified to make them comparable with current year figures.

sd/-
(DR. BINDU DEY)
 SECRETARY
 TECHNOLOGY DEVELOPMENT BOARD

sd/-
(PROF. ASHUTOSH SHARMA)
 CHAIRPERSON
 TECHNOLOGY DEVELOPMENT BOARD

Separate Audit Report on the accounts of Technology Development Board, New Delhi for the year 2015-16

We have audited the attached Balance Sheet of the Technology Development Board (TDB) New Delhi as at 31st March 2016 and the Income & Expenditure Account/Receipts & Payments Account for the year ended on that date under Section 19(2) of the Comptroller and Auditor General's (Duties, Powers and Conditions of Service) Act, 1971 read with Section 13(2) of the Technology Development Board Act, 1995 (No. 44 of 1995). These financial statements are the responsibility of the Board's management. Our responsibility is to express opinion on these financial statements based on our audit.

2. This Separate Audit Report contains the comments of the Comptroller and Auditor General of India on the accounting treatment only with regard to classification, conformity with the best accounting practices, accounting standards and disclosure norms, etc. Audit observations on financial transactions with regard to compliance with the Law, Rules & Regulations (Propriety and Regularity) and efficiency-cum-performance aspects, etc., if any, are reported through Inspection Reports/Comptroller and Auditor General's Audit Reports separately.

3. We have conducted our audit in accordance with auditing standards generally accepted in India. These standards require that we plan and perform the audit to obtain reasonable assurance about whether the financial statements are free from material misstatements. An audit includes examining, on a test basis, evidences supporting the amounts and disclosure in the financial statements. An audit also includes assessing the accounting principles used and significant estimates made by management, as well as evaluating the overall presentation of financial statements. We believe that our audit provides a reasonable basis for our opinion.

4. Based on our audit, we report that:

i) We have obtained all the information and explanations, which to the best of our knowledge and belief were necessary for the purpose of our audit;

ii) The Balance Sheet, Income & Expenditure Account and Receipts & Payments Account dealt with by this report have been drawn up in the Common format of Accounts approved by the Government of India, Ministry of Finance.

iii) In our opinion, proper books of accounts and other relevant records have been maintained by the TDB, New Delhi except those stated in this audit report, in so far as it appears from the examination of such books.

(A) Balance Sheet**Current Assets, Loans, Advances etc -Schedule 11- ₹ 7,27,40.90 lakh.**

The above depicted ₹ 44.41 lakh as Interest Accrued-On investments-Short Term Deposits however, the accrued interest on investments of ₹ 41,00.00 lakh in short Term Deposits during the year 2015-16 was only ₹ 28.56 lakh. This has led to overstatement of Current Assets as well as current year Income by ₹ 15.85 lakh and understatement of Income of prior period by the same amount.

(B) Income & Expenditure Account**I. Expenditure****(a) Expenditure on Grants – Schedule 22 – ₹ 11,09.89 lakh**

TDB booked an expenditure of ₹ 11,09.89 lakh under the head 'Expenditure on Grants, Subsidies Etc' as per Income & Expenditure Account, whereas Schedule 25 relating to Notes on Account depicted 'Distribution of grant-in-aid' during the year as ₹ 11,20.00 lakh. This was due to adjustment of ₹ 10.11 Lakh receipts towards refund of unspent balance of grant which was required to be treated as Prior period adjustment. This resulted in understatement of Other Income and Expenditure on Grants as well as Prior Period Income by ₹ 10.11 lakh.

(b) Other Administrative Expenses etc., – Schedule 21- ₹ 4,84.49 lakh

- (i) Unpaid Expenditure of ₹ 1.75 lakh on account of payment of Telephone Expenses for 2015-16 was neither accounted for as 'Outstanding Expenses' nor shown in liabilities in Schedule-7 "Current Liabilities and Provisions". This resulted in understatement of expenditure as well as liabilities by ₹ 1.75 lakh.
- (ii) The expenditure incurred towards payment of Assets Management Fees of ₹ 83.57 lakh for 2014-15 was erroneously booked as current year expenditure leading to overstatement of Expenditure and understatement of Prior period expenditure by ₹ 83.57 lakh.
- (iii) The above does not includes ₹ 34.10 lakh expenditure on development and launch of the web-site in October, 2015 for which demand was raised by vendor in May 2015. This resulted in understatement of expenditure and current liabilities by ₹ 34.10 lakh.

(c) Establishment Expenses- Schedule 20 - ₹ 1,84.62 lakh

An expenditure of ₹ 1,54.27 lakh was booked under the head 'Salaries and Wages' in Schedule 20-Establishment Expenses whereas the examination revealed that the expenditure of ₹ 13.05

lakh pertaining to previous year was included in current year expenditure. Similarly, the unpaid expenses of ₹ 15.75 lakh on account of March salary paid in April was not accounted for. The above transaction had resulted in understatement of expenditure and Prior Period expenditure by ₹ 2.70 lakh and ₹ 13.05 lakh respectively, besides understatement of liabilities to the extent of ₹ 15.75 lakh.

2. Income Other Income – Schedule 18 – ₹ 7.64 lakh.

TDB incurred a loss on Sale of Assets amounting to ₹ 8.18 lakh during the year, however the loss was erroneously booked as minus income leading to understatement of Income as well as expenditure by the same amount.

(C) General

1. Investments

(i) Others (Schedule 10– ₹ 2,20,16,73lakh) and Investments from Earmarked/ endowment Funds (Schedule 9 - ₹ 65.99 lakh)

(a) The above included investments of ₹ 28.47 crore in shares-Equity/Preference participation and ₹ 65.99 lakh on Investments from Earmarked/endowment Funds through Venture Capital Fund of IDBI. TDB had adopted two different policies for treatment of Investment in shares and Earmarked/Endowment Fund as the value of Equity and Loan was evaluated as ₹ 65.99 lakh after diminution in value of investment by ₹ 26.26 lakh in case of redemption of investment. However, the policy of diminution of value was not adopted for all investments.

(b) Further, the Investment Register disclosed an investment of ₹ 34,36.73 lakh in equity shares of six companies. Out of this, the investment of ₹ 5,90.00 lakh in the equity shares of M/s Twenty First Century Battery Ltd, Mohali Punjab was devalued to 'Nil' and booked as expenditure during 2013-14 towards 'Devaluation of Equity'. However, this diminution in value of investment was not shown under Schedule-10 'Investments' while showing the reduced value of investments as shown under Schedule-9 'Investments from Earmarked/Endowment Funds' thereby resulting into adoption of different methods for accounting of similar nature of transactions.

(ii) Non-Conversion of investment in Equity

As per Schedule-10 "Investments" related to the balance sheet, an amount of ₹ 28.47 crore were shown under the head 'Shares-Equity participation' which included investment of ₹ 1,56.18 lakh in 107798 equity shares of M/s Reva Electric Car Company Pvt. Ltd. @ ₹ 1,44.88 per share

acquired in March 2007. Since, the company was acquired by Mahindra Group in May 2010 and converted into a public limited company namely, M/s Mahindra Reva Electric Vehicles Ltd. in December 2015, the shares held by TDB were needed to be exchanged with the equity shares of newly formed/converted public limited company. However, no action was taken by the Board for acquiring/obtaining fresh/converted equity shares.

2. Non-provisioning for doubtful Loans to various companies

As per the annual accounts, an amount of ₹ 3,58.06 crore was outstanding against 95 companies. Out of this 69 such concerns, with total overdue loan amounting to ₹ 2,42.59 crore, have defaulted in repayment of their loans liabilities towards TDB which kept on increasing from ₹1,70.30 crore in 2012-13 to ₹ 1,92.08 crore in 2013-14 and ₹ 2,22.12 crore in 2014-15.

Out of ₹ 2,42.59 crore shown overdue till 31st March 2016, 48 cases with outstanding loan of ₹ 2,22.96 are under litigation. Besides this, 26 out of 47 companies that were not under litigation, from whom the confirmation of loan balances of ₹ 59.92 crore was sought by the Board, but TDB has failed to confirm their outstanding balances.

Besides above, an amount of ₹ 2,92.00 crore was shown in the accounts as interest accrued till 31st March 2016 which included an amount of ₹ 2,79.01 crore as overdue for recovery from these companies.

While analyzing the status of loans becoming due alongwith repayments from the companies, it was revealed that 9 companies wherein loans became due from December 2002 to February 2011 did not pay even a single instalment of loan/interest whereas 22 companies did not pay any installment from 4 to 16 years as on 31st March 2016.

The above position shows that the overdue and unrecoverable assets had inflated the loan portfolio of the TDB shown under Current Assets for which a suitable provision needs to be made in the annual accounts for depiction of the correct picture of these doubtful and unrecoverable loans and huge amount of interest accrued thereon. In view of above, we are not able to verify its correctness of the loan and advances outstanding.

3. Receipts and Payments Account – ₹ 1,52,62.21 lakh

The closing balances under the heads 'Investment in short-term deposits including DFID' and 'Cash-in-hand' for the 'Previous Year' were erroneously taken as ₹ 0.13 lakh and ₹ 52,02.08 lakh respectively instead of ₹ 52,02.08 lakh and ₹ 0.13 lakh respectively.

(D) Grant-in-aid

TDB receives grants from the Department of Science and Technology (DST) out of the R&D Cess levied and collected by the Government at the rate of five per cent on payments made towards import of technology. TDB received a grant of ₹ 30,00.00 lakh from the DST during 2015-16. In addition to opening balance of Cash/Bank balance of ₹ 75,04.31 lakh, an amount of ₹ 77,57.90 lakh was received by TDB as interest on short term deposits/loans/royalty/grants, repayment of loans, royalty, income from venture funds, dividend, guarantee etc. during the year 2015-16. After making a total payment of ₹ 75,85.32 lakh for investments, establishment/office expenses and disbursement of loans/grants etc., ₹ 76,76.89 lakh was shown as unspent as on 31 March 2016.

(E) Management Letter: Deficiencies which have not been included in the Audit Report have been brought to the notice of the TDB through a management letter issued separately for remedial/corrective action.

- (v) Subject to our observations in the preceding paragraphs, we report that the Balance Sheet, Income & Expenditure Account and Receipts & Payments Accounts dealt with by this report are in agreement with the books of accounts.
- (vi) In our opinion and to the best of our information and according to the explanations given to us, the said financial statements read together with the Accounting Policies and Notes on Accounts, and subject to the significant matters stated above and other matters mentioned in Annexure to this Audit Report give a true and fair view in conformity with accounting principles generally accepted in India.
- a. In so far as it relates to the Balance Sheet, of the state of Affairs of the TDB as at 31 March 2016; and
 - b. In so far as it relates to Income & Expenditure Account of the surplus for the year ended on that date.

For and on behalf of C&AG of India


Principal Director of Audit
Scientific Departments

Place: New Delhi

Date: 07 December, 2016

Internal Control System**1. Adequacy of Internal Audit System**

The Internal Audit of TDB has been conducted till 2015-16.

2. During the audit of TDB, the following deficiencies in relation to internal control system were observed :

(a) Inadequate convening of meetings of Technology Development Board

TDB convened only one meeting of the Board during 2014-15 and 2015-16, in violation of Rule 4 of the TDB Rules, due to non-reconstitution of Board by the Government, which provided for holding atleast two meetings annually.

(b) No mechanism for assessment and realization of royalty.

Income and Expenditure Accounts revealed an Income of ₹ 30.11 lakh from Royalty whereas the income from royalty for the previous year was reported as ₹ 19.30 lakh. In terms of loan agreement signed with the Borrower companies, royalty at an agreed rate on annual sales turnover of the product developed with Board's assistance commencing from the date of start of commercialization, till the entire loan etc. is prepaid by the Borrower or from such extension of date as may be agreed to by the Board was required to be paid by Borrower to TDB. For this purpose, TDB was required to have watch over annual sales turnover of the borrower companies, so as to assess the quantum of royalty to be realized from it. However, TDB has failed to adopt any mechanism to assess the annual sales turnover of the Borrower companies to assess the amount of royalty due from them. In reply to similar observation during previous year, TDB had assured to develop the mechanism but no such mechanism has been adopted.

(c) Outstanding Utilization Certificate

In terms of Rule 212(1) of General Financial Rules, each grantee Institution is required to furnish the utilization certificate within 12 months of the closure of the financial year, indicating that the grant has been utilized for the purpose for which it was sanctioned. However, utilization certificates amounting to ₹ 26,96.91 lakh were outstanding from 37 grantee organizations as of 31 March 2016.

3. System of physical verification of fixed assets

Physical verification of fixed assets for the year 2015-16 has been conducted.

4. System of physical verification of inventories

Physical verification of inventories for the year 2015-16 has been conducted.

5. Regulatory in Statutory dues

All statutory dues were paid in time.


Dy. Director (Inspection)



TECHNOLOGY DEVELOPMENT BOARD

Department of Science & Technology, Government of India
A-Wing, Ground Floor, Vishwakarma Bhavan, Shaheed Jeet Singh Marg
New Delhi - 110016

Telephone: +91-011 26540100-2653 7349

E-mail: secy.tdb96@gmail.com, Website: www.tdb.gov.in